राष्ट्रपति और राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे - 12

दरों में बदलाव के अनुरूप एमआरपी में संशोधन करें कंपनियां : जोशी - 12

बेकाबू गुस्सा... ओली के इस्तीफे से भी नहीं संभले हालात - 13

पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर आक्रामकता नहीं छोड़ेंगे सूर्यकुमार यादव- 14

आज का मौसम
34.5° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.52
सूर्यास्त 06.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया 03:38 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 10 सितंबर 2025, वर्ष 4, अंक 21, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

नेपाल में स्थिति तनावपूर्ण, संसद में आग लगाई मंत्रियों के आवास फूंके, पीएम ओली का इस्तीफा

पूर्व पीएम झलनाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को जिंदा जलाया, युवाओं का हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी

काठमांडू, अमृत विचार नेटवर्क/ एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने देश में जारी सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सहित कई शीर्ष राजनीतिक नेताओं के निजी आवास पर हमला किया तथा संसद भवन में तोड़फोड़ की। पूर्व पीएम झलनाथ खनाल की पत्नी को राजलक्ष्मी को प्रदर्शनकारियों ने जिंदा जला दिया जिससे उनकी मौत हो गई।

छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों में राजनीतिक वर्ग के खिलाफ कई कारणों को लेकर आम लोगों का बढ़ता आक्रोश झलक रहा है, जिसमें सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दे शामिल हैं। प्रदर्शनकारी कर्फ्यू और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बावजूद काठमांडू और अन्य स्थानों पर एकत्र हुए। सोमवार को विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 20 लोगों की मौत के लिए ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के उनके कार्यालय में घुसने और नारेबाजी करने के तुरंत बाद ओली ने पद छोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति पौडेल को लिखे अपने त्यागपत्र में ओली ने नेपाल के समक्ष मौजूद असाधारण परिस्थितियों का हवाला दिया और कहा कि वह मौजूदा स्थिति के संवैधानिक और राजनीतिक समाधान का मार्ग प्रशस्त करने के लिए पद छोड़ रहे हैं। सुरक्षा की खराब स्थिति को देखते हुए काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। हालांकि, नेपाल सरकार ने जेन जी युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद सोमवार रात सोशल मीडिया वेबसाइटों पर से प्रतिबंध हटा लिया था। 'जेन जी' वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ। ओली के इस्तीफे से कुछ घंटे पहले, प्रदर्शनकारियों ने बालकोट स्थित उनके निजी आवास में आग लगा दी और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक आदि के आवासों पर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति पौडेल के निजी आवास पर भी हमला किया।

जेन जी के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने राजधानी के कई हिस्सों में केपी चोर, देश छोड़ो और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के नायकाप स्थित पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के आवास को भी आग लगा दी। काठमांडू उन्होंने काठमांडू के बूढ़ा नीलकंठ स्थित पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के आवास में भी तोड़फोड़ की।

नेपाल के काठमांडू में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान आग के हवाले की गई सार्वजनिक संपत्ति।

कंट्रोल रूम की स्थापना

एडीजी कानून-व्यवस्था के कार्यालय में विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने मंगलवार देर शाम को आदेश जारी किया है। जिसमें भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सभी जिलों पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज के पुलिस अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया है। डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए पुलिस मुख्यालय में स्थित एडीजी कानून-व्यवस्था के नेतृत्व में एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सहायता के लिए तीन हेल्पलाइन नंबर व एक व्हाट्सएप नंबर जारी किये गये हैं। जो 24 घंटे संचालित रहेगा। इनके माध्यम से नागरिकों को सीधे मदद दी जाएगी। जारी नंबर में 0522-2390257, 0522-2724010 और 9454401674 है। वहीं व्हाट्सएप नंबर 9454401674 दिया याग है। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय की सोशल मीडिया इकाई नेपाल से संबंधित किसी भी संवेदनशील सूचना व पोस्ट की लगातार निगरानी कर रही है।

भारत के 3500 से 4000 तक टूरिस्ट नेपाल में फंसे

भारत के 3500 से 4000 तक टूरिस्ट नेपाल में फंसे। ये लोग लुंबिनी, सूपड़ा देवराली,प्रभुनाथ, मुक्तिनाथ, पशुपतिनाथ दर्शन के अलावा पोखरा और काठमांडू घूमने गए थे। नेपाल के हालात खराब होने के बाद किसी भी टूरिस्ट को बाहर निकलने से मना कर दिया गया है। काठमांडू घाटी के बड़े होटलों पर पुलिस का पहरा है। भारत नेपाल सीमा के बार्डर भी बंद कर दिए गए हैं। भारत के अलावा अन्य देशों के करीब 15 हजार टूरिस्ट भी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में फंसे हैं।

नेपाल सीमा सील, हर गतिविधि पर नजर

लखनऊ। नेपाल संकट के बीच इण्डो-नेपाल सीमा सील कर दी गई है। नेपाल में फंसे पर्यटकों को सख्त सुरक्षा और चेकिंग के साथ यहां लाया जा रहा है जबकि इधर से नेपाल जा रहे पर्यटकों पर रोक लगा दी गई है। बॉर्डर पर हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने को एसएसबी और स्थानीय पुलिस के साथ इंटीलिजेंस भी सक्रिय है। पीलीभीत व लखीमपुर खीरी जिले में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी के जवान लगातार गश्त कर रहे हैं। लखीमपुर खीरी के पलियाकला में भारत-नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। सोनौली कस्बे में डॉग स्क्वायड टीमें बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड, होटल और लावारिस वाहनों की जांच में जुटी हैं। सोमवार शाम 4 बजे के बाद करीब 700 पर्यटकों को वापस लौटा दिया गया।

काठमांडू जा रहे तीन विमानों की लखनऊ में आपात लैंडिंग

सरोजनीनगर। नेपाल में हालात खराब होने के चलते तीन विमानों की मंगलवार को लखनऊ में लैंडिंग कराई गई। इसमें एक विमान दिल्ली, दूसरा मुंबई और तीसरा बैंकाक से काठमांडू जा रहा था। इंडिगो के विमान संख्या 6 ई-1153 दोपहर 2 :30 बजे काठमांडू एयरपोर्ट पर उतरना था। काठमांडू एयरपोर्ट पर हवा में चक्कर लगाने के बाद विमान लखनऊ में उतरा। विमान में 160 यात्री और छह चालक दल के सदस्य सवार थे। मुंबई से काठमांडू जा रहे इंडिगो के विमान 6 ई-1157 को पहले लखनऊ में उतारा गया, फिर दिल्ली भेज दिया गया।

घटनाक्रम पर भारत की नजर, नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत, नेपाल में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कई नौजवानों की मौत से बेहद दुखी है और उसे उम्मीद है कि शांतिपूर्ण तरीके से मुद्दों का समाधान हो जाएगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि नई दिल्ली पड़ोसी देश के घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही है। अशांति को देखते हुए, भारत ने अपने नागरिकों से वहां की स्थिति सामान्य होने तक पड़ोसी देश की यात्रा स्थगित करने को कहा।

सीपी राधाकृष्ण होंगे देश के उपराष्ट्रपति, रेड्डी को 152 वोट से हराया

- राधाकृष्णन को 452 वोट तो सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले
- कुल 98.2 प्रतिशत हुआ मतदान, 15 वोट अवैध करार दिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 तथा विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए। राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने नतीजों की घोषणा की और कहा कि कुल 98.2 प्रतिशत मतदान हुआ।

उन्होंने बताया कि इस मतदान में निर्वाचक मंडल के कुल 781 सदस्यों में से 767 (एक डाक मतपत्र समेत) ने मतदान किया था, जिसमें 15 वोट अवैध करार दिए गए। पीसी मोदी ने कहा, मैं राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित घोषित करता हूं। परिणाम के बारे में निर्वाचन आयोग को सूचित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति के चुनाव में मतदान सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे समाप्त हुआ। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल समेत प्रमुख नेताओं ने मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं तथा इसमें व्हिप जारी नहीं होता है।

उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं) एवं 12 मनोनीत सदस्य तथा लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल थे। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। बीजद, बीआरएस और शिअद ने चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। पूर्व पीएम, 92 वर्षीय देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने सीपी को दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति चुनाव में के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को जीत हासिल करने पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। मोदी ने एक्स पर कहा कि मुझे विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे और हमारे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत बनाने के साथ साथ संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

लद्दाख के सियाचिन में हिमस्खलन, तीन सैनिकों की जान गई

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में हिमस्खलन होने के कारण तीन सैनिकों की जान चली गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन आधार शिविर क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ, जिसमें दो अग्निवीर सहित तीन सैनिक फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए सैनिकों के शव निकाल लिए गए।

183 करोड़ की धोखाधड़ी में एमडी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने मध्य प्रदेश जल निगम लिमिटेड (एमपीजेएनएल) को फर्जी बैंक गारंटी जमा करके सिंचाई परियोजनाएं हासिल करने के लिए कथित तौर पर 183 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के सिलसिले में इंदौर स्थित तीर्थ गोपीकॉन के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने कहा कि सीबीआई ने कंपनी के प्रबंध निदेशक महेश कुंभानी और एक व्यक्ति गौरव धाकड़ को मध्य प्रदेश के छतरपुर, सागर और डिंडोरी जिलों में तीन सिंचाई परियोजनाओं को 2023 में 974 करोड़ रुपये में हासिल करने के लिए धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एनआईए ने कई राज्यों में ली तलाशी

नई दिल्ली। एनआईए ने इस्लामिक स्टेट और अन्य आतंकवादी संगठनों से जुड़े साजिश की जांच के तहत पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में 21 स्थानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में भी तलाशी ली गई।

दिल्ली सचिवालय और आजाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय (यूसीएमएस) को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसे बाद में अफवाह करार दिया गया। पुलिस ने कहा कि धमकी भरे संदेश में कहा गया कि तीनों स्थलों पर एक किलोमीटर के दायरे में आरडीएक्स लगाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत तुरंत समन्वित कार्रवाई की गई और बम निरोधक एवं निस्तारण टीम (बीडीडीटी) को उक्त तीनों स्थानों तैनात किया गया। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा, पूर्वाह्न करीब 11 बजे जीटीबी अस्पताल के यूसीएमएस से सूचना मिली कि उन्हें कॉलेज परिसर में बम होने के संबंध में एक ईमेल मिला है। एसओपी के अनुसार, कोई अफरा-तफरी मचाये कॉलेज को तुरंत खाली करा दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का किया हवाई सर्वे

पंजाब को 1600 करोड़ और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता की घोषणा

चंडीगढ़/शिमला, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित पंजाब में प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पंजाब में 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। पंजाब और उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर आए मोदी हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राज्य के सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक गुरदासपुर पहुंचे। यहां मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति की समीक्षा के लिए गुरदासपुर में एक आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता की। बाढ़ और भूस्खलन के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए दिल्ली से हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

हिमाचल में बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करते प्रधानमंत्री।

मृतकों के परिजनों को दो लाख व घायलों के लिए 50,000 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लेने के बाद मृतकों के परिजनों के लिए दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि की भी घोषणा की। यहां उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा तथा क्षति का आकलन करने के लिए कांगड़ा में एक बैठक की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, भाजपा नेताओं, प्रभावित परिवारों और कांगड़ा में बचाव सेवाओं में लगे लोगों के साथ बैठक में मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बहाल करने और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

शीर्ष कोर्ट के जज 25-25 हजार का देंगे स्वैच्छिक योगदान

नई दिल्ली। सीजेआई एवं शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों ने प्रधानमंत्री बाढ़ राहत कोष में 25-25 हजार रुपये का स्वैच्छिक योगदान देने का निर्णय लिया है। यह पहल देशभर में बाढ़ की गंभीर स्थिति को लेकर न्यायपालिका की गंभीर चिंता को दर्शाती है और मानवीय मूल्यों तथा राष्ट्रीय सेवा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराती है। प्रधान न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और राहत, पुनर्वास और सामान्य स्थिति बहाली की कामना की है।

रैंकिंग राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों की सूची की जारी

इंदौर की वायु सबसे स्वच्छ, आगरा तीसरे स्थान पर

- 3 से 10 लाख तक की आबादी में अमरावती प्रथम, झांसी और मुरादाबाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, बरेली सातवें स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में इंदौर, अमरावती और देवास मंगलवार को शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहर बनकर उभरे। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने यहां एक पुरस्कार समारोह में कहा कि कई शहरों ने औद्योगिक केंद्र होने या कोयला खदानें होने के बावजूद उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष से शहरों में स्थित वार्ड का भी वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों के लिए मूल्यांकन किया जाएगा तथा इसके लिए दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इंदौर पहले स्थान पर रहा, उसके बाद जबलपुर (मध्यप्रदेश) का स्थान रहा। आगरा (उप्र) और सूरत (गुजरात) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। तीन से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में अमरावती (महाराष्ट्र) प्रथम, झांसी (उप्र) और मुरादाबाद (उप्र) संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अलवर (राजस्थान) तीसरे स्थान पर रहा, वहीं बरेली (उप्र) ने ग्यारह पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल किया। तीन लाख से कम आबादी वाले छोटे शहरों में देवास (मप्र) शीर्ष स्थान पर रहा, उसके बाद परवाणू (हिप्र) और अंगुल (ओडिशा) ने जगह बनाई। यादव ने कोयला खदानों की मौजूदगी के बावजूद वायु गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए अंगुल को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने 'रामसर संधि' के तहत आर्द्रभूमि शहरों के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए इंदौर और उदयपुर को भी पुरस्कृत किया। यादव ने कहा कि भारत में रामसर स्थलों की संख्या 2014 में 25 से बढ़कर 2025 में 91 हो गई है। उन्होंने कहा, अगर जंगल फेफड़े हैं, तो झीलें गुर्दे का काम करती हैं। यादव ने कहा, वायु प्रदूषण से मुकाबले के लिए एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हमें पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग और चक्रीय अर्थव्यवस्था को अपनाना होगा।

2 अक्टूबर तक 75 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

मंत्री ने 17 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच 75 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य घोषित किया। पर्यावरण सचिव तन्मय कुमार ने कहा कि एनसीएपी के तहत शामिल 130 शहरों में से 64 ने 2017-18 की तुलना में पीएम10 के स्तर में 20 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी की है, जबकि 25 शहरों ने 40 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी हासिल की है। वर्ष 2019 में शुरू एनसीएपी स्वच्छ वायु लक्ष्य निर्धारित करने वाली देश की पहली राष्ट्रीय पहल है, जिसका लक्ष्य 2017-18 को आधार वर्ष मानकर 2026 तक अति सूक्ष्म कण प्रदूषण में 40 प्रतिशत की कटौती करना है।

नए शिखर पर पहुंचा सोना 5,080 रुपये की छलांग

- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच 1.12 लाख प्रति 10 ग्राम पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 5,080 रुपये की छलांग के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 1,12,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 1,07,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 2,800 उछलकर रिकॉर्ड 1,28,800 रुपये प्रति किग्रा (सभी करों सहित) हो गई। पिछली कारोबारी सत्र में यह 1,26,000 प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। मंगलवार को सोना उछलकर 3,659.27 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इसके बाद यह 3,652.72 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 16.81 डॉलर यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। सर्राफा कारोबारियों ने कहा, अमेरिका में पिछले सप्ताह आए कमजोर रोजगार आंकड़ों से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावना बढ़ी है, जिससे निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ा है।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार,10 सितंबर 2025 प्रदेश

न्यूज ब्रीफ

जनशिकायतों के निस्तारण में देवीपाटन मंडल अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ: आईजीआरएस की अगस्त माह की रिपोर्ट में देवीपाटन मंडल ने जन शिकायतों के निस्तारण में बाजी मारी। मीरजापुर मंडल ने दूसरा और अलीगढ़ मंडल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। बस्ती चौथे और प्रयागराज पांचवां स्थान पर रहा। देवीपाटन मंडल को120 में से 105 अंक प्राप्त हुए हैं और सफलता दर 87 .50 प्रतिशत है। इसी तरह मीरजापुर मंडल को पूर्णांक 120 में से 96 अंक प्राप्त हुए हैं और सफलता दर 80 प्रतिशत है। अलीगढ़ मंडलायुक्त संगीता सिंह ने बताया कि मंडल को पूर्णांक 120 में से 93 अंक प्राप्त हुए हैं और सफलता दर 77 .50 प्रतिशत है।

खट्टर ने की स्वच्छता अभियान की सराहना

अमृत विचार, लखनऊ: स्वच्छता पखवाड़ा पर सभी राज्यों की बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पिछले वर्ष के 155 घंटे निरंतर सफाई अभियान में उत्तर प्रदेश के उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना की। इस वर्ष, राज्य ने एक और भी बड़ी पहल के तहत 156 घंटे निरंतर सफाई अभियान चलाने की की घोषणा की है। यह अभियान 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक, राष्ट्रव्यापी स्वच्छता आंदोलन के साथ चलेगा।

शिक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ कभी नहीं हुआ : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा की गलत नीतियों ने छात्रों, नौजवानों का भविष्य खराब कर दिया है। शिक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ कभी नहीं हुआ जैसा भाजपा सरकार में हो रहा है। अखिलेश ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि सभी विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर और वहां के वित्तीय अनियमितताओं व परीक्षा घोटालों की भी जांच हो। शिक्षकों की नियुक्तियों में आरक्षण घपले की जांच हो।

सिंचाई उपकरणों पर 90 फीसदी तक अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ: राज्य सरकार ड्रिप सिंचाई प्रणाली को बढ़ावा दे रही है। इस योजना में ड्रिप, मिनी, माइक्रो स्प्रिंकलर पर लघु एवं सीमांत कृषकों को लागत का 90 प्रतिशत एवं अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत अनुदान और पोर्टेबल, सेमी परमानेंट, रेनगन स्प्रिंकलर पर लघु एवं सीमांत कृषकों को लागत का 75 प्रतिशत एवं अन्य कृषकों को 65 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। कृषक इस योजना का लाभ लेने के लिए www.uphorticulture.gov.in व www.upmip.in वेबसाइट पर जा सकते हैं या जनपदीय उद्यान अधिकारी या मंडलीय उप निदेशक उद्यान से संपर्क कर सकते हैं।

एक उत्सव की तरह मनेगा स्वच्छता पखवाड़ा

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसके लिए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मंगलवार को राजधानी स्थित संगम सभागार में विभागीय अधिकारियों के को तैयारियों की समीक्षा कर पखवाड़े को उत्सव की तरह मनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने सभी नगर निगमों और निकायों को वार्ड स्तर पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, स्कूल-कॉलेज, रामलीला स्थल और सार्वजनिक जगहों पर विशेष सफाई अभियान चलेगा। मंत्री ने खास तौर पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर सफल बनाने के साथ वार्डवार पूरी क्षमता से स्वच्छता अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए।

नगर विकास परियोजनाओं पर होंगे 10.40 करोड़ खर्च

अमृत विचार, लखनऊ: राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की बैठक में नगर विकास की परियोजनाओं पर 10 .40 करोड़ रुपये खर्च करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने की। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की तकनीकी समीक्षा और उनकी समयबद्ध क्रियान्वयन योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति ने पारदर्शिता, गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए। निर्णय के अनुसार यह राशि नगर विकास योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने और योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से लागू करने में खर्च की जाएगी प्रमुख सचिव ने कहा कि समिति की यह पहल नगर क्षेत्र में समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

अपनों को आत्महत्या से बचाने के लिए मिजाज पर रखें ध्यान

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

विश्व आत्महत्या दिवस आज

- दुनिया में प्रत्येक वर्ष करीब 7.20 लाख लोग कर रहे खुदकुशी

अमृत विचार : अपने आसपास रहने वालों के मिजाज का ध्यान रखें तो कोई आत्महत्या नहीं कर पाएगा। मनोरोग विशेषज्ञों का शोध बताता है कि आत्महत्या करने वाले लोगों के व्यवहार में कुछ दिनों से बदलाव आना शुरू हो जाता है। यह लोग गुमसुम रहने लगते हैं। खुद को अलग-थलग कर लेते हैं।

कोई बड़ा नुकसान भी आत्महत्या के लिए मजबूर बना देता है। 15 से 29 साल के युवाओं में इसकी प्रवृत्ति बढ़ी है, जो चिंताजनक है। यह जानकारी किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रो. विवेक अग्रवाल ने साझा की। वह मंगलवार को विभाग में 'आत्महत्या की जिम्मेदार मीडिया रिपोर्टिंग' विषय पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। प्रो. विवेक अग्रवाल ने कहा की कई बार देखा गया है कि आत्महत्या की घटना होने पर मीडिया में आत्महत्या करने के तरीके को बता दिया जाता है। जिसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ता है, जिनके मन में आत्महत्या के विचार उत्पन्न हो रहे होते हैं। अध्ययन के मुताबिक दुनिया में प्रत्येक वर्ष करीब 7.20 लाख लोग आत्महत्या कर रहे हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने का आकड़ा इससे 20 गुना अधिक है।

कुछ न्यूज चैनल्स में खुदकुशी दिखाना भी बड़ा कारण

- मनोचिकित्सक डॉ. सुजीत कुमार कर ने बताया कि वर्ष 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत केस के बाद देखा गया कि अचानक से आत्महत्या करने का ग्राफ बढ़ गया था। इसकी बड़ी वजह कुछ न्यूज चैनल्स में बार-बार केस को दिखाना। आत्महत्या के तरीके के बारे में बताना पाया गया। ऐसे ही कुछ फिल्में भी रिलीज हुईं उनमें भी आत्महत्या के तरीकों को बताया गया था। जिससे आत्महत्या की दर बढ़ गई थी। ऐसी खबरें आने से यदि किसी ने कभी प्रयास किया है तो दोबारा संभावना बढ़ जाती है।

देश में हर साल 1.70 लाख से अधिक लोग करते खुदकुशी

- डॉ. मोहिता जोशी ने बताया देश में आत्महत्या की समस्या भयावह रूप ले चुकी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2022 रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रत्येक वर्ष 1,70,924 लोग आत्महत्या कर जान गंवा देते हैं। इस तरह देश में हर साल करीब 34,18,480 लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का आकलन है कि वास्तविक संख्या रिपोर्टेड मामलों से तीन गुना ज्यादा हो सकती है। इसका अर्थ है कि असल स्थिति कहीं अधिक गंभीर है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि तनाव, अवसाद, आर्थिक तंगी, पारिवारिक कलह और सामाजिक दबाव आत्महत्या की बड़ी वजहें हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि समय रहते मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना, हेल्पलाइन सुविधाओं का विस्तार और समाज में खुलकर बातचीत करने का माहौल बनाना बेहद जरूरी है।

आत्महत्या का कारण सिर्फ तनाव नहीं

- डॉ. सुजीत कुमार के मुताबिक अक्सर आत्महत्या की पीछे तनाव बड़ा कारण माना जाता है, जबकि ऐसा नहीं हैं। इसके पीछे की वजह कई होती हैं। जिन पर खुलकर बात करने की जरूरत है। हमें समझना होगा की मरने से ज्यादा वजह जिंदा रहने की होती है। डॉ. आदर्श त्रिपाठी ने कहा कि आत्महत्या करना किसी समस्या का हल नहीं है बल्कि यह परिवार के लिए दुखदायी होता है। आत्महत्या करने वाले अपनी परेशानी परिवार पर डाल देता है, जबकि उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। ऐसी कोई परेशानी नहीं जिसका हल न हो। लिहाजा परेशानी से ज्यादा उसके निदान के बारे में विचार करने की जरूरत है। डॉक्टर की सलाह पर पूरा इलाज करें। काउंसलिंग कराएं। परिवार के लोग पीड़ित का सपोर्ट करें। समाज का साथ भी ऐसे लोगों के लिए जरूरी होता है। कार्यक्रम में डॉ. वंदना गुप्ता और डॉ. रश्मि शुक्ला ने भी जानकारी साझा की।

ऐसे लोग ज्यादा उठाते हैं आत्मघाती कदम

- कुछ भी समझ न पाना
- आर्थिक, सामाजिक, मानसिक या अन्य का नुकसान
- ज्यादा नशा करने वाले
- परिवार में किसी ने किया हो
- आवेग वाले व्यक्ति जो लोग किए गए कार्य के परिणाम के बारे में नहीं सोचते

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने को लगेंगे रोजगार मेले

अमृत विचार, लखनऊ : दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार ने व्यापक रणनीति बनाई है।

रोजगार मेलों के माध्यम से उन्हें स्वरोजगार और नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए विभागीय स्तर पर शिविर और कार्यक्रम आयोजित होंगे। दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि इससे न सिर्फ दिव्यांगजनों को सामाजिक और आर्थिक मजबूती मिलेगी, बल्कि उनकी प्रतिभा को भी पहचान मिलेगी।

विदेशी कंपनियों का मुनाफा आतंक का ईंधन

योगी ने बस्ती में किया सरस्वती विद्या मंदिर का भूमि पूजन, दिलाया मेड इन इंडिया का संकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बस्ती

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब पैसा विदेशी कंपनियों के पास जाता है तो उसका मुनाफा भारत में नहीं, बल्कि आतंकवाद में खपता है। पहलगाम जैसी आतंकी वारदातों के पीछे वही पूंजी काम करती है। ऐसे में ''वोकल फॉर लोकल'' और ''मेड इन इंडिया'' अब केवल अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि का संकल्प हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि आजादी के बाद जो कार्य सरकार को करना चाहिए था, उस दायित्व को आरएसएस ने स्वीकारा।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को बस्ती के बसहवा में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने पौधरोपण किया और पुस्तक का विमोचन भी किया। सीएम ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद जब सरकारें भारतीय शिक्षा मॉडल विकसित करने में विफल रहीं, तब नानाजी देशमुख ने गोरखपुर से सरस्वती शिशु मंदिर की नींव रखी। आज बिना सरकारी सहयोग के 12 हजार से अधिक विद्यालय विद्या भारती के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में जुटे हैं। ये संस्थान सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि भारतीयता, संस्कृति और राष्ट्रीयता के भाव से ओतप्रोत नागरिक तैयार कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि गुलामी की सोच ने भारत को अपनी जड़ों से काटा। हमने सुहेलदेव जैसे वीरों को भुला दिया और आक्रमणकारियों को पूजना शुरू कर दिया।

बस्ती जिले के बसहवा गांव में सरस्वती शिशु मंदिर का भूमि पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साथ में अन्य लोग।

भारत ने पुरुषार्थ से समृद्धि बनाई

- मुख्यमंत्री ने गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करने पर भी चर्चा की। बोले कि गुलामी की मानसिकता देश के अंदर छा गई थी। भारतीय को हेय और विदेशी को संपन्न की दृष्टि से देखे जाने लगा। इस दुष्प्रवृत्ति पर 11 वर्ष में आपने रोक लगाते हुए देखा होगा। जो भारतीय है, वह सर्वश्रेष्ठ है और वह ऐसा इसलिए है, क्योंकि जो विदेशियों ने भारत को लूटकर अर्जित किया है, जबकि भारत ने अपने पुरुषार्थ से समृद्धि को बनाया था। 400 वर्ष पहले भारत दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था थी। सीएम ने कहा कि हम आपस में बंटे थे, इसलिए देश गुलाम हुआ था।

शिक्षा से शुरू होता है आत्मनिर्भर भारत का रास्ता

- मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध राष्ट्र की नींव शिक्षा से ही पड़ती है। जब योजनाबद्ध तरीके से काम होता है, तभी देश सशक्त बनता है। सोशल मीडिया से बच्चों को सावधान करते हुए सीएम ने कहा कि यह दोधारी तलवार है। जहां शिक्षकों ने वर्चुअल क्लास से बच्चों को पढ़ाया, वहीं फेक अकाउंट समाज को तोड़ने में लगे हैं। उन्होंने युवाओं को सतर्क रहकर डिजिटल दुनिया का सही उपयोग करने की सलाह दी।

निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के प्रवेश पर कड़ी निगरानी

- **अमृत विचार, लखनऊ:** योगी सरकार ने गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया को और कड़ा बनाते हुए सख्त नियम और निगरानी के साथ लागू कर दिया है। शिक्षा विभाग ने शासनादेश जारी करते हुए कहा कि आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन होंगे और इसके लिए माता-पिता व बच्चे का आधार कार्ड अनिवार्य होगा।पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश की आयु सीमा 3 से 6 वर्ष और कक्षा-1 के लिए 6 से 7 वर्ष निर्धारित की गई है। पहली बार जिलास्तर पर क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। समिति में दर्जन भर से अधिक जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे, जो पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। प्रवेश आवेदन और प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न विवादों का त्वरित निस्तारण चार सदस्यीय विवाद समाधान समिति करेगी, जिसका नेतृत्व सीडीओ करेंगे।बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि योजना का लाभ अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग, अनाथ, निराश्रित, एचआईवी/एड्स व कैंसर पीड़ित अभिभावकों के बच्चे, दिव्यांग परिवारों के बच्चे और वार्षिक आय 1 लाख तक वाले परिवारों के बच्चों को मिलेगा।

पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया

- सभी आवेदन www.rte25.upsdc.gov.in पोर्टल पर होंगे। विद्यालयों को अपनी सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी और आवंटित छात्रों की सूची सार्वजनिक की जाएगी। निजी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों की फीस का भार सरकार उठाएगी और ड्रेस-किताबों के लिए अभिभावकों के बैंक खाते में वार्षिक 5,000 सीधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्किल्ड युवा और सशक्त गांव बनेंगे 'विकसित यूपी' की पहचान

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'विकसित यूपी @2047' विजन को अमलीजामा पहनाने के लिए गांव और युवाओं को केंद्र में रखते हुए रणनीति तय की है। सरकार मानती है कि अगर हर युवा को कौशल और हर गांव को आधारभूत सुविधाएं मिलें, तो यूपी 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। 2017 से पहले प्रदेश में तकनीकी शिक्षा का ढांचा कमजोर था और गांवों में सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। योगी सरकार ने बीते साढ़े आठ वर्षों में इन दोनों मोर्चों पर ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रदेश में अब 3310 आईटीआई और 2138 पॉलीटेक्निक संस्थान हैं। 49.86 लाख युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन देकर डिजिटल सशक्तिकरण किया गया। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अब तक 56.90 लाख पक्के मकान, 1385 किमी नई सड़कें और 25 हजार किमी चौड़ीकरण का कार्य हुआ।

रूस यूपी को देगा बैंकिंग ऊर्जा, स्किलिंग में सहयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो - 2025 में इस बार रूस के पार्टनर कंट्री बनने से उत्साह
- 'डूइंग बिजनेस इन रूस' पर होगा नॉलेज सेशन, सांस्कृतिक दल भी करेगा प्रस्तुति

अमृत विचार : ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में इस बार रूस को पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है। रूस सरकार ने प्रदेश सरकार के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए इस भव्य आयोजन में भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। रूस की भागीदारी से बैंकिंग, ऊर्जा, स्किलिंग, शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में यूपी को नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

रूस से आने वाला उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इन क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों, उद्यमियों और अधिकारियों का होगा, जो यूपी सरकार के मंत्री स्तरीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे। इस ट्रेड शो में 'डूइंग बिजनेस इन रूस' पर एक विशेष नॉलेज सेशन भी आयोजित किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश और भारत के उद्योगपतियों को रूस में व्यापार व निवेश के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।इसके अलावा रूस का 9 सदस्यीय सांस्कृतिक दल ट्रेड शो में रूसी लोक कला, नृत्य और संगीत की प्रस्तुति देगा। इससे भारत-रूस के सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे।

पिछले वर्ष यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में वियतनाम को पार्टनर कंट्री बनाया गया था, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

अब रूस की भागीदारी से इस साल के आयोजन को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेश का हब बन रहा है, और इस तरह के आयोजनों से प्रदेश की उद्योग नीति को और बल मिलेगा।

यूपीआईटीएस- 2025 से जुड़ी खास बातें

- **आयोजन स्थल :** इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा
- **तिथियां :** 25 से 29 सितंबर 2025
- **उद्घाटन :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
- **पार्टनर कंट्री :** रूस
- **मुख्य फोकस :** बैंकिंग, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्किलिंग
- **सांस्कृतिक प्रस्तुति :** रूस का 9 सदस्यीय दल
- **विशेष सत्र :** 'डूइंग बिजनेस इन रूस'

लोकायुक्त ने राज्यपाल को वर्ष 2024 का प्रतिवेदन सौंपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के मामलों में कार्रवाई की संस्तुति की

अमृत विचार: लोकायुक्त संगठन ने चार आईएएस अधिकारियों, 10 नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्षों समेत 93 अन्य लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के मामलों में जांच के बाद कार्रवाई करने की संस्तुति सरकार से की है।

राजभवन में लोकायुक्त न्यायमूर्ति संजय मिश्रा ने मंगलवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को संगठन का वर्ष 2024 का प्रतिवेदन सौंपा, जिसमें जांचों में दोषी पाए गए लोकसेवकों का उल्लेख है। हालांकि विधानसभा के पटल पर रखे जाने के कारण लोकायुक्त संगठन ने दोषी लोकसेवकों के नाम उजागर नहीं किए। वर्ष 2024 में अलग-अलग मामलों में राज्य सरकार को 31 प्रतिवेदन, 20 संस्तुति और 4 विशेष प्रतिवेदन भेजे गए।

प्रतिवेदन सौंपे जाने के इस मौके पर उप लोकायुक्त दिनेश कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार यादव, सचिव डॉ. रीमा बंसल, मुख्य अन्वेषण अधिकारी त्रिपुरारी मिश्रा, संयुक्त सचिव राजेश कुमार और जनसंपर्क अधिकारी अवनीश शर्मा मौजूद रहे।

राजधानी स्थित शक्ति भवन में भाकियू भानू गुट की अगुवाई में धरने पर बैठे किसान। अमृत विचार

बिजली और पानी के लिए किसानों ने घेरा शक्तिभवन

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय किसान यूनियन (भानु गुट) के नेतृत्व में मंगलवार को हजारों किसानों ने राजधानी में शक्ति भवन के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदेशभर के 19 जिलों से 4000 से अधिक किसान किसान ट्रैक्टर और खुले वाहनों से लखनऊ पहुंचे और धरने में शामिल हुए।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अन्नू ने कहा कि किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने नलकूपों के लिए कम से कम 15 घंटे बिजली की मांग की। आरोप लगाया कि विभाग हर दो घंटे में बिजली काट देता है, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा खराब ट्रांसफॉर्मर 24 घंटे में बदलने, नलकूप की बिजली पूरी तरह मुफ्त करने की मांग भी की। आवारा पशुओं और उर्वरक न मिलने की समस्याएं भी उठाईं।संगठन के महासचिव रणविजय सिंह ने आरोप लगाया कि किसानों से किए गए सरकार के वादे पूरे नहीं हुए हैं।

ढिलाई — आयोग की चुप्पी और शासन की सुस्ती बनी बाधा, अभिलेख तक नहीं सौंपे

यूपी में भर्ती घोटालों की सीबीआई जांच पर जमी धूल

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- सख्त हुए मुख्यमंत्री, यूपीपीएससी और शासन को दस्तावेज़ों सौंपने के निर्देश
- सीबीआई ने कई बार समन भेजे, लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं दिखा

अमृत विचार : प्रदेश में बहुचर्चित भर्ती घोटालों की सीबीआई जांच सालों से अधर में लटकी हुई है। भर्ती आयोग की चुप्पी और शासन की सुस्ती से अभिलेख तक नहीं सौंपे गए। करीब 60 हजार समन के बावजूद संबंधित एजेंसी, आयोग के अफसर-कर्मी, शासन और सत्ता से जुड़े लोग सहयोग करने नहीं आए। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोषियों को कठोर सजा दिलाने के शख्त निर्देश देते हुए यूपीपीएससी और शासन को दस्तावेज़ों सौंपने को कहा है।

योगी सरकार बनने के बाद प्रदेश की पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल (2012-2017) के दौरान हुई हजारों भर्तियों में बड़े पैमाने पर धांधली, भाई-भतीजावाद और अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ की शिकायतें सामने आने के बाद सीबीआई के जांच के आदेश दिए गए थे। वहीं, विधानसभा सचिवालय और विधान परिषद में की गई नियुक्तियों की जांच भी कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई को सौंपी गई थी, लेकिन इसमें भी अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। जांच की रफ्तार पर सवाल कई बार खुद सीबीआई के शीर्ष अधिकारियों ने खड़े किए थे। जांच एजेंसी ने राज्य सरकार और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) पर सहयोग न करने का आरोप लगाते हुए मुख्य सचिव तक को पत्र भी लिखा।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, भर्ती घोटाले में अभियोजन स्वीकृति और आवश्यक दस्तावेज़ आयोग द्वारा अब तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। सीबीआई ने 60 हजार से अधिक समन भेजे, 10 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के बयान दर्ज किए। लेकिन कार्रवाई के नाम पर ज़मीन पर कुछ नहीं दिखा। इससे न केवल जांच प्रभावित हो रही है, बल्कि न्याय की प्रक्रिया भी मंद पड़ गई है।

सीएम योगी सख्त, 15 दिन में सौंपे अभिलेख

- 2016 में अर्पित सिंह नाम से छह लोग एक्स-रे टेक्नीशियन के पद पर छह जिलों में भर्ती होने का मामला सामने आने पर मुख्यमंत्री योगी को हकीकत पता चली कि शासन ही सहयोग नहीं कर रहा है तो सख्त हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कार्मिक विभाग, गृह विभाग और विशेष सचिव (न्याय) को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सीबीआई को सभी आवश्यक दस्तावेज 15 दिनों में सौंपे जाएं। अभियोजन स्वीकृति और तकनीकी सहयोग तत्काल मुहैया कराएं, जिससे जांच में तेजी आए।

इन भर्तियों में गड़बड़ी हुई थी

- **यूपीपीएससी पीसीएस भर्तियाँ (2012–2015) :** लगभग 45,000 पदों पर हुई नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद, उत्तरमाला से छेड़छाड़, इंटरव्यू में पक्षपात जैसे गंभीर आरोप। कई अभियर्थियों के अंक बदले गए।
- **अपर निजी सचिव भर्ती (2010) :** मायावती सरकार के दौरान शुरू हुई यह भर्ती, सपा शासन में पूरी हुई। मेरिट में बार-बार बदलाव और मनचाहे अभ्यर्थियों की नियुक्ति का आरोप।
- **शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीईटी पद- 68500) :** मूल्यांकन में गड़बड़ी, ओएमआरशीट में हेरफेर और सलेक्शन लिस्ट में फर्जीवाड़ा।
- **विधानसभा/विधान परिषद सचिवालय भर्ती :** विधानसभा में चहेतों की भर्ती को लेकर उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं।

गेहूं बीज घोटाले में ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भारतीय राज्य फार्म निगम लि. ने सीतामढ़ी, मालदा भेजा था बीज

अमृत विचार: ईओडब्ल्यू की टीम ने बिहार के सीतामढ़ी और पश्चिम बंगाल के मालदा को आपूर्ति करने वाले तीन ट्रक गेहूं बीज हड़पने वाले ट्रांसपोर्टर को मंगलवार को रानीगंज से गिरफ्तार किया है। करीब 8.50 लाख रुपये के बीज का गबन 2006 में हुआ था। इस मामले में बहराइच के सुजौली थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार ट्रांसपोर्टर ज्ञानेंद्र सिंह लखीमपुर खीरी के सैधरी का रहने वाला है। उसका दी व्यापारी रोड लाइन्स का कार्यालय गोला रोड स्थित एलआरपी चौराहा पर है। उसे 2006 में भारतीय राज्य फार्म निगम लि. नई दिल्ली के आदेश पर केंद्रीय राज्य फार्म गिरजापुरी से ट्रांसपोर्टर ज्ञानेंद्र सिंह के माध्यम से तीन ट्रक गेहूं बीज (2000 पैकेट) बिहार के सीतामढ़ी स्थित कृषि फार्म शिवहरि और पश्चिम बंगाल के मालदा भेजा जाना था। इसके लिए किराया तय हो गया।

ट्रांसपोर्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने ढुलाई का आदेश पत्र मिलने के बाद चालक राम चंद्र और मुनीम अरुण मिश्रा को केंद्रीय राज्य फार्म गिरजापुरी बहराइच भेजा। जहां दोनों ने मिलकर तीन ट्रक में दो हजार पैकेट गेहूं के बीज लोड कराये। तीनों ट्रकों का माल गिरजापुरी से लखीमपुर खीरी अपने ट्रांसपोर्ट पर मंगाकर सीतामढ़ी और मालदा नहीं भेजा।

न्यूज ब्रीफ

एकता पुरस्कार के लिए करें आवेदन

कानपुर देहात। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 के गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए 15 सितंबर तक आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदकों के प्रस्ताव, उनके महत्वपूर्ण कार्यों का तथ्यात्मक विवरण अभिलेखीय साक्ष्य सहित निर्धारित प्रारूप में शासन को प्रेषित किया जाना है। उन्होंने क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि योजना का में व्यापक प्रचार-प्रसार करें। अपने ब्लाक के प्रस्ताव संस्तुति के साथ 15 सितंबर तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में जमा कराएं।

दो ब्लाकों में टॉस्क फोर्स की बैठकें

कानपुर देहात। मैथा एवं संदलपुर में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की टास्क फोर्स की बैठक हुई। इनमें बीडीओ ने मिशन वात्सल्य योजना के प्रति जागरूक किया। बैठक का उद्देश्य तहत ब्लाक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों के प्रति यौन उत्पीड़न और यौन शोषण जैसे जघन्य अपराधों, गुड और बैड टच का मतलब बताया गया। जिला समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव ने संकल्प हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन योजना के तहत 12 दिवसीय कार्यक्रम की थीम पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 सितंबर को लगेगी

कानपुर देहात। माती और समस्त तहसीलों में 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। मंगलवार को न्यायालय सभागार में प्री-ट्रायल बैठक हुई। अध्यक्षता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी रजत सिन्हा ने की। कहा गया कि अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाए ताकि उनका निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर शीघ्र हो सके। श्री सिन्हा ने कहा कि यह आम जनता के लिए न्याय प्राप्त करने का एक स्वर्णिम अवसर है। श्री सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर न्यायालय परिसर से राष्ट्रीय लोक अदालत 13 सितंबर हेतु प्रचार प्रसार वाहन को रवाना किया।

पूर्व प्रधान के साथ अभद्रता, धमकी

रसूलाबाद। सुंदरपुर गजेन निवासी पूर्व प्रधान को गांव के मंदिर में पूजा करने के लिए जाते समय एक युवक ने अपशब्द कहे। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। उसने इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। अरूण कुमार अवस्थी ने पुलिस ने बताया कि गत 7 सितंबर को वह गांव के मंदिर में पूजा करने जा रहा था। इसी दौरान गांव के ही दीपक कुमार उसे देखकर अपशब्द कहने लगे और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी हरमीत सिंह ने बताया के मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग लड़की के साथ गलत हरकत

रसूलाबाद। थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया कि वह टीबी की मरीज अपनी देवरानी रचना देवी की दवा लेने कानपुर गई थी। 12 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर पर अकेली थी। 18 सितंबर रात्रि लगभग 10:30 बजे रिश्ते में चाचा लगने वाले कपराहट निवासी दीपक कोरी ने उसकी पुत्री के साथ छेड़खानी की। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गया। घर वापस लौटने पर पुत्री ने सारी बात उससे बताई। तब वह उसको लेकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने आई। थाना प्रभारी हरमीत सिंह ने बताया कि महिला द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट उसके चाचा के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में व पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज कर ली गई है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। विवेचना एवं आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुत्र के साथ मारपीट में सीओ को दी गई अर्जी

मंगलपुर। थाना क्षेत्र के मुड़ेरा किन्नर सिंह गांव निवासी सर्वेश कुमार ने सीओ को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसका पुत्र अर्पित 10 फरवरी 2025 को लगभग 3:15 बजे रमेश राजपूत के मकान से कैमरा लेकर किशोरा के पास हाउस जा रहा था। इस बीच खुशीलाल टेंट के सामने पहले से घात लगाए अभिषेक और विवेक पुत्र श्यामू कुमार, शिवम पुत्र उज्जल शर्मा निवासी मुंडेरा किन्नर सिंह तथा अभय त्रिपाठी आदि ने एक राय होकर उसे लात घूंसों से पीटा। अभिषेक व शिवम ने सरिया से घातक हमला किया। हमले में अर्पित गंभीर रूप से घायल हुआ है।

सड़क के लिए प्रदर्शन

शिवली क्षेत्र के बड़ागांव की सड़क बनवाने के लिए मंगलवार को गांव वालों ने प्रदर्शन किया। ब्लाक मैथा के बड़ागांव ग्राम पंचायत जाने वाला खड़ंजा मार्ग बेहद खराब है, जिस पर सलामत चलना मुश्किल है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि गांव का मुख्य मार्ग पूर्णतः क्षतिग्रस्त है। रास्ते पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के समय जलभराव के कारण लोग गिरते-फिसलते हैं। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर लापरवाही और अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया तो ग्राम सचिव ब्रजेश कुशवाहा मौके पर पहुंचे और मार्ग जल्द से जल्द सही कराने का आश्वासन देकर शांत कराया। ग्राम सचिव ने बताया कि सड़क के कुछ हिस्से पर विवाद है, जिससे पूरी सड़क नहीं बन पा रही है। यहां शिवनारायण अवस्थी, झल्लर शुक्ला, नन्हके राजपूत, सोनू सिंह, सजन सिंह, धर्मेंद्र सिंह, विवेक शुक्ला, अवनीश मिश्रा, पिंकू अवस्थी, विमलेश आदि मौजूद रहे। • अमृत विचार

नौनिहालों को निपुण बनाने के दिए टिप्स

रसूलाबाद। आरपीएस इंटर कॉलेज में चल रहे एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पुस्तकों के प्रशिक्षण का बीईओ अजब सिंह ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण की सार्थकता तभी होगी, जब शिक्षक इसे आत्मसात कर बच्चों तक पहुंचाएंगे।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन भाषा शिक्षण पर चर्चा हुई। संदर्भदाता पारुल निरंजन ने साप्ताहिक शिक्षण चक्र पर चर्चा की। हिमांशु गुप्ता ने कक्षा एक से तीन तक के बच्चों में मौखिक तर्कशीलता विकसित करने पर चर्चा की। सोनू सिंह ने ब्लेंडिंग और ग्रिड के माध्यम से शब्द पठन के अभ्यास का महत्व बताया। मुकेश दिवाकर ने कक्षा एक से तीन की पाठ्य पुस्तक एवं कार्यपुस्तिका की गतिविधियों पर बच्चों की सहायता करने पर चर्चा की। दिनेश कुमार ने रिमीडियल शिक्षण की रणनीतियों और समावेशी वातावरण निर्माण करने के बारे में चर्चा की।

गर्भवती की मौत, अस्पताल में हंगामा

संवाददाता, मंगलपुर

पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देकर परिवार वालों को समझाया। अमृत विचार

अमृत विचार: कस्बे की 34 वर्षीय गर्भवती महिला की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत कानपुर के एक निजी अस्पताल में हुई, लेकिन परिजनों ने शुरुआत में झींझक के जिस निजी अस्पताल में उसे भर्ती कराया था, उसके डॉक्टर और संचालिका पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने तहरीर पर जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

कस्बे के रहने वाले मुनीश गिहार ने मंगलपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी पत्नी प्रीति दो माह की गर्भवती थी। एक सितंबर को उसे चेकअप के लिए झींझक के कृष्णा हॉस्पिटल लाए थे। आरोप है कि अस्पताल की संचालिका अलका पाल और डॉक्टरों ने गलत इलाज किया। लापरवाही बरती, जिससे पत्नी की हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसे अकबरपुर के पुष्पेय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने इलाज किया। हालत में सुधार न होने पर उसे कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान प्रीति की मौत हो गई। मंगलवार को पति ने अस्पताल संचालिका और डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग उठाई। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है, मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वही इस मामले में झींझक सीएचसी प्रभारी दीपक गुप्ता ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। उच्च अधिकारियों को अवगत कराकर कार्रवाई की जाएगी। उधर, कृष्णा देवी अस्पताल की संचालिका अलका पाल ने कहा कि उनके यहां महिला उपचार के लिए आई थी, लेकिन इलाज से मना कर दिया था। अस्पताल पर आरोप निराधार हैं। मंगलपुर थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अचानक बेहोश हुई महिला, थमीं सांसें

पुखरायां। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अटवा गांव में मंगलवार सुबह अचानक महिला बेहोश हो गई। परिजन उसे सीएचसी लाए, जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। अटवा गांव के भूपेंद्र सिंह की मां उर्मिला देवी पत्नी दशरथ सिंह 68 वर्ष की मंगलवार सुबह अचानक घर का काम करते समय बेहोश हो गई। परिजन उन्हें अर्धबेहोशी हालत में सीएचसी लेकर आए। जहां पर ड्यूटी में तैनात डाक्टर गोविंद प्रसाद ने जांच करने पर मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों के घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार करने के बाद शव घर ले गए। डाक्टर ने बताया कि बुजुर्ग पहले से ही वह बीमार थी।

हत्यारों का सुराग नहीं लगा सकी पुलिस

मूसानगर थाना क्षेत्र के खिरियनपुरवा का मामला, गांव में दूसरे दिन भी पसरा रहा गम का साया

अमृत विचार Follow UP

- रामशरन की हत्या में पुलिस के हाथ अब तक बिल्कुल खाली
- हत्यारों तक पहुंचने के लिए हाथ पैर मार रही मूसानगर पुलिस

संवाददाता, पुखरायां

रामशरन की हत्या के बाद घर में गमगीन बैठीं महिलाएं। अमृत विचार

अमृत विचार: मूसानगर के खिरियनपुरवा में युवा किसान रामशरन की हत्या के 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है, लेकिन अभी तक पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा है। वारदात के खुलासे के लिए गठित की गईं टीमें हाथ-पैर मार रही हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। हत्या के दूसरे दिन मंगलवार को भी गांव में मातम पसरा रहा।

मूसानगर क्षेत्र की चपरहटा ग्राम पंचायत के मजरे खिरियनपुरवा के रहने वाले शिवनाथ यादव का 35 वर्षीय पुत्र रामशरन यादव खेती-किसानी करता था। रविवार की देर शाम वह अपने बड़े भाई राजा सिंह के साथ बाइक से शेरपुर गुढ़ा गांव निवासी छोटे से भैंस बिक्री का पैसा लेने गया था। छोटे से 23 हजार रुपये लेने के बाद रामशरन अपने बड़े भाई राजा यादव के साथ बाइक से घर लौट रहा था। खिरियनपुरवा-जरसेन रोड पर देशी शराब ठेके के पास राजा उसे छोड़कर घर चला गया था। देर रात तक रामशरन के घर नहीं पहुंचने पर खोजबीन शुरू हुई थी, मगर उसका कोई पता नहीं चल पाया था।

सोमवार की सुबह रामशरन यादव का गांव के निकट देशी शराब ठेका के पास हलकेश की गुमटी के बगल में शव पड़ा मिला था। उसकी ईंटों से चेहरा और सिर कूंचकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हत्या की सूचना पर पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पांडेय ने एएसपी राजेश पांडेय के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया था और घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित की थीं, लेकिन अभी तक हत्यारों का कोई सुराग नहीं लग सका है। घटना के 24 घंटे बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। पुलिस का कहना है कि हत्या के खुलासे के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है।

हत्यारों ने सीधे सिर और चेहरे पर किए वार

रामशरन की हत्या के बाद पुलिस ने सोमवार को ही शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रामशरन के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। उसके माथे, बाईं भौं और नाक में गहरी चोट लगी है। नाक की हड्डी भी टूटी मिली है। होंठ के नीचे चोट और हड्डी टूटी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से साफ जाहिर है कि हत्यारों ने ईंटों से सीधे उसके चेहरे पर ही बेरहमी से वार किए, जिससे अधिक खून बहने की वजह से उसकी मौत हो गई।

बड़े भाई ने यमुना घाट पर किया अंतिम संस्कार

सोमवार को पोस्टमार्टम होने के बाद देर रात रामसरन का शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। घर में मां झानवती, पत्नी सीमा और बड़ी बेटी दीपा के साथ बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल रहा। मंगलवार की सुबह बड़े भाई राजा सिंह ने यमुना नदी में शव का अंतिम संस्कार किया।

प्रशिक्षण अनिवार्य, पर शिक्षकों को परवाह नहीं

संवाददाता, रसूलाबाद

- बीएसए के औचक निरीक्षण में आधे भी शिक्षक नहीं मिले

अमृत विचार: बीएसए ने मंगलवार को विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। वह सुबह गोपालपुर गड़रिया उच्च प्राथमिक विद्यालय बर्रा ठर्रा का निरीक्षण करते हुए 9:50 बजे बीआरसी के संविलियन विद्यालय पहुंचे तो इंचार्ज प्रधानाचार्य नहीं मिले। इसके बाद में प्रशिक्षण केंद्र आरपीएस इंटर कॉलेज पहुंचे, जहां आधे से अधिक शिक्षक अनुपस्थित थे। उन्होंने प्रशिक्षण प्रभारी दिनेश कुमार को अनुपस्थित लोगों को नोटिस भेजने के निर्देश दिए।

बीएसए अजय मिश्रा ने बताया कि संविलियन विद्यालय में इंचार्ज प्रधानाध्यापक अविनाश कुमार बिना किसी सूचना के अनुपस्थित थे। नीरज कुमार लीगल अवकाश पर थे। सहायक अध्यापक रेनू पांडेय, अनुपम बिश्नोई, शिवानी श्रीवास्तव, शिक्षामित्र अनुपमा बाजपेई, अनुदेशक अरविंद कुमार मौजूद थे। सबसे पहले उन्होंने उपस्थिति पंजिका ही देखी और इंचार्ज प्रधानाध्यापक को अनुपस्थित कर दिया। इसके पूर्व बीएसए ने गोपालपुर गड़रिया व बर्रा ठर्रा उच्च प्राथमिक विद्यालय का भी निरीक्षण किया। बर्रा ठर्रा में प्रधानाध्यापक शिवकरण कुशवाहा को सभी रजिस्टर न मिलने पर चेताया। आरपीएस इंटर कॉलेज में चल रहे एफएलएन एवं एनसीईआरटी प्रशिक्षण में आधे से अधिक शिक्षक नहीं थे। उन्होंने प्रशिक्षण प्रभारी दिनेश कुमार को अनुपस्थित शिक्षकों का पूरा विवरण भेजने का निर्देश दिया। बीएसए ने कहा कि जो शिक्षक प्रशिक्षण से अनुपस्थित हैं, उन्हें नोटिस भेजा जाएगा, प्रशिक्षण अनिवार्य है।

रात भर खोजबीन, सुबह पेड़ पर फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता, सिकंदरा

मिरगांव में बेटे का शव मिलने के बाद बिलखतीं मां शांती देवी। अमृत विचार

अमृत विचार: क्षेत्र के मिरगांव में खेत पर खड़े आम के पेड़ पर गमछा के फंदे पर युवक का शव लटका मिला। परिवार के लोग रात में उसकी तलाश कर रहे थे। शव मिलने से कोहराम मच गया।

सोनू।

जमुना गांव के सिपाही लाल ने बताया कि उसका चौथे नंबर का पुत्र सोनू (22) हरियाणा व दिल्ली जैसे शहरों में मजदूरी करता था। इस समय गांव में ही था। घर के लोग खेती-मजदूरी कर गुजारा करते हैं। सिपाही लाल ने बताया कि सोनू सोमवार शाम से घर से गायब था। उसकी देर रात तक खोजबीन की गई, मगर वह नहीं मिला। मंगलवार की सुबह खेत गए किसानों ने मिरगांव के सुदेश कटियार के खेत पर खड़े आम के पेड़ पर युवक का शव देखा। इसकी सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। सोनू का फंदे पर लटका शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां शांती देवी और परिवार के लोग रोते-बिलखते रहे। सिकंदरा थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि सोनू का शव गमछा के फंदे पर लटका पाया गया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

राजमिस्त्री ने गमछा से फंदा लगा दी जान

शिवली। कोतवाली क्षेत्र के सरैया गांव में एक राजमिस्त्री ने गूलर के पेड़ की डाल में लटकर गले में गमछा का फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सरैया के राजमिस्त्री कन्हैयालाल कमल (60) ने गांव के किनारे गूलर के पेड़ पर अपने गमछे का फंदा लगाकर जान दे दी। पुत्र देवेश कमल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। पुलिस के मुताबिक राजमिस्त्री घरेलू कारणों के चलते परेशान रहता था। इंस्पेक्टर प्रवीन यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की पड़ताल की जा रही है।

कन्हैयालाल।

सीएससी जाएं, अपने काम कराएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- शताब्दी संकल्प-2047 के तहत कार्यक्रम में सीधा जन संवाद
- औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के दिए गए सुझाव

जानकारी देते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार: शताब्दी संकल्प-2047 के तहत मंगलवार कार्यक्रम हुए। वक्ताओं ने समर्थ, समृद्ध और सशक्त उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए लोगों से सीधा संवाद किया। उनकी राय जानी और अपनी बात कही। वक्ताओं ने कहा कि संकल्प-2047 में लोग अपने स्तर से अपनी भरपूर भागीदारी सुनिश्चित कराएं।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 अभियान में 12 सेक्टर चिह्नित किए गए हैं। कृषि, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी, टूरिज्म, नगर एवम ग्राम्य विकास, अवस्थापन, संतुलित विकास, समाज कल्याण, हेल्थ, एजुकेशन और सुरक्षा एवम सुशासन सेक्टरों से करीब आधा सैकड़ा विभागों को जोड़ा गया है। मंगलवार को एआरटीओ कार्यालय में एआरटीओ प्रशांत तिवारी व सोमलता यादव की संयुक्त अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डीएवी इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर निरंकार प्रसाद तिवारी ने ट्रांसपोर्टरों व बुद्धिजीवियों से संवाद किया। एआरटीओ ने ई मोबिलिटी और ग्रीन वेहिकिल्स के चार्जिंग सेंटर की स्थापना की जरूरत बताई। साथ ही सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था के ज्यादा इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोग अपने घर के पास संचालित जन सेवा केंद्रों पर भी जरूरी कार्य करा सकते हैं। सिर्फ इसके लिए दफ्तरों की दौड़ लगाने की जरूरत नहीं है।

उधर, रनियां के एक होटल में भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें नोडल अधिकारी जीएस प्रियदर्शी मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में काफी संख्या में उद्यमियों ने भाग लिया। संवाद के दौरान उन्होंने औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन एवं बुनियादी ढांचे को मजबूत करने हेतु अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। सड़कों निर्माण कर उद्योगों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठी। इसके पूर्व नोडल अधिकारी श्री प्रियदर्शी ने अमरौधा ब्लाक के सभागार में भी प्रबुद्धजनों से संवाद किया। बैंक सखियों को नियमित प्रशिक्षण व उनकी आय 4000 से बढ़ाकर 10000-12000 प्रतिमाह किए जाने का सुझाव आया।

भक्ति की बयार | राधारानी मंदिर में कथावाचक कृष्णानंद रसिक ने गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुनाया

गिरिराज खुद करते अपने भक्त की रक्षा

संवाददाता, रसूलाबाद

बारापुर के राधारानी मंदिर परिसर में कृष्णानंद रसिक ने कथा अमृत वर्षा कर श्रद्धालुओं को सराबोर कर दिया। अमृत विचार

अमृत विचार: गिरिराज जी सदा अपने भक्तों की मनोकामना को पूरा करते हैं। भगवान कहते हैं कि जो मेरी शरणागत होता है, उसकी रक्षा का भार मेरे ऊपर होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के क्रोध के कारण हुई वर्षा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर 7 दिन उठा कर उनकी रक्षा की।

बारापुर के राधा रानी मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में सरस कथा वाचक कृष्णानंद रसिक द्वारा प्रभु श्री कृष्ण के द्वारा की गई सुंदर बाल लीलाओं की कथा के साथ गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था उसका घमंड दूर करने के लिए भगवान ने बृज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू करवा दी। इससे गुस्साए इंद्र ने ब्रजमंडल पर भारी बरसात कर दी। इस वर्ष प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने अपनी कनिष्ठिका उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों की अनवरत मूसलाधार वर्षा के बाद भी जब कुछ नहीं हुआ तो इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ। तब उन्होंने प्रभु श्री कृष्ण से क्षमा मांगी।

गोवर्धन की कथा सुन श्रोता मंत्र मुक्त हो गए। कथा वाचक ने कहा कि गिरिराज कोई और नहीं साक्षात श्रीकृष्ण हैं। गिरिराज जी सदा अपने भक्तों की मनोकामना को पूरा करते हैं। भगवान कहते हैं, जो मेरी शरणागत होता है उसकी रक्षा का भार मेरे ऊपर होता है। इसके पूर्व उन्होंने श्री कृष्ण की बाल लीलाओं में पूतना वध, अघासुर, सकटासुर, अजासुर, बकासुर वध आदि राक्षसों के मरने की कथा सुनाई। इस अवसर पर महंत अयोध्या दास, परीक्षित गोविंद, राधेश्याम, बेचेलाल, सुभाष टिंकू ,रामपाल, राजेंद्र, श्रीराम, हरिनंदन, टिंकू यादव, विश्राम सिंह, मनीराम, कमलेश पाल, शैलेंद्र, विवेक ,दिनेश, संदीप, योगेंद्र यादव शीबू, ध्रुव, इंदल, दलवीर, लालू, गोल्डी, शिवानी, राधिका, महिमा, प्रीति, काजल आदि अनेक श्रद्धालु श्रोतागण मौजूद रहे।

नोडल अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

कानपुर देहात। ग्राम्य विकास आयुक्त एवं नोडल अधिकारी जीएस प्रियदर्शी ने मंगलवार को बैठक में विभागवार समीक्षा की। उन्होंने जनहित से जुड़ी योजनाओं एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने पर बल दिया।

जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिक भीड़भाड़ वाले स्थलों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को पाइप जल आपूर्ति से जोड़ने और सभी कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों की खोदाई के बाद रोड रीस्टोरेशन कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराने पर भी बल दिया। कानून-व्यवस्था की समीक्षा में नोडल अधिकारी ने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि प्रत्येक थाने में एक ही मालखाना सुनिश्चित किया जाए और पुराने वाहनों की समय-समय पर नीलामी कराई जाए।

नौहा नौगांव में ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक ने किया शिक्षकों का सम्मान

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की नौहा नौगांव के शाखा प्रबंधक ने शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा के अनुरूप मंगलवार को उत्तरीय पहना कर शिक्षकों को डायरी पेन सप्रेम भेंट किए।

इस मौके पर बैंक शाखा प्रबंधक जोगेंद्र सिंह राजावत ने कहा कि शिक्षक ही बच्चों के भविष्य निर्माता हैं। शिक्षकों शिव सिंह, गौरव यादव, अलोक त्रिपाठी एवं ललित ने बैंक एवं शाखा परिवार को इस सम्मान के लिये धन्यवाद दिया। इस मौके पर शाखा के सहायक प्रबन्धक कृष्णपाल सक्सेना, श्रीपाल बाबू गिरी, प्रधान रोकड़िया अवधेश, निमेश ,राजस्व अमीन राजकुमार यादव, तेजराम सक्सेना, गोविंद आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

रंजिश के चलते पिता-पुत्र को पीटा

चौबेपुर। क्षेत्र के निगोहा गांव में पुरानी रंजिश के चलते कुछ लोगों ने पिता–पुत्र के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू की है। क्षेत्र के निगोहा गांव निवासी रणवीर ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि गत रविवार सुबह करीब 10:00 बजे वह अपने बेटे अरुण के साथ घर आ रहे थे। तभी रास्ते में पहले से बैठे गांव के चंद्रेश सिंह, राम सिंह व नितिन ने उन्हें रोक लिया और पुरानी बातों को लेकर गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लात घूसों व लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट में उसे व उसके बेटे दोनों को गंभीर चोटें आईं।

सेवायोजन दफ्तर में रोजगार मेला कल

हमीरपुर। जिला रोजगार सहायता प्रभारी अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि 11 सितंबर को दिन गुरुवार को प्रातः 10:00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जॉब फेयर में कई प्रतिष्ठित कंपनियों / नियोजकों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना rojgaarsangam.up.gov.in ऑनलाइन आवेदन करते हुए अपने समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों व फोटो सहित उक्त तिथि व समय पर मेले में प्रतिभाग करते हुए इस अवसर का लाभ उठा सकते है। किसी कारणवश ऑनलाइन न कर पाने की स्थिति में आप सीधे भी प्रतिभाग कर सकते है।

विदेश भेजने के नाम पर बेरोजगारों से ठगी

मौदहा (हमीरपुर)। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर चार लाख से अधिक की ठगी पर पीड़ितों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगाई है। कस्बा निवासी वाहिद अहमद, फैजान, जमील, जमशेद अली व वसीम उल्लाह आदि ने बताया कि मलेशिया में अच्छी नौकरी दिलाने के नाम पर कस्बे के जकीरुद्दीन व जहीरुद्दीन ने एक वर्ष पूर्व मलेशिया भेजने के लिए पासपोर्ट व जरूरी दस्तावेज के नाम पर लाखों रुपये ले लिए थे। इसके बदले उन्हें फर्जी वीजा पकड़ा कर विदेश जाने के लिए कहा। जब इसकी जांच गहनता से कराई तो वह पूर्ण रूप से फर्जी निकले। जिसकी शिकायत उपजिलाधिकारी से करते हुए उक्त आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने व उनके रुपये दिलाने की मांग की है।

गंगा नदी उफान पर, खेरेश्वर पुल से वाहनों का आवागमन हुआ बंद

नदी के तेज बहाव के चलते खेरेश्वर पुल के दूसरी ओर लगातार हो रही कटान

संवाददाता, शिवराजपुर

प्रशासन ने लगाया चेतावनी बोर्ड।

पुल पर की गई बैरीकेडिंग व मौजूद पुलिस बल। अमृत विचार

- प्रशासन ने पुल पर बैरीकेडिंग लगा कर पुलिस तैनात की
- पुल से पैदल यात्रियों को आने -जाने की रहेगी छूट

अमृत विचार। अन्य राज्यों में हो रही बारिश के चलते गंगा नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया है। नदी के तेज बहाव के चलते खेरेश्वर पुल के दूसरी ओर लगातार कटान हो रही है। कोई अप्रिय घटना ना हो जाये, इसके चलते पुलिस ने बाइक सवार और बड़े वाहनों का पुल से आवागमन रोक दिया है। पुल से पैदल ही लोग आ जा सकते हैं।

भारी बारिश के चलते कई राज्यों में भयंकर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में हो रही लगातार बारिश के चलते कई नदियां उफान पर हैं। गंगा नदी में भी लगातार जलस्तर तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। इसी के चलते शिवराजपुर से उन्नाव जनपद की सीमा को जोड़ने वाले खेरेश्वर पुल के दूसरी ओर लगातार कटान हो रही है। इससे प्रशासन ने मंगलवार को पुल से छोटे और बड़े वाहनों की आवाजाही को रोक दिया है। अब इस पुल से केवल पैदल यात्रियों को ही आने जाने अनुमति है। पुल के दोनों छोर पर बैरीकेडिंग करने के साथ -साथ पुलिस भी तैनात कर दी गई है। यह पुल बिल्हौर तहसील क्षेत्र के शिवराजपुर अंतर्गत खेरेश्वर घाट के नजदीक है। जानकारों के अनुसार लगातार तेज बहाव के चलते पुल का दूसरा छोर काफी क्षतिग्रस्त हो गया है। साथ ही बाढ़ के चलते गंगा की लहरे अब पुल के नजदीक पहुंच रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया पुल पर आवाजाही बंद होने के कारण अब उन्हें काफी लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। इसका इसका सीधा असर रोजमर्रा के व्यवसाय पर भी पड़ेगा। वहीं खेरेश्वर मंदिर दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि पुल बंद होने के चलते वह अब खेरेश्वर मंदिर में भगवान शिव के दर्शन नहीं कर पाएंगे अब यहां आने के लिए 30 किलोमीटर घूम कर आना पड़ेगा। वहीं पुलिस व प्रशासन का कहना है कि आगामी आदेश तक पुल से छोटे व बड़े वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

पुलिस ने 10 वाहनों का चालान कर चालकों को दी नसीहत

घाटमपुर। कस्बा चौकी इंचार्ज शैलेन्द्र सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए दस वाहन चालकों का चालान किया। साथ ही उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट लगाने की अपील की।

रविवार को नगर के प्रमुख स्थानों सहित मुख्य चौराहा से गुजर रहे वाहन चालकों को रोक कर चेकिंग की गई तथा बग़ैर हेलमेट लगाए दस वाहन चालकों का चालान भी किया गया। इस दौरान मोटरसाईकिल से यात्रा कर रहे लोगों से हेलमेट लगाने की अपील की गई तथा अभिभावकों से नाबालिग बच्चों को वाहन न देने को कहा गया। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन ने सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए वाहन चालकों को यातायात नियमों से अवगत कराया तथा यातायात नियमों के अनुसार ही वाहन चलाने को कहा। इस चेकिंग अभियान में रजनीश, अजय शिवहरे, अभिषेक सिंह, नवीन कुमार, राहुल, रवींद्र, शनिदेव व अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि आगे भी चेकिंग होती रहेगी।

आधार कार्ड संशोधन को निकली महिला लापता

संवाददाता घाटमपुर

- परिजनों ने पुलिस से शिकायत कर हत्या की जताई आशंका

अमृत विचार। घाटमपुर के रेउना थाना क्षेत्र के अंतर्गत बारा दौलतपुर गांव में रविवार को एक महिला घर से घाटमपुर में आधार कार्ड में संशोधन कराने जाने की बात कह कर निकली थी। परंतु देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश करने का प्रयास किया। परंतु उसका कहीं पता नहीं चला। इस पर परिजनों ने मामले की शिकायत रेउना पुलिस को प्रार्थना पर देकर की है। साथ ही परिजनों ने अपहरण कर उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताई है।

रोली।

रेउना थाना क्षेत्र के अंतर्गत बारा दौलतपुर गांव निवासी महावीर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी पुत्री रोली उम्र 24 वर्ष की शादी 2023 में चकेरी निवासी हेमराज के साथ हुई थी। परंतु हेमराज पहले से शादीशुदा था और उसका एक बेटा था। शादी के बाद उक्त पहले वाली पत्नी व उसके पुत्र के द्वारा विवाद होने पर 9 महीने पहले वह अपने मायके बारा दौलतपुर आ गई थी। इसी के चलते उसके पति के चाचा विनोद कुमार से उसका विवाद हो गया था। चाचा से विवाद के चलते रोली को आधार कार्ड की आवश्यकता थी और वह आधार कार्ड संशोधन कराने की बात कह कर रविवार सुबह 8:00 बजे घर से निकली थी। परंतु देर शाम तक वह घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। आसपास उसकी तलाश की लेकिन जब उसका कहीं पता नहीं चला तो पिता महावीर ने थाने में सूचना दी। उसने ससुराल पक्ष से उसके पति हेमराज, हेमराज के पुत्र आदित्य एवं उसके चाचा विनोद पर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। थाना प्रभारी आनंद कुमार पांडे ने बताया कि पिता की तहरीर पर गुमशुदी का मामला दर्ज कर महिला की तलाश की जा रही है। परिजनों द्वारा हत्या की आशंका को लेकर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

करंट से किसान की गई जान

सुमेरपुर (हमीरपुर)। क्षेत्र के पंधरी में एक युवा किसान की कूलर में उतरे करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पंधरी निवासी लालता प्रसाद श्रीवास का पुत्र संदीप श्रीवास (36) खेती किसानी करके परिवार का भरण पोषण करता था। सोमवार को रात करीब 9.30 बजे यह कूलर में उतरे करंट की चपेट में आकर घर पर ही बेहोश होकर गिर गया। परिजन उसको उठाकर उपचार के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डाक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित करके पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के पिता ने बताया कि यह दो भाइयों में बड़ा था और खेती किसानी करके परिवार का भरण पोषण करता था। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल है।

डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार की मौत

संवाददाता, चौबेपुर

- बाइक चालक का साथी युवक गंभीर रूप से घायल
- मरियानी गांव के सामने हाईवे पर हुआ हादसा

अमृत विचार। क्षेत्र के मरियानी गांव के सामने हाईवे पर मंगलवार देर शाम तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि साथ रहा दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महराजपुर थाना क्षेत्र के महोली गांव निवासी आर्यन पुत्र राज नारायण व यश पुत्र आरपी सिंह मंगलवार देर शाम शिवराजपुर की ओर से बाइक से अपने घर लौट रहे थे। तभी करीब 7:30 बजे मरियानी गांव के सामने हाईवे पर बने कट के निकट तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। जहां हालत गंभीर देख दोनों घायलों को हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में आर्यन (25) की सांसें थम गईं। वहीं घायल यश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि बाइक डिवाइडर से टकरा जाने से एक युवक की मौत हुई है, जबकि दूसरे घायल को उपचार के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया।

युवती को बदनीयती से दबोचा, रिपोर्ट दर्ज

चौबेपुर। क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह शौच के लिए खेत पर गई युवती को गांव के ही एक युवक ने बदनीयती से दबोच लिया। युवती के शोर मचाने पर दौड़े परिजनों को देख युवक मौके से भाग निकला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्षेत्र निवासी पीड़ित ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि सोमवार सुबह करीब 11:00 बजे उसकी बेटी अपनी चचेरी बहन के साथ गांव के निकट स्थित खेत में शौच के लिए गई थी। तभी वहां पहले से मौजूद गांव के युवक रोहित ने उसे बदनीयती से दबोच लिया। बेटी के शोर मचाने पर दौड़े परिजनों को देख युवक मौके से भाग निकला। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि आरोपी युवक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

सौतेली मां को पाना चाहतीं दो बहनें अयोध्या से आए पिता को ठुकराया

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- सगी मां का बीमारी से निधन के बाद पिता ने की थी दूसरी शादी
- सौतेली मां से मिला प्यार, मगर वह भी प्रेमी के साथ चली गई

अमृत विचारः सौतेली मां की खोज में अयोध्या से भटकते हुए यहां पहुंचीं दो नाबालिग बहनें पिता के साथ नहीं रहना चाहतीं। छह दिन बाद मंगलवार को लड़कियों को बाल कल्याण समिति पहुंचे पिता के साथ दोनों ने जाने से इनकार कर दिया। लड़कियों का आरोप है कि पिता मारपीट करता है। अब दोनों को अयोध्या की बाल कल्याण समिति भेजने की तैयारी है।

अयोध्या के नौराही की दो लड़कियां सौतेली मां की खोज में 2 सितंबर को ट्रेन से कानपुर पहुंची थीं और फिर बस पकड़कर हमीरपुर आ गईं। यहां फोन पर बातचीत न होने के बाद दोनों बस स्टैंड के समीप बैठकर रो रहीं थीं। ट्रैफिक पुलिस में तैनात पीआरडी जवान सुरेश चंद्र ने ट्रैफिक सिपाही धर्मेंद्र कुमार की मदद से चाइल्ड लाइन टीम को बुलाकर सुपुर्द कर दिया था।

चाइल्ड लाइन की सुपरवाइजर शिखा सोनी ने दोनों बच्चियों सेंटर में काउंसिलिंग की। पहले तो बड़ी बेटी ने झूठ बोला, लेकिन बाद में उसने बताया कि उसकी मां की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। पिता ने दूसरी शादी कर ली थी। सौतेली मां से उनको प्यार मिला, लेकिन सौतेली मां का सोशल मीडिया के माध्यम से एक युवक से प्यार हुआ तो वह उन लोगों को छोड़ कर चली गई।

सौतेली मां की हमीरपुर जनपद में होने की जानकारी मिलने पर दोनों घर छोड़कर मां की खोज में यहां आ गईं थीं। छह दिन से दोनों वन स्टाप सेंटर में ही हैं।

मंगलवार को दोनों लड़कियों के पिता, चाचा और परिवार के अन्य लोग दोनों को लेने के लिए तहसील परिसर स्थित बाल कल्याण समिति पहुंचे। यहां दोनों लड़कियों ने पिता पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए उनके साथ जाने से इनकार कर दिया। दोनों को साथ भेजने की कोशिश की गई, लेकिन अंततः परिजनों को बैरंग लौटना पड़ा। बाल कल्याण समिति के न्यायपीठ विजय शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों लड़कियों ने परिजनों के साथ जाने से इनकार कर दिया है। मसला दूसरे जनपद का होने के कारण अयोध्या बाल कल्याण समिति से संपर्क किया गया है। दोनों लड़कियों को समिति के सुपुर्द किया जाएगा।

खाद के लिए हाईवे पर लगाया जाम

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

मौदहा में खाद के लिए नेशनल हाईवे पर जाम लगाए किसान। अमृत विचार

अमृत विचारः कस्बा सहित आसपास के गांवों में खाद की किल्लत से परेशान किसानों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंचे एसडीएम ने किसानों को समझा-बुझाकर कर जाम खुलवाया। जाम से हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

इस समय रबी की फसलों की बुआई का समय शुरू हो गया है, लेकिन समितियों में खाद नहीं आने से किसानों को फसलों की बुआई की चिंता सता रही है। मंगलवार सुबह कस्बे के नेशनल हाईवे पर स्थित पीसीएफ में खाद आने की सूचना मिलते ही किसानों की लंबी लंबी लाइनें लग गई, लेकिन घरों से पकड़कर राजनीतिक दलों की सदस्यता दिलाने वाले समाज के कथित ठेकेदार नेता किसानों को खाद दिलाने के समय गायब नजर आए।

समिति में खाद बंटना शुरू ही हुआ था, तभी खाद खत्म होने की नौबत भी आ गई, जिससे आक्रोशित किसानों ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया और कुछ देर में ही नेशनल हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जाम की सूचना पर पहुंचे उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह को भी किसानों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। उप जिलाधिकारी ने जल्द ही सभी किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद दिलाने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। जिले में खाद की समस्या कोई नई नहीं है। हर फसल में किसानों को खाद की किल्लत से जूझते हुए जाम लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

धरमंगदपुर में कोटेदार का मतदान से हुआ चयन

संवाददाता घाटमपुर

- अन्नपूर्णा को मिले सर्वाधिक 178 मत, 7 लोगों ने किया था आवेदन

अमृत विचार। विकास खंड के ग्राम पंचायत धरमंगदपुर गांव में राशन की दुकान के लिए 7 लोगों ने आवेदन किया था। नोडल अधिकारी एडीओ पंचायत विनोद झा व सचिव अमित सिंह की उपस्थिति में मतदान के द्वारा कोटेदार की चयन प्रक्रिया की गई। जहां ग्रामीणों ने मतदान कर कोटेदार का चयन किया। इस दौरान कुल 483 मत पड़े।

मतदान के दौरान पुलिस बल तैनात रहा। ग्राम सचिवालय में कोटेदार के चयन हेतु मतदान की प्रक्रिया की शुरुआत की गई। कोटेदार पद के लिए सात लोगों ने आवेदन किया जिसमें अन्नपूर्णा पत्नी अभिमन्यु को सर्वाधिक 178 मत प्राप्त हुए और धर्मेंद्र कुमार को 9 मत, संगीता देवी को 73 मत, नीरज देवी को 10 मत, शशि प्रभा को 63 मत, शशि देवी को 26 मत, राजेश को 113 मत तथा 11 मत अवैध निकले।

विजेता अन्नपूर्णा। अमृत विचार

बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज में संकुल स्तरीय विज्ञान मेला एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता में विभिन्न विद्या मंदिर कॉलेजों के बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ डिप्टी कमिश्नर राजकुमार लोधी, संभाग निरीक्षक शिवकरन, प्रबंधक श्याम सुंदर मुखिया ने किया। प्रतियोगिता में हमीरपुर, मौदहा, कुरारा, सुमन भारती सरस्वती बालिका मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बाल वर्ग में सुमन भारती सरस्वती बालिका स्कूल की मान्या ने प्रथम और मौदहा के वेंदांत ने दूसरा स्थान पाया। किशोर वर्ग में राठ के धीर नायक ने प्रथम और सुमन भारती की श्रेयांशी ने दूसरा स्थान पाया। तरुण वर्ग में सुमन भारती की शिवानी ने प्रथम, राठ के अंकित ने दूसरा स्थान पाया।

टैबलेट पाकर खिल उठे छात्र-छात्राओं के चेहरे

संवाददाता कानपुर देहात

अमृत विचार। रनियां के कुंदन लाल शुक्ल महाविद्यालय में मंगलवार को टैबलेट वितरित किए गए। टैबलेट मिलने पर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे।

प्राचार्य डॉ. कामता प्रसाद ने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल हो चुका है। बच्चों के लिए टैबलेट से शिक्षा ग्रहण करना आसान हो गया है। छात्रों को जिन विषयों और लेखकों की पुस्तक चाहिए। वह सब ऑनलाइन उपलब्ध है। बच्चे इसकी सहायता से पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा रोजगार से जुड़ी जानकारी भी हासिल कर रहे हैं। छात्र टैबलेट का बेहतर तरह से इस्तेमाल कर शिक्षा में मदद ले सकते हैं। टैबलेट वितरण कार्यक्रम में डॉ. अरविंद मिश्रा, डॉ. रोहिताश कुमार, रोहन, राकेश, ताबिश रज्जाक, आरपी यादव, आशीष माथुर, भूपेंद्र, अहसान अहमद आदि मौजूद रहे।

टैबलेट के साथ छात्र–छात्राएं। अमृत विचार

सौंपा ज्ञापन | मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा

किसान संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। भारतीय किसान संघ, कानपुर प्रांत ने किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन खंड विकास अधिकारी यशवीर सिंह को सौंपा है। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से किसानों को खरीफ और आने वाली रबी 2025 की फसलों के दौरान हो रही परेशानियों के बारे में बताया है।

ज्ञापन में किसानों ने मुख्य पांच मांगें रखी हैं और चेतावनी दी है कि यदि इन पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो भारतीय किसान संघ धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा।

खंड विकास अधिकारी यशवीर सिंह को ज्ञापन सौंपते किसान संघ के कार्यकर्ता।

ज्ञापन में कहा गया है कि खाद, बीज और बिजली की कमी के कारण किसानों में सरकार और प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश है।

ज्ञापन देने के दौरान किसान संघ के कानपुर ग्रामीण के जिला उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला, मोनू शर्मा, अजयदीप, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश अवस्थी आदि लोग मौजूद रहे।

प्रमुख मांगें

- **रबी फसलों की बुआई के लिए खाद:** किसानों को रबी की बुवाई के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए।
- **गुणवत्तापूर्ण बीज:** फसलों की अच्छी पैदावार के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- **विद्युत की भरपूर आपूर्ति:** सिंचाई के लिए बिजली की पर्याप्त आपूर्ति प्रदान की जाए।
- **अन्ना पशु:** अन्ना पशुओं की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए।
- **फसल बीमा का लाभ:** किसानों को बीमा का लाभ तुरंत मिले।

वाहन की टक्कर से अधेड़ घायल

हमीरपुर। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के सर्विस रोड में गुंदेला गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

महोबा के खरेला थाना क्षेत्र के धवारी निवासी राजेश पालीवाल (52) ने बताया कि वह बाइक से एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड से राठ जा रहा था, तभी गुंदेला के पास तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क में गिरकर बुरी तरह से घायल हो गया। घायल बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए था। ग्रामीणों की सूचना कर एंबुलेंस 108 की मदद से घायल को कस्बे के में भर्ती कराया गया, जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मरीजों के साथ अभद्रता के मामले में कर्मचारी निलंबित

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचारः मौदहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत कर्मचारी द्वारा मरीजों के पर्चे बनाए जाने के दौरान गालीगलौज करने और अभद्रता करने संबंधी वायरल वीडियो की जांच में मामला सही पाए जाने पर सीएमओ ने दोषी कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

एक सितंबर को सोशल मीडिया में मौदहा सीएचसी के कर्मचारी ने मरीजों के पर्चे बनाने के दौरान गालीगलौज व अभद्रता की थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। इस मामले में डीएम घनश्याम मीना ने सीएमओ डॉ.गीतम सिंह को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। सीएमओ की ओर से जिलाधिकारी को जांच आख्या भेजी गई है। सीएमओ की ओर भेजी गई जांच आख्या में बताया गया कि मौदहा सीएचसी में कार्यरत कर्मचारी काशिफ महमूद (चतुर्थ श्रेणी) द्वारा मरीजों के पर्चे बनाने के दौरान गालीगलौज करने एवं अभद्रता किए जाने की समिति का गठन कर जांच कराई गई। जांच समिति की ओर से दो सितंबर को प्रकरण की जांच की गई। जांच समिति ने पाया कि वायरल वीडियो काशिफ महमूद (चतुर्थ श्रेणी) का ही है और उसने गाली-गलौज, अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया।

सचिव को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

मुस्करा। न्यूरिया के शिवराम ने बताया कि राशनकार्ड बनवाने के लिए सचिव से हस्ताक्षर और मोहर लगवा कर प्रमाणित कराने थे। वह ब्लाक व पंचायत कार्यालय का एक हफ्ते से चक्कर काट रहा है। उसने सचिव कुलदीप श्रीवास की बीडीओ शिवनारायण कश्यप से शिकायत की, जिस पर बीडीओ ने सचिव को नोटिस जारी किया है। बीडीओ ने कहा कि सचिव कुलदीप श्रीवास से जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

एक दर्जन क्षेत्रों में गुल रही बिजली

कानपुर। दबौली उपकेंद्र के गोपाल फीडर की बिजली इंसुलेंटर में फॉल्ट होने की वजह से सुबह छह से नौ बजे तक नहीं रही। सिद्धनाथ, दुर्गा मंदिर, अलादाद व दरगाह शरीफ फीडर की बिजली पॉवर ट्रांसफार्मर में जरूरी कार्य की वजह से दो घंटे नहीं रही। सैनिक चौराहा, बजरंग चौराहा, कल्यानपुर, गूबा गार्डन, एल्डिको, कारवालों नगर, झकरकटी, चमनगंज समेत आधा दर्जन से अधिक क्षेत्र में बिजली दो से तीन घंटे तक नहीं रही।

आज यहां पर नहीं आएगी बिजली

कानपुर। बारासिरोही के लक्ष्मी हॉस्पिटल व आसपास के क्षेत्र, गुजैनी, पराग डेयरी कच्ची बस्ती, डीबीएस कॉलेज के सामने, बर्रा दो, लाल कॉलोनी, साकेत नगर, पनकी रोड, न्यू शिवली रोड व आसपास का क्षेत्र, सैनिक चौराहा, बजरंग चौराहा, शकरापुर, तिलक चौराहा, विनायकपुर में बिजली सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक नहीं रहेगी। यहां पर केस्को द्वारा जरूरी कार्य होंगे।

जागरूकता कार्यक्रम

कानपुर। आईएमए भवन में बुधवार को वर्ल्ड सुसाइड प्रीवेंशन अवेयरनेस डे पर जागरूकता कार्यक्रम होगा, जिसमे सुसाइड विचार, रोकथाम व जीवनशैली में बदलाव संबंधित जानकारी द्वारा दी जाएगी।

सर्वोदय नगर में मेट्रो के कार्यों का निरीक्षण करतीं महापौर प्रमिला पांडेय साथ में पार्षद व अन्य अधिकारी। गोविंदनगर में मेट्रो के अधिकारी पर बरस पड़ीं महापौर और उसे जलभराव में धकेल दिया। अमृत विचार

पानी ने भड़काई गुस्से की आग, अम्मा आपे से बाहर

गोविंदनगर में मेट्रो अधिकारी को धक्का दिया, कर्मचारियों-मजदूरों को भगाकर काम बंद कराया, कहा-मनमानी नहीं चलेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जलभराव और सर्वोदय नगर में मेट्रो के डॉट नाला बंद करने पर भड़क गईं महापौर
- सर्वोदय नगर, देवकी चौराहा, गोविन्द नगर, परमपुरवा में जलभराव का किया निरीक्षण
- कहा, मेट्रो के मनमाने कार्यों से शहर नरक बना, अब ऐसे काम नहीं करने देंगे

अमृत विचार। मेट्रो की खोदाई से शहरवासी परेशान हैं। कार्य के दौरान टूटी पेयजल व सीवर लाइन के साथ टूटी सड़कें लोगों को बेहाल किए हैं। सोमवार को हुई बारिश ने पूरा शहर पानी में डुबो दिया, जाम और गड्ढों में लोग फंसे रहे। जगह-जगह पानी भरने की तस्वीरें जब सामने आईं तो मंगलवार को महापौर (अम्मा) प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार अधिकारियों के साथ समस्या देखने निकले। इस दौरान सर्वोदय नगर में डॉट नाला संकरा किए जाने पर महापौर गुस्से में बिफर गईं, उन्होंने तत्काल मेट्रो का काम रुकवा दिया।

कर्मचारियों को भी जाने के लिए कहा, इसके बाद गोविंदनगर में भी उनकी मेट्रो अधिकारी से गरमा-गरम बहस हुई। उन्होंने यहां गुस्से में आकर अधिकारी को कीचड़ से भरे गड्ढे में धक्का दे दिया, हालांकि, पास खड़े मुख्य अभियंता व पूर्व पार्षद ने अधिकारी को पकड़ लिया। महापौर ने काम बंद कराकर समस्या ठीक करने के बाद ही पूरे शहर में कार्य शुरू करने की चेतावनी दी।

महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार मंगलवार को शहर के जलभराव की स्थितियों का जायजा लेने निकले। महापौर सबसे पहले गोविंदनगर में चावला मार्केट चौराहा पहुंची। उन्होंने मौके पर मेट्रो के अफसर तरुण कुमार और ठेकेदार समीर को मौके पर बुलाया। बारादेवी में जलकल की 32 फुट पर पड़ी सीवर लाइन को जो मेट्रो द्वारा 16 फुट पर डाल दी गयी है, को ठीक कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है, किन्तु अभी तक उक्त सीवर लाइन को 32 फुट के बराबर नहीं किया गया है, जिसके कारण सीवर एवं बरसाती पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इससे करीब आठ वार्ड प्रभावित हैं। इनमें गोविंदनगर, परमपुरवा, जूही, बर्रा, निरालानगर और जूही लाल कॉलोनी समेत कई इलाके हैं जहां बारिश होते ही जलभराव हो जाता है। पार्षद नवीन पंडित समेत अन्य पार्षदों ने मेट्रो की लापरवाही से हुई समस्या को लेकर मेट्रो में शिकायत की। इसके बाद भी समस्या का निस्तारण नहीं हुआ। इसे लेकर महापौर की मेट्रो के अफसरों से बहस होने लगी। गुस्से में महापौर ने मेट्रो अफसर तरुण कुमार को खींचकर जलभराव में धक्का दे दिया। महापौर का आक्रोश देख मेट्रो अफसर और ठेकेदार भाग गए।

डॉट नाला कर दिया बंद

- इसके बाद महापौर काकादेव पहुंचीं और वहां की स्थितियों का जायजा लिया। यहां भी लोगों ने जलभराव और मेट्रो की खोदाई से सड़कें खस्ताहाल होने की शिकायतें की। इस पर महापौर ने ठेकेदार और मौके पर मौजूद मेट्रो अधिकारियों से पूछा-ऐसा कब तक चलेगा। मेट्रो अधिकारी जवाब नहीं दे सके तो महापौर ने तुरंत काम बंद करने को कहा। कहा, देवकी चौराहा पर डॉट नाला बंद कर दिया है जिससे सर्वोदय नगर, आरटीओ आफिस, मॉडल रोड, पांडुनगर में जल भराव हो रहा है। इसे प्राथमिकता पर ठीक कराया जाए।

अफसरों को दी कड़ी चेतावनी

- महापौर ने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि अगर जलभराव की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मेट्रो अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मैं ये नहीं कहती कि बारिश में शहर में पानी नहीं भरता है लेकिन जब से मेट्रो ने काम शुरू किया है, गोविंदनगर और जूही के साथ चौतरफा जलभराव हो रहा है। विजय नगर में जो मेट्रो का काम चल रहा है, उसने एकदम नरक मचा रखा है। रास्ता इतरा संकरा कर दिया गया है कि कार भी मुश्किल से निकल पाती है। रास्ता संकरा और बेहद खराब है जिससे दिन-रात जाम लगता है। रास्ते पर एक बार भी पैचवर्क या सुधार नहीं किया गया। लोग गिरते-पड़ते निकल रहे हैं।

पार्षद से भी हुई बहस

- गोविंदनगर में पार्षद नवीन पंडित से मेट्रो अधिकारियों की बहस हुई। पार्षद ने चेतावनी भरे लहजे में मेट्रो अधिकारियों से टूटी पाइप लाइने ठीक कराने के लिए कहा। अन्य अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता सिविल सैय्यद फरीद अख्तर जैदी, जलकर महाप्रबंधक आनंद कुमार त्रिपाठी, जोन-5 के अधिशाषी अभियंता रामेंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

मेट्रो वालों ने 200 मीटर डॉट नाला क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसकी वजह से शहर में जलभराव हो रहा है, इसके अलावा भी कई जगह नाले-नालियां तोड़ दीं। जिससे लोग परेशान हैं। गोविंद नगर में भी कई वार्डों में सीवर व जलभराव हो रहा है। पूरे शहर में काम रोकने को कहा है। अगर कहीं काम होगा तो रुकवाएंगे।

-प्रमिला पांडेय, महापौर

एनडीए प्रत्याशी की जीत पर बांटी मिठाई

कानपुर। एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन के उप राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान बांटा। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सांसद रमेश अवस्थी ने भी राधाकृष्णन के उप राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और दृष्टिकोण को सम्मान मिलना यह दर्शाता है कि देश आगे बढ़ रहा है। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने भन्नापुरवा तिराहे पर मिठाई वितरण किया।

भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने वार्ड 39 ढकनापुरवा, ट्रांसपोर्ट नगर में मिष्ठान वितरण किया। जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा कराया और एक दूसरे को बधाई दी। यहां प्रमुख रूप से जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी, दीपांकर मिश्रा, पार्षद मनीष मिश्रा, संजीव बेरी, प्रवीण मिश्रा, वार्ड अध्यक्ष रिशु कन्नौजिया, वीरेंद्र दिवाकर, आदि मौजूद रहे।

संयोजक व सह संयोजक घोषित

कानपुर। भाजपा उत्तर द्वारा सेवा पखवाड़ा अभियान के कार्यक्रमों के संयोजकों व सह संयोजक घोषित किए गए। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने बताया कि रक्तदान शिविर के संयोजक शिवांग मिश्रा, सह संयोजक सोनू राठौर मीनाक्षी गुप्ता को बनाया गया। स्वच्छता अभियान आशीष बाजपेई, रवि पांडे, रामकुमार सिंह, नि:शुल्क स्वास्थ शिविर पारस मदान, रामजी गुप्ता, मनोज त्रिवेदी, प्रदर्शनी रोहित साहू सुनीता गौड़, प्रशांत त्रिपाठी, पूर्व कार्यकर्ता विद्यार्थी परिषद प्रबुद्ध वर्ग संवाद में सतेंद्र नाथ पांडेय, परमानंद शुक्ला, मनीष त्रिपाठी, नमो मैराथन शिवांग मिश्रा, सोनू राठौर, ऋषभ पाठक को जिम्मेदारी दी।

गुजैनी में नगर निगम कैटिल कैचिंग दस्ता भारी फोर्स के साथ पहुंचा।

चट्टे से जानवरों को पकड़कर ले गए कर्मचारी। अमृत विचार

गुजैनी में बड़े चट्टे पर की कार्रवाई, 17 पशु जब्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मॉडल वार्ड बनाने में रोड़ा बने शहर के चट्टों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। मंगलवार को गुजैनी में ऐसे ही एक बड़े चट्टे पर नगर निगम ने कार्रवाई की। गोविन्द नगर थाना पुलिस के सहयोग से चट्टा हटाओ अभियान चलाया गया। जिसमें यहां 17 जानवरों को कब्जे में टीम ने ले लिया। इसमें 8 भैंस, 6 गाय और भैंस के 3 पड़वे थे। नगर निगम ने पशुओं को गौशाला भेज दिया।

शहर में चट्टा संचालकों को पशुओं को नगर निगम सीमा से बाहर ले जाने की चेतावनी दी गई है। लेकिन इसके बाद भी बड़ी संख्या में चट्टे चल रहे हैं। इसकी वजह से शहर का ड्रेनेज सिस्टम गड़बड़ा रहा है। नगर आयुक्त ने मॉडल वार्ड बनाने को लेकर शहर के चट्टों को हटाने के निर्देश दिए हैं। इसी को लेकर मंगलवार को मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके निरंजन के नेतृत्व में टीम ने गुजैनी में कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि चट्टा संचालक को पहले चट्टे को हटाने की चेतावनी दी गई लेकिन, हटाया नहीं गया। उन्होंने कहा कि शहर के समस्त चट्टा संचालकों को पुनः सूचित किया जाता है कि वह नगर निगम सीमा में चट्टा संचालन प्रतिबंधित किया गया है। अपने पशुओं को शीघ्र ही नगर निगम सीमा के बाहर विस्थापित करें। चट्टा हटाओ अभियान से पशु कल्याण विभाग द्वारा 33.48 लाख रुपये राजस्व की वसूली की गयी है। इस दौरान प्रवर्तन प्रभारी कर्नल आलोक नारायण, राजस्व निरीक्षक दिनेश कुमार, प्रर्वतन दल के सदस्य लक्ष्मन सिंह, इन्द्रजीत सिंह, जीतेन्द्र प्रसाद सिंह आलोक कुमार रहे।

विकास, भविष्य की योजनाओं पर होगी चर्चा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 10 और 11 सितंबर को शहर आएगा शासन का प्रतिनिधिमंडल
- समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान

अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 संकल्प के अनुरूप प्रदेश सरकार ने समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान की शुरुआत की है। जिसका उद्देश्य जनता की भागीदारी से ऐसा रोडमैप तैयार करना है, जिससे वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल हो सके। इसलिए शासन द्वारा नामित प्रबुद्धजनों का प्रतिनिधिमंडल 10 और 11 सितंबर को शहर आएगा, जो कई विषयों पर चर्चा करेगा।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक यह अभियान प्रदेश के भविष्य की दिशा तय करने का अनूठा अवसर है। यह केवल शासन की पहल नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से बनने वाला विकास का खाका है। कहा कि जनता हर विचार 2047 के विकसित उत्तर प्रदेश की रणनीति का आधार बनेगा। अभियान का विजन तीन थीम, अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति पर आधारित है। इसके तहत कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, ऊर्जा, पर्यटन, महिला विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सामाजिक सुरक्षा सहित 12 क्षेत्रों में जनता से सुझाव लिए जा रहे हैं। जनता अपने सुझाव क्यूआर कोड स्कैन कर या सीधे समर्थ पोर्टल पर दर्ज करा सकती है। कार्यक्रम के अनुसार 10 सितंबर को सुबह साढ़े 10 बजे से डेढ़ बजे तक एचबीटीयू के प्रेक्षागृह में छात्रों, प्राध्यापकों और शिक्षाविदों के साथ बैठक होगी।

दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक सीएसए में कृषकों, एफपीओ सदस्यों और कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया जाएगा। 11 सितंबर को सुबह साढ़े 10 से दोपहर साढ़े 12 बजे तक सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में व्यवसायियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी।

दोपहर साढ़े 12 बजे से दोपहर दो बजे तक महिला समूहों, श्रमिक संगठनों, राज्य और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त महानुभावों व विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों से विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल में ये लोग शामिल हैं

- जिलाधिकारी के मुताबिक प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं सेवानिवृत्त आईएएस अवनीश कुमार अवस्थी, सेवानिवृत्त आईएफएस बाबूराम अहिरवार, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. चुन्ना सिंह, कृषि विभाग के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. शंकर सिंह और पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता राकेश सिंह शामिल हैं। यह दल प्राध्यापकों, छात्रों, शिक्षाविदों, कृषकों, एफपीओ, महिला समूहों, श्रमिक संगठनों और उद्यमियों के साथ संवाद कर बीते आठ वर्षों की विकास यात्रा व आगे की रणनीति पर चर्चा करेगा और फीडबैक भी प्राप्त करेगा।

डस्टबिन टूटे, कूड़ा फैला

सर्वोदय नगर में सड़क किनारे रखे डस्टबिन टूट गए हैं और कूड़ा सड़क पर फैला है। • अमृत विचार

आज जॉली एलएलबी-3 का ट्रेलर लांच

कानपुर। शहर में आज 10 सितंबर को रेव थ्री में फिल्म जॉली एलएलबी तीन के ट्रेलर की लॉचिंग की जाएगी। इसके लिए वीआइपी रोड स्थित रेव थ्री में फिल्म स्टार अक्षय कुमार के साथ अरशद वारसी और हुमा कुरैशी के भी आने की उम्मीद है। वह यहां पर करीब 40 मिनट तक रहेंगे। सुबह 10 बजे चकेरी एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। इसके बाद 10:30 तक रेव थ्री आएंगे। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह के मुताबिक बुधवार को रेव-3 में फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार का कार्यक्रम प्रस्तावित है। सुरक्षा व्यवसथा को लेकर निरीक्षण किया गया। आयोजकों ने बताया कि करीब एक हजार भीड़ होने का अनुमान है। उनसे भीड़ को कम कराने के लिए कहा गया है। साथ ही आयोजन स्थल पर यातायात, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं के लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए भी दिशा निर्देश दिए गए हैं।

विकास पथ

रामादेवी से गोल चौराहे तक प्रस्तावित है एलिवेटेड रोड

मंत्रालय की टीम ने एलिवेटेड रोड का रूट देखा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रामादेवी से गोल चौराहे तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड का निरीक्षण करने मंगलवार को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की टीम शहर आई। टीम के सदस्यों ने रामादेवी से लेकर गोल चौराहा तक निरीक्षण किया। साथ ही रावतपुर से आईआईटी तक की सड़क की स्थिति भी देखी जहां जगह-जगह गड्ढे और सड़क ऊबड़-खाबड़ थी। इसके बाद एनएच पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ बैठक की।

15 सौ करोड़ से बनने वाले एलिवेटेड रोड का डीपीआर हैदराबाद की कंसलटेंट कंपनी हेक्सा ने तैयार किया है। अब टीम की रिपोर्ट के बाद सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय डीपीआर स्वीकृत करेगा। यह एलिवेटेड रोड 10.20 किलोमीटर लंबी चार लेन की होगी। मंगलवार को शहर आई टीम में नेशनल हाईवे उत्तर प्रदेश पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता एके जैन, क्षेत्रीय अधिकारी अमित, कानपुर के अधिशाषी अभियंता अरुण कुमार जयंत, झांझी व आगरा के अधिकारी रहे। टीम के सदस्यों ने रामादेवी से गोल चौराहा तक निरीक्षण कर एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए मुख्य बिंदुओं को समझा। यह भी देखा कि कहां कहां अतिक्रमण है और किस जगह भूमि अधिग्रहण करना होगा, टीम ने साथ ही झकरकटी में जगह की कमी महसूस की। इसके एलाइनमेंट में कई भवन आ रहे हैं जिन्हें तोड़ने पर चर्चा हुई। इसके बाद टीम ने मैकराबर्टगंज स्थित कार्यालय में बैठक कर जर्जर सड़कों का पैच वर्क कराने और निर्माण कार्य समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए।

जीटी रोड पर टाट मिल चौराहे पर रोज लगता है जाम। अमृत विचार

कमरे में मिला फैक्ट्री कर्मी का शव

कानपुर। पनकी में फैक्ट्री कर्मी का शव कमरे में मिला। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर परिजनों को सूचना दी। युवक अकेले रह रहा था।

मूलरूप से कन्नौज के इंदरगढ़ हटईपुर निवासी महेश यादव का 30 वर्षीय बेटा अनुरुद्ध पनकी स्थित फैक्ट्री में नौकरी करता था और मीतासराय में किराए पर रहता था। परिवार में मां राजकुमारी, तीन बहने व एक छोटा भाई अनुज है। अनुज के अनुसार अनुरुद्ध अविवाहित था और अकेला रहता था, परिवार के लोग इंदरगढ़ में रहते हैं। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस कमरे में घुसी तो अनुरुद्ध का शव मिला। लोगों ने बताया कि उसे बाहर न देखने पर संदेह हुआ। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, आवाज देने पर कोई जवाब भी नहीं मिला। पनकी पुलिस के अनुसार कमरे में शराब की खाली शीशी मिली है। आशंका है कि शराब के नशे में अटैक पड़ा होगा। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

सिटी ब्रीफ

किशोरी लापता, युवक पर अपहरण की रिपोर्ट

कानपुर। गोविंदनगर के दबौली कच्ची बस्ती निवासी युवक ने बताया कि चार सितंबर की सुबह उनकी 16 वर्षीय बहन घर से दोस्तों के पास जाने की बात कहकर निकली थी। इसके बाद वापस नहीं लौटी। मोबाइल भी स्विच ऑफ है। पता चला कि उसकी बहन इटावा के नगला ठकुरी निवासी आकाश से बातचीत करती थी। वह नाबालिग बहन को बहलाकर अपने साथ ले गया है। गोविंदनगर पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी व किशोरी की तलाश की जा रही है।

लोडर से टक्कर मारी विरोध पर पीटा

कानपुर। चकेरी गणेशपुर के रुद्रपुर निवासी प्रमोद द्विवेदी के अनुसार बीते सोमवार की शाम वह घर पर थे। तभी उनका पड़ोसी जय प्रकाश तिवारी अपने भाई रवि शंकर के साथ लोडर लेकर निकला। लोडर घर के बाहर खड़ी उनकी बाइक से टकराई और बाइक गिर पड़ी। प्रमोद और उनके भाई ने विरोध किया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगे। धमकाते हुए उन्हें लाठी से पीटा। शोर सुनकर प्रमोद के घरवाले बचाने पहुंचे तो आरोपी धमकी देकर चले गए। कार्यवाहक थाना प्रभारी कुलदीप सिंह सेंगर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर चोरी के रिक्शा समेत गिरफ्तार

कानपुर। चकेरी में हिस्ट्रीशीटर चोरी के ई-रिक्शा के साथ गिरफ्तार हुआ है। पुलिस के अनुसार देवीगंज निवासी सुषमा पंथ ने चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 19 अगस्त की रात को घर के बाहर से उनका ई-रिक्शा चोरी हो गया था। उन्होंने घाऊखेड़ा के रमन चौरसिया पर चोरी का आरोप लगाया था। पुलिस के अनुसार आरोपी चकेरी से हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ कैंट, रेलबाजार, मूलगंज समेत अन्य थानों में चोरी, लूट समेत अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने घाऊखेड़ा से गिरफ्तार किया है।

कटरी के गांव वाले पशुओं के साथ सड़क पर डेरा डाले हैं। अमृत विचार

कटरी के गांवों से पलायन हो रहा है। अमृत विचार

सड़क पर आई गृहस्थी, खुले में बीत रहे दिन और रात

जानवरों को भी सड़क पर बांधा, पलायन हुआ तेज, बिठूर और ख्योरा कटरी के 22 गांवों में हाहाकार, टेंट लगाकर ले रहे शरण

बैराज रोड की एक लेन बंद कर दी गई है। अमृत विचार

ट्रैक्टर से सुरक्षित जगह जाते ग्रामीण। अमृत विचार

गंगा की हालत

अप स्ट्रीम में पानी	114.96 मीटर
डाउन स्ट्रीम	114.46 मीटर
शुक्लागंज	113.21 मीटर
कानपुर से छोड़ा गया पानी	486282 क्यूसेक
हरिद्वार से छोड़ा गया पानी	64820 क्यूसेक
नरोरा से छोड़ा गया पानी	115180 क्यूसेक

150 परिवारों ने गृहस्थी और पशुओं समेत गंगा बैराज पर अस्थायी टेंट लगाकर शरण ली है

- दो हजार बीघा से अधिक फसल पानी में डूबी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गंगा के उफान से कई गांवों में उथल-पुथल मची है। मंगलवार को तेजी से कई गांव में बाढ़ का पानी बढ़ा है। इससे पलायन भी तेज हो गया। गांव से निकलकर ग्रामीणों की गृहस्थी सड़क पर आ गई है। जानवरों को भी बैराज मार्ग पर बांधा गया है। यहीं खटिया व अन्य खाद्य सामग्री लाकर लोगों की रातें कट रही हैं। बिठूर और ख्योरा कटरी के 22 गांव में हाहाकार है। टेंट लगाकर लोग शरण लेने को मजबूर हैं।

जलस्तर बढ़ने से घाटों से सटे बिठूर, ख्योरा कटरी और शहरी क्षेत्र में घरों में पानी घुस गया है। लोगों ने गंगा बैराज में टेंट लगाकर शरण ली है। सोमवार दोपहर को बैराज पर गंगा का जलस्तर 114.87 मीटर था। रात होते होते इसमें 9 सेंटीमीटर की और बढ़ोतरी हो गई। इससे ख्योरा कटरी, बिठूर कटरी और शहरी क्षेत्र में हालात और खराब हो गए।

बाढ़ के पानी ने बिठूर कटरी के प्रतापपुर हरी, ईश्वरीगंज, पपरिया, हिंदुपुर को भी चपेट में ले लिया। पहले से चपेट में आए भगवानदीनपुरवा, भोपालपुरवा, लक्ष्मनपुरवा, गिल्लीपुरवा, बनियापुरवा, दुर्गापुरवा, मक्कापुरवा के अलावा बिठूर कटरी के तिसजा, नया डल्लापुरवा, पुराना डल्लापुरवा, हृदयपुर, चिरान में हालात और ज्यादा बदतर हो गए। दो हजार से अधिक बीघा खेत में लगी सब्जी की फसल पानी में डूब गई है।

करीब 150 परिवारों ने गृहस्थी और पशुओं समेत गंगा बैराज पर अस्थायी टेंट लगाकर शरण ली है। नगर निगम की ओर से यहां मंगलवार को फागिंग कराई गई है। भगवानदीनपुरवा में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं। गांव के सभी घरों में पानी भरा है। तीन दर्जन से अधिक दुधारू पशु बाढ़ के पानी में फंस गए हैं। इन्हें अब बैराज पर लाना मुश्किल है क्योंकि पानी का बहाव तेज है और सड़क किनारे खेतों में चारों तरफ कटीले तारों की बाड़ है। मंगलवार को बड़ी संख्या में लोगों ने बाढ़ से निकलकर सुरक्षित स्थानों में शरण ली है।

करोड़ों के सरकारी प्रोजेक्ट का झांसा देकर ठगी

कानपुर। नजीराबाद में युवक को शातिरों ने करोड़ों की सरकारी परियोजना में साझेदार बनाने का झांसा देकर फंसाया और लाखों रुपये ठग लिए। पीड़ित ने रकम मांगी तो कॉल रिसीव करना बंद कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

लाजपतनगर निवासी कीर्ति रमन सचदेवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी केशवनगर कृष्णधाम के रहने वाले अभय शुक्ला को कई सालों से मुलाकात है। अभय ने उनकी जान-पहचान 2021 को मुंबई में अरुण शुक्ला से कराई थी। अरुण ने खुद को बैंकिंग एंड फाइनेंसियल सर्विस में डीएसए बताया था। मुंबई के होटल में बैठक में अरुण ने उसे कई सरकारी परियोजनाएं बताईं। उससे संबंधित दस्तावेज भी दिखाए। अरुण ने उसे प्रोजेक्ट में साझेदारी का झांसा दिया और कहा कि उसकी भागीदारी प्रोजेक्ट में आर्थिक सहयोगी के रूप में हो सकती है। पीड़ित के अनुसार अरुण पर विश्वास करके उसने प्रोजेक्ट में हामी भर दी। जिसके बाद उसे मीटिंग में भी बुलाया जाने लगा और दस्तावेज भी दिए जाने लगे। इसके बाद अरुण ने अपनी पर्सनल समस्या निपटाने के लिए उससे दो लाख रुपये लिए। इसके बाद अरुण उससे विभिन्न मद में रुपये लेता रहा। वह जब रुपये देने में आनाकानी करता तो अरुण उसे डर दिखाता कि अगर रुपया नहीं दिया तो प्रोजेक्ट बंद हो जाएगा। पीड़ित के अनुसार अरुण को बातों का समर्थन अभय भी करता था। जिसके चलते उसने ब्याज पर रुपये लेकर अरुण को दिए। इस चक्कर में वह कर्जदार हो गया। उसे अपना एक फ्लैट बेचना पड़ा। अब उक्त लोग न तो रुपये लौटा रहे हैं और न ही उसका फोन रिसीव करते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का स्वागत किया गया। अमृत विचार

109 सड़कों के निर्माण का शिलान्यास

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपनी विधानसभा को दी सौगात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने चकेरी में 58 सड़कों व यशोदा नगर में 51 सड़कों का शिलान्यास किया। सतीश महाना ने कहा कि अन्त्योदय सिद्धांत पर चलते हुए भाजपा बिजली, पानी, सड़क व नाली आदि की सुविधा उपलब्ध कराकर आम जनता का जीवन स्तर सुधारने का निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार ने जीएसटी की दरों में भारी कटौती कर आम जनता को बड़ी राहत दी है। जहां एक ओर चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवा का क्षेत्र तथा रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं पर शून्य व 5 प्रतिशत जीएसटी की दरें लागू की गई है वहीं दूसरी ओर अन्नदाता किसानों के लिए कृषि उपकरणों व कीटनाशक पर जीएसटी केवल 5 प्रतिशत कर दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हरजिंदर नगर के मण्डल अध्यक्ष विवेक शुक्ला, यशोदा नगर के मण्डल अध्यक्ष संजय तिवारी, पार्षद कैलाश पाण्डेय, भवानी शंकर राय, अशोक, सौम्या शुक्ला, क्षमा शुक्ला, विमला निषाद, लालू पाल, कृष्ण कांत शर्मा, अंकित गुप्ता, राकेश तिवारी, विनय मिश्रा आदि बड़ी संख्या में लोग रहे।

घर में अकेले रह रहे बुजुर्ग का शव कमरे में मिला

कानपुर। नजीराबाद में मंगलवार दोपहर बंद मकान में वृद्ध का शव मिला। पड़ोसियों ने दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांचकी और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। शव करीब छह दिन पुराना बताया जा रहा है।

कौशलपुरी हनुमान पार्क के पास 68 वर्षीय सुरेंद्र आहूजा उर्फ पप्पू रहते थे। परिवार में पत्नी मधु एकलौता बेटा करण और बेटी तान्या है। करण और मधु दिल्ली में ही रहते हैं, जबकि सुरेंद्र अकेले रहते थे। लोगों ने बताया कि दो-तीन दिनों से मकान से बदबू आ रही थी। इस पर मंगलवार को लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर बेड पर सुरेंद्र का शव पड़ा था। कमरे में एसी चलता मिला। जांच के बाद पुलिस ने बेटे करण को सूचना दी। जानकारी पाकर इंदिरानगर में रहने वाला भतीजा समीर मौके पर पहुंचा। नजीराबाद थाना प्रभारी राजकेसर ने बताया कि हार्ट अटैक से मौत की आशंका है। शव करीब छह दिन पुराना है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट होगी।

बैंक से 40 तोला सोना गायब होने की सूचना से हड़कंप

- पिता की मृत्यु के बाद लॉकर चेक करने पहुंचे थे अधिवक्ता
- पुलिस से शिकायत के बाद दोबारा देखा तो जेवर सुरक्षित मिला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फीलखाना थानाक्षेत्र स्थित बसंत सेंट्रल बैंक के लॉकर से मंगलवार सुबह 40 तोला सोना गायब होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। बैंक अधिकारी भी परेशान हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और पीड़ित अधिवक्ता से मामले की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस व बैंक के अफसरों के साथ जाकर दोबारा लॉकर देखा गया तो जेवर सुरक्षित मिले। इस पर अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

हूलागंज निवासी अधिवक्ता विनय तिवारी के अनुसार उनका पिता बसंत कुमार तिवारी के साथ कराची खाना स्थित सेंट्रल बैंक में संयुक्त खाता था। पिता इसी शाखा से कैशियर के पद से 2008 में सेवानिवृत्त हुए और 2007 में उन्होंने यहां लॉकर लिया था। करीब दो माह पहले पिता की मौत के बाद मंगलवार सुबह 11.15 बजे विनय लॉकर चेक करने पहुंचे थे। कुछ देर बाद उन्होंने बैंक अधिकारियों को लॉकर से जेवर गायब होने की शिकायत की। इस पर बैंक अधिकारियों ने कहा कि हो सकता है कि माता-पिता आकर जेवर निकाले हों। इस पर विनय मां सुमन तिवारी को लेकर बैंक पहुंच गए। उन्होंने बताया कि लॉकर में करीब 40 तोला सोना था। उन्होंने फीलखाना पुलिस और डॉयल 112 पर भी शिकायत की। लॉकर से इतना सोना गायब होने की खबर पर पुलिस ने भी गंभीरता ली। कारण करीब 18 माह पहले इसी बैंक के लॉकर से कई खाताधारकों का सामान गायब हुआ था।

दोपहर 3.30 बजे के बाद फॉरेंसिक टीम दोबारा लॉकर रूम पहुंची। अधिवक्ता से लॉकर देखने के लिए कहा गया। उन्होंने लॉकर में हाथ डाला तो जेवर सुरक्षित मिले। फीलखाना थाना प्रभारी ने बताया की पीड़ित ने जेवर गायब होने की शिकायत की थी, लेकिन वह सुरक्षित मिले हैं। कुछ भ्रम की स्थिति रही होगी।

मियावाकी जंगलों और तकनीक से शहर की हवा पहले से शुद्ध

- स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2024 में मिलियन प्लस शहरों की श्रेणी में कानपुर को 5वां स्थान
- 2022 में वायु प्रदूषण के मामले में शहर का स्थान देश में टॉप-10 की सूची में था

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2024 में मिलियन प्लस शहरों की श्रेणी में कानपुर नगर को देश में 5वां स्थान मिला है। मियावाकी जंगलों के विकास और तकनीक के दम पर यह उपलब्धि नगर निगम को मिली है। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के अन्तर्गत स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2024 में नगर निगम का ग्राफ बढ़ा है। विभिन्न विभागों, औद्योगिक इकाइयों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों के संयुक्त प्रयास का यह प्रतिफल है।

नगर निगम ने बताया कि वर्ष 2022 में कानपुर नगर को वायु प्रदूषण के मामले में देश के सर्वाधिक प्रभावित शहरों में गिना जाता था। पीएम 2.5 एवं पीएम 10 कणों के उच्च स्तर ने जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था। इस गंभीर समस्या के निराकरण के लिए उत्तर प्रदेश शासन एवं नगर निगम, कानपुर द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही की गई। इसमें वृक्षारोपण एवं हरित पट्टी का विकास हुआ। जिसमें मियावाकी पद्धति के अंतर्गत 10.85 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में वृक्षारोपण हुआ साथ ही 2,19,700 वर्गमीटर क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट एवं अर्बन फॉरेस्ट का निर्माण किया गया। इसके साथ ही सड़क सुधार एवं धूल नियंत्रण, यांत्रिक सड़क सफाई एवं जल छिड़काव, कचरा एवं अपशिष्ट प्रबंधन और यातायात प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली पर कार्य किया गया जिससे वर्ष 2019-20 की तुलना में पीएम 10 स्तर में 55 फीसदी सुधार दर्ज किया गया।

मियावाकी वन। अमृत विचार

विकास की ओर

कमिश्नर और नगर आयुक्त के साथ बिडर्स ने किया निरीक्षण

संचालन से पूर्व बिडर्स ने देखा कन्वेंशन सेंटर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चुन्नीगंज में स्मार्ट सिटी के तहत बने कन्वेंशन सेंटर के संचालन के लिए इच्छुक बिडर्स ने मंडलायुक्त और नगर आयुक्त के साथ कन्वेंशन सेंटर देखा। बिडर्स की ओर से ही संचालन से पहले कन्वेंशन सेंटर के भ्रमण की इच्छा जताई गई थी। जिसपर अधिकारियों ने उनके साथ पूरा कन्वेंशन सेंटर दिखाया। इस दौरान निर्माण कंपनी व स्मार्ट सिटी से जुड़े अधिकारी भी रहे।

स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा शहर में वाणिज्यिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक कार्यक्रमों को एक मंच प्रदान किये जाने के लिए चुन्नीगंज में कामर्शियल-कन्वेंशन सेन्टर का निर्माण किया है। जिसके संचालन एवं रखरखाव के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गयी है। जिसकी प्री-बिड मीटिंग में बिडर्स द्वारा कन्वेंशन सेन्टर का स्थलीय निरीक्षण कराये जाने का अनुरोध किया गया था। जिसके क्रम में मण्डलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन और नगर आयुक्त सुधीर कुमार के साथ इच्छुक बिडर्स शाम 5 बजे कन्वेंशन सेंटर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान बिडर्स द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर कार्यदायी संस्था द्वारा दिये गये।

मण्डलायुक्त व नगर आयुक्त के साथ बिडर्स द्वारा पूरे कन्वेंशन सेन्टर का कम्पोनेंट के अनुसार निरीक्षण किया गया। जिसमें समस्त बिडर्स संतुष्ट रहे। मण्डलायुक्त ने सुझाव दिये कि चयनित निविदादाता व ऑपरेटर संस्था द्वारा अस्थायी निर्माण किया जा सकता है, अस्थायी निर्माण की अनुमति समस्त बिडर्स को जेम पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध करा दी गयी है।

मंडलायुक्त और नगर आयुक्त के साथ कन्वेंशन सेंटर देखते बिडर्स। अमृत विचार

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। पनकी में पत्नी संग गोल गप्पे बनवा रहा युवक आराम करने की बात कहकर कमरे में गया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद पत्नी बुलाने गई तो फंदे से लटकता शव देखकर चीख पड़ी। पुलिस ने जांच-पड़ताल की। आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है।

मूलरूप से कानपुर देहात के मूसानगर निवासी 23 वर्षीय देव सिंह पनकी के सरायमीता कच्ची बस्ती में रहता था। परिवार में पत्नी रीना देवी, दो बच्चे धीरज व सौरभ हैं। छोटे भाई रामचंद्र ने बताया कि वह कुछ दूरी पर किराए पर रहते हैं। उनके साथ देव भी गोलगप्पे का ठेला लगाते थे। मंगलवार सुबह भाई और भाभी गोलगप्पे बना रहे थे। इसी बीच भाई ने उन्हें फोन कर पूछा कि उसके कितने गोलगप्पे बना ले। इसके बाद भाभी से आराम करने की बात कहकर कमरे में चले गए और फांसी लगा ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे से शव लटका उतार जांच-पड़ताल की।

कालोनी का झांसा देकर सात लोगों से 9.90 लाख की ठगी

- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कालोनी के लिए पीड़ितों ने दिए थे रुपये

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रधानमंत्री आवास योजना में कालोनी दिलाने का झांसा देकर फ्राड ने महिला समेत सात लोगों से ठगी की। रुपये देने के बाद कालोनी आवंटित नहीं हुई तो संपर्क करने पर आरोपी टालमटोल करने लगा। पीड़िता ने रुपये मांगे तो आरोपी फरार हो गया। कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चकेरी के सनिगवां कांशीराम कालोनी निवासी सुफिया मुस्कान के अनुसार वह कालोनी में परिजनों संग किराए पर रहती हैं। सूफिया ने बताया कि 2022 में उनकी मुलाकात अवधेश कुमार से हुई। जिसने बताया था कि वह केडीए में कालोनी आवंटन का काम देखता है। उसने कहा कि कालोनी 1.20 लाख रुपये में दिला देगा। इस पर सूफिया ने जून 2022 में खुद और चमनगंज के फजुल रहीम, मोहम्मद जुबैर, जाजमऊ वाजिदपुर के मोहम्मद दिलशाद, जाजमऊ के चांद बाबू से 1.20 लाख रुपये और शीतलाबाजार के मोहम्मद नईम के 2.70 लाख सहित करीब 9.90 लाख रुपये आरोपी को दिलाए। कुछ दिनों बाद आरोपी ने उन्हें केडीए बुलाया और रसीदों के कागज दिए। इसके बाद भी वह कई बार केडीए गईं, लेकिन उन्हें आरोपी नहीं मिला। आवंटन के लिए आरोपी टरकाता रहा। बाद में जानकारी हुई कि आरोपी ने जो रसीदें दीं वह फर्जी हैं। उसके बाद पीड़िता ने फोन कर रुपये वापस मांगे तो उसने टरका दिया। महिला के अनुसार पुलिस से शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो कोर्ट की शरण ली। चकेरी के कार्यवाहक थाना प्रभारी कुलदीप सिंह सेंगर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

जानलेवा हमले का आरोपी 15 माह बाद गिरफ्तार

कानपुर। शिव कटरा में रंगदारी न देने पर हथौड़ा मारकर फरार आरोपी को पुलिस ने 15 माह बाद गिरफ्तार किया है। शिव कटरा हरिजन बस्ती निवासी गोविंद ने आरोप लगाया था कि 31 मई 2024 को इलाके के प्रेमचंद्र निषाद उर्फ नागा ने उनके पिता सुधीर कुमार से एक लाख रुपये रंगदारी मांगी थी। इस पर उसके पिता ने कृष्णानगर चौकी में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी नागा पर शांतिभंग की कार्रवाई की थी, लेकिन अगले दिन उसे जमानत मिल गई। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ पीड़ित के घर पर पहुंचकर पिता को धमकाया। फिर एक जून की रात को गोविंद बाइक से घर जा रहे थे। तभी आरोपी ने नेताजीनगर के पास रोककर उसे मारापीटा। सिर पर हथौड़ा मारकर घायल कर दिया था। कार्यवाहक थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी सोमवार देर रात शिव करता से गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सिटी ब्रीफ

एटीएम से निकाले 1.50 लाख रुपये

कानपुर। कोतवाली में साइबर ठग ने महिला के एटीएम से डेढ़ लाख रुपये पार कर लिए। रुपये निकलने का मैसेज आने पर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। झकरकटी बस स्टॉप के पास रहने वाली शिखा मिश्रा के अनुसार 24 अगस्त को वह शिवाला मार्केट जा रही थीं। तभी उनका बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम कहीं गिर गया था। उसके बाद उनके मोबाइल पर कई बार में 1.50 लाख रुपये निकल जाने का मैसेज आया। इससे उनके होश उड़ गए। उन्होंने मामले की शिकायत बैंक व कोतवाली थाने में की। थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

पति ने नवविवाहिता को दिया तलाक, की शादी

कानपुर। बाबूपुरवा में महिला ने पति पर दूसरी शादी करने, दहेज की मांग, विरोध पर मारपीट कर तीन तलाक देने का आरोप लगाते रिपोर्ट दर्ज कराई है। बाबूपुरवा की शिफा का निकाह क्षेत्र के तौफीक अहमद से फरवरी 2025 में हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद ही पति समेत ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज में दो लाख की मांग करने लगे। विरोध पर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। पति ने दूसरी शादी कर ली। जानकारी होने पर जब पीड़िता ने विरोध किया तो पति ने 28 अगस्त को मारपीट करते हुए तीन तलाक दे दिया। पीड़िता ने मामले की शिकायत बाबूपुरवा थाने में की। थाना प्रभारी ने बताया कि पति समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

औद्योगिक क्षेत्रों में समस्याएं आम, उद्यमी कैसे करें काम

मंडलीय उद्योग बंधु बैठक में उद्यमियों ने बताईं दिक्कतें

सीवर, टूटी सड़कें सहित अन्य समस्याओं को बताया बाधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

उद्यमियों ने मंडलायुक्त को समस्याएं बताई। अमृत विचार

अमृत विचार। उद्यमियों की समस्याओं को लेकर मंगलवार को मंडलीय उद्योग बंधु बैठक आयोजित हुई। छह बंगलिया स्थित कैंप कार्यालय में हुई बैठक में उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं को एक-एक कर गिनाया। कहा कि यह समस्याएं कारोबार में बाधा पैदा करती हैं। बैठक में श्रमिकों के लिए चलाई जा रही बस का भी विषय उठा। जिसे सहमति प्रदान कर दी गई।

मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में हुई बैठक में फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल ने फजलगंज में सीवर लाइन का कार्य की शिकायत की। कहा कि मार्च माह से शुरू हुआ कार्य अभी तक नहीं हो पाया है। वहां मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और चित्र भी दिखाए। वहां पर कार्य अधूरा पड़ा है, गहरे गड्ढे है जिसमें पानी भरा हुआ है, रोड धंस रही है, रोजाना मजदूर गिर कर चोटिल हो जाते हैं और वाहन खराब हो जाते हैं। उमंग अग्रवाल ने यह मांग उठाई कि कार्यदायी संस्था के विरुद्ध जांच की जाए। काम की गुणवत्ता की जांच की जाए और कार्य अन्य किसी एजेंसी से कराया जाए। फजलगंज में नालियां साफ न होने और सड़क पर पड़ा कूड़ा न उठाने, कर्मचारियों द्वारा कूड़ा जलाने की समस्या से अवगत कराया। जिस पर नगर आयुक्त की ओर से खुद 10 सितंबर को सुबह में निरीक्षण करके समस्या का निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

उमंग अग्रवाल ने वर्ष 2016 से निर्माणाधीन पनकी फायर स्टेशन का कार्य पूर्ण न होने की बात कही। जिस पर मंडलायुक्त ने प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर अतिरिक्त बजट अवमुक्त करके कार्य पूरा करने के लिए संयुक्त आयुक्त उद्योग को निर्देशित किया। उमंग अग्रवाल ने कहा कि दादा नगर पुल के नीचे मेट्रो के कार्य के कारण सड़क पर निकलना दूभर है। इस पर अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़क को मोटरेबल करने के निर्देश दिए गए। कूड़े की समस्या पर नगर आयुक्त ने उद्यमियों को आश्वासन दिया कि पनकी कूड़ा निस्तारण प्लांट के बाहर पड़ा कूड़ा नई योजना के तहत डेढ़ साल में समाप्त होगा। लघु उद्योग भारती के अंकुर अंशवानी, संदीप अवस्थी व लाडली प्रसाद ने औद्योगिक क्षेत्र में सीवर लाइन समस्या उठाई। इस पर पनकी साइट 1 से, दादा नगर, इस्पात नगर, अपट्रान स्टेट, बजरंगबली इंडस्ट्रियल एस्टेट में सीवर लाइन का कार्य करने के लिए जल निगम को डीपीआर बनाने के निर्देश दिए गए। आईआईए के अनूप अग्रवाल ने यूपीसीडा की ओर से टैक्सटाइल जोन औद्योगिक क्षेत्र रूमा में उन्हें आवंटित भूमि के बदले नया भूखंड कई वर्षों से नहीं दे पाने की समस्या उठाई गई।

बताया कि यह प्रस्ताव मुख्यालय स्वीकृत होने गया है। अभी तक स्वीकृत नहीं हो पाया है। पीआईए के मनोज बंका ने दादा नगर में केस्को का नया सब स्टेशन के लिए, भूमि न मिलने की समस्या बताई। पीआईए के बृजेश अवस्थी ने एलएमएल चौराहे से भौती ही बाईपास तक सड़क किनारे ग्रीन बेल्ट बनाए जाने की मांग की। जिस पर नगर निगम द्वारा बताया गया कि अगले कुछ समय में डेढ़ लाख पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने एलएमएल चौराहा पनकी से विजयनगर होते हुए रामादेवी तक महिला श्रमिकों व अन्य कर्मचारियों के लिए बस चलाने की बात कही। जिस पर अधिकारियों की ओर से बताया गया कि स्वीकृति प्राप्त हो गई है। बैठक में कहा गया कि बस शीघ्र से चलाया जाएगा।

जीएसटी बदलाव से नए निर्यात बाजार की ओर बढ़ा झुकाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उत्पादों की संभावित कीमतों पर असर तलाश रहे निर्यातक
- विदेशी बाजार में प्रतियोगिता के लिए हो सकते सहायक

02 सौ निर्यातकों को होगा सबसे अधिक लाभ

05 फीसदी तक कम हो सकेंगे उत्पाद के रेट

10 फीसदी तक घट सकते हैं कच्चे माल के रेट

03 देशों की बाजार में हो सकता है सबसे अधिक लाभ

अमृत विचार। जीएसटी के हाल ही में हुए बदलाव से निर्यातकों को उत्पादन लागत में कमी आंक रहे है। यह कमी निर्यातक 5 से 8 फीसदी के बीच मान कर चल रहे हैं। निर्यात विशेषज्ञों ने बताया कि यह कमी नए बाजार को तलाश रहे निर्यातकों के लिए संजीवनी साबित हो सकती है। इसकी वजह विदेशी बाजार में कोटेशन में कमी है। माना जा रहा है कि सिर्फ जीएसटी के परिवर्तन से विदेश में कुछ भारतीय उत्पाद 8 से 10 फीसदी तक सस्ते हो सकेंगे।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के स्लैब की संख्या घटने के बाद निर्यातक भी उसका आंकलन करने में जुट गए हैं। वे मान कर चल रहे हैं कि रेट में परिवर्तन होने के बाद कई ऐसे उत्पादों के रेट में कमी होगी जो फिलहाल काफी अधिक है। इससे निर्यात होने वाले उत्पादों के कच्चा माल उन्हें कम कीमत में मिल सकेगा। कच्चे माल की कीमत घटने से निर्यात के लिए तैयार उत्पाद की कीमत भी कम होगी। इस घटी कीमत से वे अब उन विदेशी खरीदारों के सामने कम कीमत में निर्यात उत्पाद के रेट कोट कर सकेंगे जहां पर फिलहाल अधिकतम 5 फीसदी रेट से पिछड़ रहे थे। इसके अलावा अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बाद नई विदेशी मार्केट तलाश रहे निर्यातक भी नए बाजार में कम रेट पर अपने भारतीय उत्पादों को प्रदर्शित कर सकेंगे। इससे टैरिफ की वजह से निर्यातकों को होने वाला घाटा काफी हद तक कम होने की संभावना निर्यात विशेषज्ञ जता रहे हैं। पूरे मामले पर फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि जीएसटी का सीधा असर उपभोग करने वाले उत्पादों की मैन्युफेक्चरिंग पर पड़ेगा। कई ऐसे प्रोडक्ट है जिनके रेट जीएसटी के नए स्लैब में कम हुए हैं। यह कमी विदेशी बाजार में भी उत्पादों में दिखेगी। टैरिफ के बाद वैश्विक बाजार में बदलाव से जीएसटी के नए स्लैब काफी हद तक निर्यातकों की सहायता करेंगे।

यूरोप, जापान में प्रतियोगिता

- प्रोडक्ट कॉस्ट कम होने से निर्यातकों को कई देशों में लाभ हो सकेगा। सबसे अधिक लाभ उन देशों के खरीदारों के साथ मोलभाव में होगा जहां पर बहुत कम मार्जिन में निर्यात कारोबार माना जाता है। इनमें मिडिल ईस्ट, जापान व यूरोप के बाजार में निर्यातकों को सबसे अधिक लाभ होना माना जा रहा है। निर्यात विशेषज्ञों की माने तो इन बाजारों में निर्यातकों की कोटेशन में छोटा मार्जिन भी ऑर्डर दिलाने व हाथ से ऑर्डर निकालने में अपनी भूमिका निभाता है।

छोटे निर्यातकों को फायदा होगा

- जीएसटी के रेट में कमी से ऐसे निर्यातक जो शहर से गैर पारंपरिक उत्पादों का निर्यात करते हैं उन्हें सबसे अधिक लाभ हासिल हो सकेगा। इसके अलावा खासतौर पर टैक्सटाइल, लेदर से जुड़े कच्चा माल, मशीनरी आइटम के पार्ट्स सहित अन्य उत्पादों जैसे कच्चे माल में कमी निर्यातक जीएसटी की कमी मान रहे हैं। ऐसे में शहर के लगभग 2 सौ निर्यातकों को जीएसटी का लाभ विदेशी बाजार में हो सकेगा।

पारस हॉस्पिटल में जानकारी देते डॉ. एसके शर्मा व डॉ. सत्यम श्रीवास्तव, साथ में महिला मरीज। अमृत विचार

गंभीर सार्कोमा ट्यूमर का किया ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ढाई लाख रुपये में रेडियोथेरेपी के साथ की गई ट्यूमर निकालने की सर्जरी

अमृत विचार। पारस हेल्थ, कानपुर ने दुर्लभ कैंसर सर्जरी में इंट्रा ऑपरेटिव रेडियोथेरेपी का इस्तेमाल कर महिला को न सिर्फ दर्द से राहत दी, बल्कि से दो ढाई किलो का ट्यूमर निकालकर जीवन बचाया। हॉस्पिटल की एडवांस्ड मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम ने आक्रामक रेट्रोपेरिटोनियल सार्कोमा का सफल ऑपरेशन कर ऑन्कोलॉजी के नए दौर की शुरुआत की।

सनिगवां स्थित कांशीराम कॉलोनी निवासी 49 वर्षीय महिला के पेट में करीब एक वर्ष से दर्द की समस्या थी, जिसके इलाज के लिए वह 24 जुलाई को पारस हॉस्पिटल पहुंचीं। जांच में पेट में किडनी के पीछे ट्यूमर की जानकारी हुई। यूरोलॉजी एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. सत्यम श्रीवास्तव ने बताया कि ट्यूमर खून की नसों और अंगों के बीच था। 30 जुलाई को आयुष्मान योजना से कवर महिला का ऑपरेशन किया गया। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, सीनियर कंसल्टेंट डॉ. कुश पाठक ने कहा कि रेट्रोपेरिटोनियल सार्कोमा अक्सर दोबारा हो जाता है, इसलिए इंट्रा ऑपरेटिव रेडियोथेरेपी करके ऑपरेशन के दौरान ही ट्यूमर वाली जगह को सीधा और सटीक तरीके से इलाज किया गया। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, डायरेक्टर डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि सर्जरी के दौरान ही रेडिएशन देने से मरीज को बार-बार अलग से सेशन नहीं करवाने पड़े और आसपास के स्वस्थ टिश्यू भी सुरक्षित हैं।

यह तरीका न सिर्फ इलाज के नतीजे बेहतर बनाता है, बल्कि मरीज की रिकवरी भी तेज करता है, डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा बहुत ही दुर्लभ हैं और यह सभी वयस्क कैंसर के सिर्फ 1 से 2 फीसदी मामले ही ऐसे होते हैं।

भाजपा कार्यालय बन गया, 100 बेड का हॉस्पिटल नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- समाजवादी युवजन सभा ने हॉस्पिटल के गेट के बाहर दिया धरना

अमृत विचार। नौबस्ता स्थित 100 बेड के अस्पताल का संचालन अभी तक भी शुरू नहीं हो सका है, जिसकी वजह से दक्षिण क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए हैलट, कार्डियोलॉजी, उर्सला, डफरिन व कांशीराम अस्पताल लंबी दूरी तय कर जाना पड़ रहा है।

रास्ते में लगने वाले जाम की वजह से कई मरीजों की जान आफत में फंस जाती है। इस 100 बेड वाले हॉस्पिटल के उद्घाटन में देरी से नाराज समाजवादी युवजन सभा अध्यक्ष अर्पित त्रिवेदी ने कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार को हॉस्पिटल के गेट के बाहर धरना दिया। धरना-प्रदर्शन के बाद राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन नौबस्ता इंस्पेक्टर राजीव सिंह को दिया। सपाइयों ने कहा कि नौबस्ता, केशव नगर में 100 बेड हॉस्पिटल का निर्माण होने के बाद कई माह से लोकार्पण के इंतजार में है। लेकिन भाजपा सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। अर्पित त्रिवेदी ने कहा कि इस हॉस्पिटल के ठीक बगल में यदि भाजपा कार्यालय इतनी तेजी से बन सकता है तो हॉस्पिटल क्यों नहीं शुरू हो सकता।

मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के शहर आने पर हर बार जनता इंतजार करती है कि शायद इस बार लोकार्पण हो जाएगा, लेकिन कार्य न पूरा हो पाने व उपकरण न होने का बहाना बनाकर हॉस्पिटल का लोकार्पण नहीं किया जा रहा है। हॉस्पिटल के संचालन से बर्रा, नौबस्ता, जरौली, गुजैनी, बिधनू, घाटमपुर, हमीपुर, फतेहपुर व बांदा समेत अन्य क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा और कई मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

क्योंकि कई बार दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति त्वरित इलाज न मिलने से दम तोड़ देते हैं या प्राइवेट अस्पतालों के जाल में फंसकर कर्ज में डूब जाते हैं। धरना प्रदर्शन में अजय श्रीवास्तव, केशव यादव,अनुराग पांडेय, केकेमिश्रा, मो.कासिद, विनोद यादव, आलेख सिंह, शिव राजपूत, हर्षित तिवारी, निकेश चौधरी, अभिषेक रावत, मुकेश गुप्ता, शनि सागर, सत्यम ठाकुर, कुमार, मोनू विश्वकर्मा, रोहित सुनील पांडेय, सत्यम त्रिवेदी, प्रवीण पांडेय, अंकुर उत्तम, सुकांत शर्मा, नीरज गुप्ता, आदर्श यादव, आदर्श राठौर, दिव्यांश शर्मा, जय कुमार, हर्ष मिश्रा, सिद्धार्थ यादव, अमन दुबे, गोलू दुबे, हिमांशु कश्यप व आशू आदि लोग रहे।

नौबस्ता 100 बेड हॉस्पिटल के बाहर धरना प्रदर्शन करते समाजवादी युवजन सभा के अध्यक्ष व कार्यकर्ता। अमृत विचार

पार्षद जी की जयंती मनाई

कानपुर। श्याम लाल गुप्ता (पार्षद) की 129वीं जयंती मनाई गई। जयंती पर वैश्य समाज कानपुर की ओर से एक पदयात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा घंटाघर भारत माता मंदिर से फूलबाग स्थित उनकी प्रतिमा तक गई। पदयात्रा का नेतृत्व विनोद गुप्ता, विजय गुप्ता, शेष नारायण त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम संयोजक विनोद गुप्ता ने बताया कि पार्षद श्याम लाल गुप्ता ने अपनी रचनाओं से देश और समाज में राष्ट्र भक्ति का जो संचार किया वह संपूर्ण राष्ट्र की प्रेरणा बना है। यात्रा में प्रमुख रूप से विद्यासागर गुप्ता, राज्य महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता, श्याम लाल के सुपौत्र सौरभ गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, शीबू गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे। • अमृत विचार

नगर निगम व केडीए के फीडबैक बदतर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईजीआरएस प्रकरणों में बरती जा रही लापरवाही, डीएम ने अधिकारियों को लगाई फटकार

1086 फीडबैक में से 563 असंतुष्ट पाए गए

360 मामलों में फोन पर संपर्क तक नहीं किया

491 मामलों में कोई मौके पर नहीं गया

71 केस में 61 असंतुष्ट मिले केडीए वीसी के

अमृत विचार। नगर निगम में एक सितंबर से लेकर आठ सितंबर तक आईजीआरएस में 1086 फीडबैक प्राप्त हुए, जिनमें से 563 असंतुष्ट पाए गए। 491 मामलों में शिकायतकर्ताओं ने बताया कि कोई अधिकारी मौके पर नहीं गया, जबकि 360 मामलों में किसी ने फोन पर भी संपर्क करना जरूरी नहीं समझा, जिसकी जानकारी होने पर जिलाधिकारी ने मंगलवार को नाराजगी व्यक्त की और कार्यों में तत्परता दिखाते हुए सभी शिकायतों का समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिया। केडीए उपाध्यक्ष के 71 प्रकरणों में 61 असंतुष्ट मिले।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को सितंबर माह में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्हें असंतुष्ट फीडबैक की संख्या अधिक मिली। बिना मौके पर गए अधिकारियों ने मामले में रिपोर्ट तक लगा दी और कुछ ने तो शिकायतकर्ताओं से संपर्क तक नहीं किया, जिसपर उन्होंने काफी नाराजगी व्यक्त की। कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी व कार्यालयाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि आईजीआरएस प्रकरणों का निस्तारण शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक हो। प्रत्येक प्रकरण में भौतिक सत्यापन के बाद ही निर्धारित प्रारूप पर आख्या भेजी जाए। शिकायतकर्ता से वार्ता करना अनिवार्य है और निर्धारित समय सीमा का पालन हर हाल में हो। अन्यथा, शासन को कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। निर्देश दिए कि कार्यालयाध्यक्ष स्वयं आईजीआरएस की आख्या देखें, इसे किसी निचले स्तर के कार्मिक पर न छोड़ा जाए। रिपोर्ट के साथ मौके की जीपीएस युक्त तस्वीर अवश्य संलग्न की जाए। शिकायतकर्ताओं से फोन पर संपर्क कर वास्तविक प्रगति से अवगत कराना और उन्हें संतुष्ट करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तय है।

इन विभागों में मिले कई असंतुष्ट फीडबैक

- विद्युत के अधिशासी अभियंता से से जुड़े 345 प्रकरणों पर 153 असंतुष्ट फीडबैक मिले। इनमें 115 शिकायतकर्ताओं से संपर्क नहीं किया गया और 174 में मौके का मुआयना नहीं हुआ। अधिशासी अभियंता जलकर के 343 प्रकरणों पर 122 असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुए। अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के 108 प्रकरणों में 64 असंतुष्ट पाए गए। सचिव, कानपुर शहर के 112 प्रकरणों में 92 असंतुष्ट रहे। उपाध्यक्ष केडीए के 71 प्रकरणों में 61 असंतुष्ट और तहसीलदार, राजस्व एवं आबकारी विभाग बिल्हौर के 71 में से 48 फीडबैक असंतुष्ट रहे।

कारोबार

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में लेदर सेक्टर उत्साहित, एक हजार करोड़ के ऑर्डर मिलने की उम्मीद

रूस के कंट्री पार्टनर बनने से बढ़ेंगे लेदर के ऑर्डर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

05 दिन तक चलेगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

25 सौ एग्जिबिटर्स इस बार होंगे शामिल

05 सौ से अधिक विदेशी खरीदार होंगे शामिल

70 देशों के खरीदार ट्रेड शो में होंगे शामिल

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार रूस कंट्री पार्टनर के रूप में शामिल हो रहा है। इससे शहर के निर्यातक उत्साहित हैं। माना जा रहा है कि रूस के शामिल होने से इस बार शहर को लगभग एक हजार करोड़ के चमड़े के उत्पादों के ऑर्डर मिल सकते हैं। शहर के निर्यातकों का बेकरी व एग्रो जैसे नए उत्पादों का निर्यात भी बढ़ेगा।

ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो आयोजित होने जा रहा है। ट्रेड शो में इस बार कंट्री पार्टनर के रूप में रूस शामिल हो रहा है। पिछले ट्रेड शो से अलग इस बार कंट्री पार्टनर के रूप में बड़े खरीदार देश के शामिल होने से शहर को ऑर्डर मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। पिछले ट्रेड शो में वियतनाम के कंट्री पार्टनर के रूप में शामिल होने से ट्रेड शो में लगभग 5 सौ करोड़ के ऑर्डर निर्यातकों की झोली में आए थे। इस बार यह ऑर्डर दोगुने होने की उम्मीद जताई जा रही है। रूस के शामिल होने से लेदर सेक्टर को सबसे अधिक सिक्योरिटी प्रोडक्ट जैसे जूते, एपरेन, ग्लब्स जैसे प्रोडक्ट को खास ऑर्डर की श्रेणी में निर्यातक मान कर चल रहे हैं। इसी तरह बेकरी प्रोडक्ट में मिलेट्स के बिस्किट, कुकीज जैसे प्रोडक्ट को भी ट्रेड शो में चमकने की उम्मीद जताई जा रही है। सना इंटरप्राइजेज के निदेशक डॉ. जफर नफीस ने बताया कि रूस एक बड़ा बाजार है। ट्रेड शो में उसके कंट्री पार्टनर के रूप में शामिल होने से यहां के निर्यातकों को वहां की बाजार में टिकने का अच्छा मौका मिल सकता है। हम लोग उम्मीद जता रहे हैं कि इस बार पिछले साल की तुलना में अधिक निर्यात हो सकेगा।

टैरिफ के बाद महत्वपूर्ण

- अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बाद इस बार प्रदेश के लिए यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को निर्यातक बड़ा मौका मानकर चल रहे हैं। उनका मानना है कि जब निर्यातक अमेरिका से टूटी मार्केट की भरपाई के लिए दूसरे देशों की ओर के खरीदारों को तलाश रहे हैं ऐसे में अन्य देशों के साथ रूस के खरीदार खुद प्रोडक्ट की तलाश में ट्रेड शो में शामिल होने आ रहे हैं।

अगरबत्ती उद्योग में कई संभावनाएं

कानपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति व जनजाति हब द्वारा एरोमा और हर्बल उत्पाद पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। अनुसूचित जाति के 40 प्रतिभागी शहर व आसपास के जिलों के विद्यार्थी व महिलाएं आदि भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दूसरे दिन सुगंध एवं सुरस विकास केंद्र प्रभारी डॉ. भक्ति विजय शुक्ला ने बताया कि अगरबत्ती उद्योग में क्या-क्या संभावनाएं हैं। नितिन सहेजी ने अगरबत्ती, धूप कोन और कोटेड अगरबत्ती को सुगंधि करने का तरीका बताया। प्रतिभागी सुचिता अवस्थी व सुनील अवस्थी द्वारा संचालित गोपाल नगर स्थित एस ऐ इंडस्ट्रीज में अगरबत्ती उद्योग देखने गए। इस दौरान शशि शर्मा, कंचन पांडेय, जय कुमार सिंह भदौरिया, त्रिलोकी सैनी, अंकित प्रजापति, गुड़िया, शकुंतला, दीप्ति कुरील, रूमा देवी, जीशु, प्रियांशी, हर्ष गौतम, प्रशांत कन्नौजिया, राहुल कुमार, सोनी देवी रहीं।

अगरबत्ती निर्माण देखती महिलाएं। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

कार्डियक पेसिंग के क्षेत्र में प्रगति

कानपुर । बड़ा चौराहा स्थित के-केयर हॉस्पिटल में बुधवार को दोपहर दो बजे एक गोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसमे कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.अमित कुमार हृदय गति नियंत्रण की नवीन तकनीक लेफ्ट बंडल ब्रांच एरिया पेसिंग विषय पर चर्चा करेंगे। क्योंकि यह तकनीक कार्डियक पेसिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति है, जो हृदय रोगियों के उपचार में नई संभावनाएं प्रस्तुत करती है।

विक्रांत को पहला स्थान

कानपुर । हिंदी विभाग, स्कूल ऑफ़ लैंग्वेजेज, सीएसजेएमयू में मंगलवार को हिंदी दिवस भाषा उत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान इंटर कॉलेजों व विश्वविद्यालय सहित कानपुर नगर देहात के महाविद्यालयों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजत हुई। इनमें वाद-विवाद, भाषण और स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिताओं ने युवाओं ने प्रतिभा दिखाई। इस दौरान वाद विवाद प्रतियोगिता में पहला स्थान हिमांशी, दूसरा स्थान निधि कश्यप व तीसरा स्थान रीतिका शुक्ला को हासिल हुआ। इसी तरह वाद विवाद प्रतियोगिता विपक्ष में प्रथम स्थान विक्रांत कुमार द्वितीय स्थान एकता तिवारी व तृतीय स्थान शिवम यादव को मिला।

महिला सशक्तिकरण पर मंथन

कानपुर । सीएसजेएमयू में महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक व प्रो. प्रो वीसी सुधीर कुमार अवस्थी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में उद्यमी डॉ. सुभाषिनी खन्ना और शिक्षाविद् बिंदु सिंह ने वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण, मूल्य आधारित शिक्षा, स्वस्थ जीवनशैली और सतत विकास पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. उर्वशी, शैलजा यादव, बुशरा, शेली पांडेय, ईशा त्रिपाठी और डॉ. अनुराधा शर्मा भी उपस्थित रहीं।

बीएड में 110 सीटों पर प्रवेश शुरू

कानपुर । सीएसजेएमयू के शिक्षा विभाग में यूपी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 में भागीदारी किए हुए छात्रों के लिए बीएड की डिग्री के लिए प्रवेश प्रारंभ कर दिए हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि गोरे ने बताया कि जिन छात्रों ने यूपीबी एड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 में भागीदारी की है और काउंसलिंग के लिए एलिजिबल हैं, वे काउंसलिंग द्वारा अथवा सीधे प्रवेश (कॉलेज कोड SK 5189) के माध्यम से प्रवेश ले सकते है। विभाग में बी.एड. के छात्रों के लिए 110 सीटे हैं।

विशेष व्याख्यान हुआ

कानपुर । सीएसजेएमयू की ओर से 'डिसेबिलिटी स्टडीज़' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. सुमना बिस्वास, डॉ. ऋचा वर्मा, डॉ. ऋचा शुक्ला, डॉ. शालिनी शुक्ला व डॉ. प्रभात गौरव मिश्रा ने विचार व्यक्त किए। मुख्य व्याख्यान प्रो. सोमेश्वर सती द्वारा प्रस्तुत किया गया।

समाचार पत्र वितरक की मां का निधन

कानपुर । सर्वोदय नगर डिपो के वरिष्ठ समाचार पत्र वितरक एवं समाचार पत्र विक्रेता सभा के संगठन मंत्री राजेश कुशवाहा की 72 वर्षीय माता सरोजनी देवी का मंगलवार प्रात: 10 बजे लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भैरव घाट पर हुआ। यात्रा में भारी संख्या में पत्र वितरक व समाचार पत्रों के अधिकारी पहुंचे और नम आंखों से अंतिम विदाई दी। सरोजनी देवी अपने पीछे पुत्र राजेश कुशवाहा व नन्दू कुशवाहा का भरापूरा परिवार छोड़ गईं हैं।

ऑटोमोटिव साइबर सुरक्षा और होगी मजबूत

आईआईटी कानपुर का सीथ्रीआई हब और एआरएआई मिलकर करेंगे काम, ऑटोमोटिव साइबर सुरक्षा में रिसर्च-नवाचार बढ़ेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार । आईआईटी कानपुर का सीथ्रीआई हब (साइबर सुरक्षा टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब) और एआरएआई मिलकर साइबर सुरक्षा के लिए काम करेंगे। इस समझौते से ऑटोमोटिव साइबर सुरक्षा और अधिक मज़बूत हो सकेगी। समझौते का उद्देश्य ऑटोमोटिव साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देना है।

समझौता दिखाते आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो मणींद्र अग्रवाल आदि। अमृत विचार

यह समझौता निदेशक एआरएआई के निदेशक डॉ. रेजी मथाई और आईआईटी कानपुर के डीन आरएंडडी प्रो. तरुण गुप्ता व सीथ्रीआई हब की सीईओ डॉ. तनीमा हाजरा ने साइन किया। इस दौरान आईआईटी के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल भी मौजूद रहे। एमओयू को साइन करते हुए बताया गया कि यह रणनीतिक सहयोग तेजी से बढ़ती कनेक्टेड और ऑटोनॉमस व्हीकल्स की दुनिया में, सुरक्षित और टिकाऊ मोबिलिटी सिस्टम विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि आज की ऑटोमोबाइल तकनीक सॉफ्टवेयर-आधारित होती जा रही है, और ऐसे में साइबर सुरक्षा एक अहम स्तंभ बन गई है। एआरएआई के साथ यह साझेदारी हमें संयुक्त रूप से समाधान विकसित करने और ऑटोमोटिव सुरक्षा अनुसंधान में क्षमता निर्माण का अवसर देगी।

एआरएआई की निदेशक डॉ. रेजी माथाई ने कहा कि एआरएआई हमेशा मोबिलिटी और सुरक्षा में नई तकनीकों को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। आईआईटी कानपुर और सीथ्रीआई हब के साथ यह साझेदारी हमारे संयुक्त अनुभव और विशेषज्ञता को एकजुट कर भविष्य के लिए सुरक्षित और सतत ऑटोमोटिव समाधान विकसित करने में मदद करेगी।

एचबीटीयू और आईटीएस में समझौता किया गया। अमृत विचार

एचबीटीयू ने किया आईटीएस से एमओयू

कानपुर । हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर और इंडियन थिंकर्स सोसाइटी (आईटीएस) के बीच एमओयू हुआ। इस एमओयू पर कुलसचिव एचबीटीयू अमित कुमार राठौर और इंडियन थिंकर्स सोसाइटी के महासचिव उमेश दीक्षित ने हस्ताक्षर किए। बताया गया कि एमओयू का उद्देश्य एचबीटीयू और आईटीएस के बीच संबंधों को मजबूत करना है। एचबीटीयू के 1987 बैच के पूर्व छात्र विवेक मिश्र ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। कुलपति प्रोफेसर समशेर ने इस पहल का स्वागत किया और उद्योगपतियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय समाज के लिए एक सशक्त माध्यम है और सभी सुविधाएं सहयोग के आधार पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्टेशन पर चला विशेष टिकट चेकिंग अभियान

कानपुर । सेंट्रल स्टेशन में दो सितंबर से आठ सितंबर तक एक सप्ताह का विशेष टिकट चेकिंग और फीडबैक अभियान चलाया गया, जिसमे छह कर्मचारियों की टीम को शिफ्टवार 24 घंटे तैनात किया गया और उन्होंने यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं की गहन समीक्षा की। 174 यात्रियों से प्रत्यक्ष फीडबैक लिया। यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण खानपान, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया। चेकिंग के दौरान अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की गई। ओवर चार्जिंग के छह मामले पकड़े गए। 36 अवैध वेंडरों को स्टेशन व ट्रेनों में खाद्य सामग्री बेचते हुए पकड़ा गया, जिन्हें राजकीय रेलवे पुलिस को सौंपा गया।

खानपान स्टॉलों पर पाई गई अनियमितताओं पर भी जुर्माना लगाया गया। साथ ही बिना टिकट, अनियमित यात्रा करने वालों व गंदगी फैलाने वालों से 91,730 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों ने कहा कि फीडबैक के आधार पर सुधार किए जाएंगे।

मेधावी बच्चों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

मेधावियों को किया गया सम्मानित

कानपुर। ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज सतबरी रोड, न्यू आजाद नगर में मेधावी छात्र अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्लास्टि पैक लिमिटेड के निदेशक मनोज अग्रवाल ने विद्यालय की आंतरिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघ चालक कानपुर विभाग डा. श्यामबाबू गुप्त रहे। ओंकारेश्वर ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. अंगद सिंह ने युवाओं को लक्ष्य निर्धारण का मंत्र दिया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. श्याम दत्त जोशी, निदेशक संतराम द्विवेदी, प्रबंधक कैलाश नारायण शर्मा, डॉ ममता तिवारी, महेंद्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

निजी कॉलेज ले रहे मनमाना फाइन, अवैध वसूली रोकें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार । छात्र संघ बहाली मोर्चा ने मंगलवार को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान छात्रों ने आरोप लगाया कि शहर के अधिकांश निजी शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों से विभिन्न प्रकार से अवैध वसूली की जा रही है। छात्रों पर अनावश्यक फाइन (दंड) लगाया जाता है। छात्रों ने वसूली को बंद किए जाने की मांग की है।

जिलाधिकारी को ज्ञापन देते छात्र।

जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में छात्रों ने बताया कि अधिकतर कॉलेजों में मनमानी वसूली की जा रही है। विरोध पर परीक्षा से रोकने की धमकी दी जाती है। जब कोई छात्र इस भ्रष्टाचार अथवा अवैध व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसके साथ मानसिक, शारीरिक व आर्थिक उत्पीड़न किया जाता है। यहां तक कि उसको संस्थान से निष्कासित तक कर दिया जाता है। छात्रों ने कहा कि निजी शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों से फाइन या किसी भी प्रकार की जबरन धन-वसूली की प्रथा को तत्काल समाप्त किया जाए। इसके अलावा जिला प्रशासन/शासन की ओर से स्पष्ट गाइडलाइन जारी की जाए कि किसी भी संस्थान द्वारा छात्रों से अवैध शुल्क अथवा फाइन वसूलने का अधिकार नहीं होगा। ज्ञापन देने आए छात्रों को जिलाधिकारी ने ठोस कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। छात्रसंघ बहाली मोर्चा के प्रतिनिधियों में अभिजीत राय, अनस शाहू, शरद कनौजिया, पुष्पांशु सिंह, अंशुमान त्रिपाठी, सुधांशु यादव, श्रेयश द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

- छात्र संघ बहाली मोर्चा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

गर्ल्स इंटर कॉलेज में सामग्री बांटी

कानपुर । तिलक नगर स्थित नगर निगम गर्ल्स इंटर कॉलेज में जेसीआई ब्रह्मावर्त ने जेसीआई वीक 2025 के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया। 50 छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें, रजिस्टर, ड्रेस, जूते और फीस प्रायोजन प्रदान किया गया। अध्यक्ष तरुण सहगल ने कहा कि ऐसे उपक्रम ही जेसीआई की मूल भावना मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है को साकार करते हैं। इस दौरान सचिव कन्हैया अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नारायण लाहोटी, सौरभ गुप्ता, सौरभ अग्रवाल, विशाल जिंदल, डॉ. हेमंत मोहन, निखिल माहेश्वरी, नितेश माहेश्वरी, रवि गुप्ता, डॉ.आरती मोहन, प्रेर्णा सेहगल, पारुल अग्रवाल समेत आदि लोग रहे। अमृत विचार

शिक्षक बड़ी शक्तिः महापौर

कानपुर । विजय नगर स्थित सरस्वती बालिका विद्यालय इंटर कॉलेज में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्रधानाचार्य मधुर द्विवेदी ने किया। समारोह में महापौर प्रमिला पाण्डेय भी मौजूद रहीं। विद्यालय के डायरेक्टर श्याम निगम, वंदना निगम, वैभव निगम और हर्ष निगम ने कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम में शिक्षकों के धैर्य, समर्पण और विश्वास की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक ही वह शक्ति हैं, जिनकी प्रेरणा से छात्र विपरीत परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने और जीवन की चुनौतियों से लड़ने का साहस प्राप्त करते हैं।

कार्यक्रम में महापौर का सम्मान किया गया।

नई पहल

कानपुर में पर्यटन की काफी संभावनाएं, रचनात्मकता और नई सोच चाहिए

पर्यटन को बढ़ावा देगा सोसाइटी फॉर टूरिज्म डेवलपमेंट

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार । एकेडमिक, इंडस्ट्री एवं सोशल व्यक्तियों के संगम के साथ कानपुर में पर्यटन को नया स्वरूप देने के लिए सोसाइटी फॉर टूरिज्म डेवलपमेंट की शुरुआत हुई। इस दौरान मुख्य अतिथि मंडलायुक्त कानपुर के. विजेंद्र पांडियन भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि पर्यटन किसी भी शहर को विकसित, खुशहाल एवं नव स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कानपुर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं सिर्फ हमें रचनात्मकता एवं नई सोच चाहिए। मुख्य वक्ता चीफ कोऑर्डिनेटर डॉ सिधांशु राय ने कहा कि पर्यटन सिर्फ ऐतिहासिक पर्यटन तक सीमित नहीं है बल्कि अपने अनेक स्वरूपों जैसे पौराणिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, मेडिकल बिजनेस, आर्कियोलॉजिकल टूरिज्म इत्यादि के तहत शहर को विकसित करने में सक्षम है। चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल ने कहा कानपुर पर्यटन का एक ब्रोशर भी बनाया जाएगा जिसमें कानपुर की धरोहर उल्लिखित रहेगी। कानपुर की ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में दूसरे शहरों में भी व्यापक स्तर पर प्रचार – प्रसार की आवश्यकता है। अध्यक्ष मनोज भाटिया ने कहा बिठूर एवं भीतरगांव के मंदिर पर्यटन की धरोहर है हमें उनके आकर्षण को और बढ़ाना है जिससे घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक हमारे शहर में आ सकें। अन्य वक्ता ने कहा कि पर्यटक बढ़ेंगे तो शहर में कारोबार भी बढ़ेगा। इसलिए पर्यटन स्थलों का विकास और प्रचार , वहां तक आवागमन के सुगम साधन उपलब्ध हों यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में सोसाइटी फॉर टूरिज्म डेवलपमेंट में मुख्य समन्वयक डॉ सिधांशु राय, चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, अध्यक्ष मनोज भाटिया, सचिव सिमरनजीत सिंह एवं कोषाध्यक्ष रोचक रोहतगी नामित हुए। सह-अध्यक्ष के रूप में प्रभव पांडे, आनंद गुप्ता, पवन चड्ढा उपाध्यक्ष के रूप में अंगद सिंह सलूजा, संदीप कुशवाहा, शिखा शुक्ला, गोपाल द्विवेदी चुने गए।

कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारियों ने संस्था का पत्र दिखाया। अमृत विचार

कर्मचारियों का धरना जारी

कानपुर। एडब्लूईआईएल मुख्यालय में कर्मचारियों के ओटी एरियर की मांग पर चल रहा प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। धरने में कर्मचारियों ने दावा किया है कि जब तक मुख्यालय के द्वारा ओटीए का भुगतान नहीं किया जाता तब तक वे लोग संघर्ष जारी रखेंगे। एडब्लूईआईएल के द्वार सभा के दौरान कर्मचारियों ने नारे लगाते हुए ओटी एरियर की मांग की।

मुख्य रूप से महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष मुकेश सिंह, नगर संयोजक राम शंकर विश्वकर्मा, आशीष सिंह, बिमल पांडे, अनुपम बाजपाई, राहुल शर्मा, अमित सिंह, राम नारायन, भूपेंद्र यादव, वरुण मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरी पुत्री सान्या कश्यप का नाम आधार कार्ड में मिष्ठी कश्यप अंकित है अत: उसे मिष्ठी कश्यप के नाम से ही जाना जायें । **श्री अजीत कश्यप पुत्र स्व. लक्ष्मी नारायण, निवासी – 67/52 दौलतगंज कानपुर नगर**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, की मेरा नाम अंजनी पुत्र पवन कुमार था, मैने अपना नाम बदलकर आशुतोष कुमार सोनी पुत्र पवन कुमार सोनी निवासी ग्राम बराँव वि.खं. हलधरमऊ जिला गोंडा रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाय।

सूचना

मैं **अखिलेश जायसवाल पुत्र स्व0 श्रीराम जायसवाल निवासी ग्राम तवक्कलपुर नगरा पर0 अल्देमऊ, तह0 कादीपुर जन0 सुल्तानपुर** । मेरा बुलाने का नाम सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल है। जबकि लिखा–पढी, विद्यालय में व आधार कार्ड में मेरा नाम अखिलेश जायसवाल है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है। यहकि उक्त नाम अखिलेश जायसवाल उर्फ सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल अंकित किया जाय।

सूचना

मैंने अपना नाम HAKIM से बदल कर HAKIM CHAUDHARI SIDDIQUE रख लिया है अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना वा पहचाना जाए। S/O CHAUDHRI Resident:- VILL AND POST - LAUKAHI BAHRAICH 271871

सूचना

सुचित् किया जाता है कि RAM SEVAK s/o MEDHAI निवासी ग्राम खजूरी पोस्ट चिरा जनपद बाराबंकी का रहने वाला हूं अब मैं अपना नाम बदलकर RAMSEWAK रख लिया है अब मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मै **सृष्टि गुप्ता उर्फ महक पुत्री राजेंद्र कुमार निवासी विशुन खेड़ा अंबारा पश्चिम लालगंज रायबरेली** मेरी एल आईसी की पालिसी संख्या 215 501053 में मेरा बचपन का नाम महक दर्ज है जबकि मेरे समस्त प्रपत्र (अभिलेख) सृष्टि गुप्ता के नाम से हैं। मैं सृष्टि गुप्ता और महक दोनों नाम से जानी जाती हूं।

सूचना

मैं **शैलेश चन्द दीक्षित पुत्र आनंद स्वरूप दीक्षित निवासी ग्राम ठकुराइन खेड़ा मजरे व पोस्ट रहवा पर. व तह. सदर जिला रायबरेली** का निवासी हूं। गाटा संख्या 890/1.310हेक्टेयर से 30 वर्ग मीटर भूमि रहवां में खरीदा था जिसका मूल बैनामा समेत अन्य जमीन संबंधित दस्तावेज कहीं गिर गया है।

सूचना

मैं ने अपना नाम MOHAMMAD FAHEEM से बदलकर FAHEEM रख लिया है भविष्य में मुझे FAHEEM के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MOHAMMAD SHAMIM R/O 461/112, MURG KHANA NEAR BARGAD TREE HUSAINABAD, LUCKNOW

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पुत्र श्याम सुंदर उर्फ ननके, निवासी– मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज गोंडा दिनांक 21/04/2018 को अयोध्या में सरयू नदी में स्नान करते समय डूबकर लापता हो गए थे। आज तक कोई पता नहीं चल सका है। मृत्यु प्रमाणपत्र निर्गत हेतु यह सूचना प्रकाशित की जाती है। **राममूरत पुत्र रामफेर मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज (गोंडा)**

सूचना

सूचित हो कि **सुनील गुप्ता पुत्र श्री राम किशोर गुप्ता, निवासी– म.नं.– 38 बहरा सौदागर पश्चिमी थाना – कोतवाली शहर जनपद – हरदोई**, मेरी पुत्री आराध्या गुप्ता का नाम विद्यालय में दर्ज है जो गलत है। पुत्री का आधार कार्ड में नाम वरतिका गुप्ता है जो सही हैं। अत: मेरी पुत्री का नाम विद्यालय के अभिलेखो में आराध्या गुप्ता के स्थान पर वरतिका गुप्ता दर्ज किया जाये।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पति स्व. अनिल कुमार भारती, निवासी मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज, गोंडा, दिनांक 21/04/2018 को अयोध्या में सरयू नदी में स्नान करते समय डूबकर लापता हो गए थे, जिनका आज तक कोई पता नहीं चल सका है। मृत्यु प्रमाणपत्र निर्गत कराने हेतु यह सूचना प्रकाशित की जा रही है। **पूनम देवी पत्नी स्व. अनिल कुमार भारती, निवासी मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज, गोंडा।**

सूचना

सूच्य हो कि पत्राचार संस्थान इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद की मेरी बी ए प्रथम वर्ष सन 1996 और बी ए द्वितीय वर्ष सन 1997 इनरोलमेंट नंबर – सी 9525719 के दोनों अंकपत्र कहीं खो गए है। **विमलेश कुमारी पुत्री श्री शारदा प्रसाद शुक्ल ग्राम – भिटारी, पोस्ट – धनगढ़ जिला – प्रतापगढ़ वर्तमान पता – गायत्री नगर ऊंचाहार – रायबरेली**

सूचना

मैं गुंजन पाहूजा पुत्र मोहन लाल पाहूजा निवासी फ्लैट नं० 402, लंबा अपार्टमेन्ट, सिंगार नगर, आलमबाग, लखनऊ, यू०पी०। मेरे पुत्र के हाई स्कूल मार्कसीट व सार्टिफिकेट में त्रुटिवश से वास्तविक नाम KARTHIK PAHUJA अंकित है। जबकि सही व वास्तविक नाम KARTIK PAHUJA है। मार्कसीट व सार्टिफिकेट में सही नाम अंकित किया जाए।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पालिसी नंबर 219297769 में मेरा नाम विटाना पत्नी शमी अहमद दर्ज है जबकि अन्य अभिलेखों में मेरा नाम जुबेदा बानो पत्नी शमी अहमद है दोनों मेरे ही नाम हैं तथा दोनों नामों से मुझे जाना पहचाना जाता है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो एक माह में आपत्ति दर्ज करा सकता है। **विटाना उर्फ जुबेदा बानो पत्नी शमी अहमद निवासी भोंका करनैलगंज गोंडा यूपी, पिन 271502 मो. 9792375513**

सूचना

मैं **शब्बीर हसन पुत्र वजीर हसन निवासी–91, चौधरी मोहल्ला, कस्बा काकोरी, लखनऊ** का हूँ मेरे आधार कार्ड में दर्शित नाम मोहम्मद दाबू (MOHA IMAD DABU) मेरा उपनाम है, जो आधार कार्ड में त्रुटिवश अंकित हो गया है। मेरे पहचान पत्र में दर्शित नाम शब्बीर हसन (SHABEER HASAN) मेरा वास्तविक नाम है। इस प्रकार उपरोक्त वर्णित दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे ही है। अत: मेरे आधार कार्ड में दर्शित त्रुटिवश नाम मोहम्मद दाबू को संशोधित कर मेरा वास्तविक नाम शब्बीर हसन दर्ज किया जाय।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, अलोक तिवारी निवासी – प्लाट न. 2, अपोजिट सेंट मेरी हॉस्पिटल थाना– गुडम्बा, पोस्ट– स्पोर्ट कालेज, गौराबाग, कुर्सीरोड, लखनऊ, मेरी पुत्री मेघना तिवारी, कक्षा 9 'F', Sr.No-90&49, लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सहारा स्टेट्स की विद्यालय अभिलेख में दर्ज जन्मतिथि 20/05/2010 त्रुटिवश अंकित हो गई थी। मेरी पुत्री की सही जन्मतिथि 20/05/2012 है। जो कि मेघना तिवारी के आधार व नगरनिगम जन्मतिथि प्रमाण पत्र में अंकित हैं, भविष्य में सभी अभिलेखों एवं दस्तावेजों में यही जन्मतिथि मान्य होगी।

न्यूज ब्रीफ

युवती का फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव। मौरावां थानाक्षेत्र के जेरा गांव निवासी मीनाक्षी उर्फ प्रीशू (20) पुत्री स्व. सुखदेव के माता-पिता की मौत हो चुकी है। बहनों की शादी के बाद से वह चचेरे भाई परवेश के साथ घर में रहती थी। मंगलवार को उसका शव घर में चुनरी के फंदे से लटका मिला। जानकारी पर उसकी विवाहित बहने पहुंचीं और शव देख बेहाल हो गईं। पुरवा कोतवाली के पाठकपुर गांव निवासी बहनोई रवि शंकर की सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

जागरूकता कार्यक्रम में उद्योग संबंधी लें जानकारी

उन्नाव। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि उप्र खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 11 सितम्बर को प्रातः 11 बजे से सदर तहसील व ब्लाक सिकंदरपुर सरोसी में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होना है। कार्यक्रम में संबंधित ब्लाक क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार महिलायें व पुरुष पहुंचकर जानकारी ले सकते है। जागरूकता शिविर में उद्योग लगाने व उद्योग सबंधी जानकारी दी जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी विकासखंड कार्यालय सिकन्दरपुर सरोसी में प्रतिभाग कर सकते हैं। जिससे उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी मिल सके।

कथा सुन भावविभोर हुये श्रोता

शुक्लागंज। श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर पोनी रोड में पितृपक्ष के तीसरे दिन श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कथा का वाचन सम्पूर्णानन्द व्यास महाराज ने किया। उन्होंने अपने प्रवचन में ध्रुव, ऋषभनन्द भरत, अजामिल और भक्त प्रहलाद की जीवन कथाओं का विस्तार से वर्णन किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के संस्थापक कमल दोसर व मीना दोसर सहित प्रबंधक प्रसून दोसर, संगीता दोसर, पवन, शिल्पी, लक्ष्मी गुप्ता, शंशाक, प्रिया, निशा दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विवेकानंद यूथ अवार्ड के लिये खुले आवेदन

उन्नाव। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग द्वारा विवेकानंद यूथ एवार्ड से युवाओं को पुरस्कृत किया जाना है। सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले जिले के श्रेष्ठतम जिनकी आयु 15 से 35 वर्ष है और वे बीत 3 वर्षों (1 अप्रैल 22 से 31 मार्च 25 तक) राष्ट्रीय एवं सामाजिक सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य व अन्य सराहनीय कार्य करने के साक्ष्य फोटोग्राफ्स, पेपर कटिंग, प्रमाणपत्र आदि को संकलित कर बुकलेट में अपना आवेदन जिला युवा कल्याण एवं प्राविद कार्यालय कमरा नं-64 प्रथम तल विकास भवन में जमा कर सकते हैं। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी अनिल तिवारी ने कहा कि चयनित युवाओं को राज्य स्तर पर 1 बार ही विवेकानंद यूथ एवार्ड (व्यक्तिगत श्रेणी) दिया जायेगा।

महिला ने मायके में की आत्महत्या

अंजू (फाइल फोटो)।

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के हिन्दूखेड़ा गांव निवासी अंजू गौतम (20) पुत्री स्व. मुन्नीलाल की इंस्टाग्राम के माध्यम से हमीरपुर जिला निवासी ईंट भट्ठा में काम करने वाले दीपक से दोस्ती हो गई। इसके बाद दोनों में नजदीकी बढ़ी और उन्होंने घर वालों की मर्जी के विरुद्ध प्रेम विवाह कर लिया। इसके बाद से अंजू दीपक के साथ हमीरपुर चली गई। बीते शनिवार को वह पति के साथ मायके आई थी। परिजनों का आरोप है कि दीपक व अंजू में कहासुनी हुई थी। सोमवार को अंजू मायके में अकेली थी। तभी उसने दुपट्टे के फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक तहरीर मिलती है तो जांच के आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आनंद नगर में पुरानी ईंट लगाने पर भड़के लोग

शुक्लागंज। अमृत योजना के तहत आनंद नगर में बिछाई गई भूमिगत पाइपलाइन के बाद टूटी सड़कों का निर्माण कार्य अब विवादों में घिर गया है। मंगलवार को कार्यदायी संस्था का ठेकेदार खोदी गई गली में पुरानी इंटरलॉकिंग ईंटें लगाने पहुंचा तो क्षेत्रीय लोगों ने आपत्ति जताई। वार्ड 26 के सभासद प्रत्यय गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर ठेकेदार से सवाल किए और पुरानी ईंट लगाने का विरोध किया। संस्था के सुपरवाइजर प्रेम शुक्ला मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गलती से पुरानी ईंट लगाई जा रही थी। अब ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि खोदी गई गलियों में नई ईंट ही लगाई जाए। बुधवार से नई ईंटों के साथ काम शुरू कर दिया जाएगा।

नकाबपोशों ने दिनदहाड़े महिलाओं को बंधक बना लूटे लाखों रुपये

गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की ब्रह्म नगर डॉकतार कॉलोनी में हुई वारदात

10 लाख नकद, 20 लाख के जेवर व लाइसेंसी रिवॉल्वर ले गए लुटेरे

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बालूघाट चौकी अंतर्गत ब्रह्म नगर डॉकतार कॉलोनी मंगलवार को सनसनीखेज वारदात हुई। दोपहर साढ़े 12 बजे तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर मकान मालिक की पत्नी व किरायेदार महिला को बंधक बनाकर जमकर लूटपाट की। बदमाशों ने महिलाओं से मारपीट कर उन्हें रस्सियों से बांध दिया और मुंह पर टेप चिपकाकर डराया-धमकाया। लुटेरे घर में रखे लाखों रुपये, जेवर व एक लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी पर इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

घटनास्थल पर जाते एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह। अमृत विचार

सीसीटीवी फुटेज खंगालती गंगाघाट पुलिस। अमृत विचार

सीता शुक्ला।

रतना। अमृत विचार

ब्रह्म नगर डॉकतार कॉलोनी बमबम चौराहा निवासी राकेश शुक्ला कानपुर में वारदाना कारोबारी हैं। घटना के समय वह कानपुर के टाटमिल स्थित दुकान पर थे। बेटी खुशी अकरमपुर स्थित स्कूल गई थी। दूसरा किरायेदार जितेंद्र भी अपने काम से बाहर गया हुआ था। घर पर उनकी पत्नी सीता शुक्ला और किरायेदार रतना चौरसिया मौजूद थीं। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तीन नकाबपोश बदमाश घर के दरवाजे पर पहुंचे और पानी मांगने के बहाने दरवाजा खुलवाया। जैसे ही किरायेदार रतना ने दरवाजा खोला, बदमाश अंदर घुस आए और उसका मुंह दबाकर किचन में ले गए। उन्होंने उसके हाथ-पैर दुपट्टे से बांध दिए और मुंह पर टेप चिपका दिया। इसके बाद लुटेरे ऊपर मंजिल पर पहुंचे, जहां सीता शुक्ला मौजूद थीं। विरोध करने पर बदमाशों ने उन्हें बेरहमी से पीटा। हाथ पर दांतों से काट लिया, उनके दो दांत टूट गए और होंठ फट गए। बदमाशों ने उनका गला दबाने की भी कोशिश की और फिर रस्सी से बांधकर मुंह पर टेप चिपका दिया। इसके बाद उन्हें स्टोर रूम में फेंक दिया गया। लुटेरे बक्सों और आलमारी में रखे करीब दस लाख की नकदी, बीस लाख के जेवर और लाइसेंसी रिवॉल्वर उठा ले गए। जाते-जाते बदमाशों ने सीता का मुंह खोलते हुए कहा-चाची, अब आराम से सो जाओ। कुछ देर बाद सीता ने बड़ी मशक्कत से बंधन खोला और शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाल अजय सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और घटना की जानकारी आलाधिकारियों को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। घटना की सूचना फैलते ही पूरे दहशत का माहौल बन गया। मोहल्ले वासियों का कहना है कि दिनदहाड़े हुई वारदात ने सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आसपास के सीसीटीवी में मिले सुराग

पुलिस ने आसपास के घरों और दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। एक फुटेज में तीन संदिग्धों को बाइक से जाते हुए देखा गया है। पुलिस इन संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

लुटेरों ने सीसीटीवी की डीवीआर गायब की

घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात कैद हो गई थी। लेकिन लुटेरे जाते-जाते कैमरे का डीवीआर भी उठा ले गए, ताकि पुलिस को कोई पुख्ता सबूत न मिल सके। पुलिस आसपास के कैमरों से फुटेज के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

एसपी ने लिया घटना स्थल का जायजा

वारदात की सूचना पर एएसपी अखिलेश सिंह, सीओ सिटी दीपक यादव व दही थाना प्रभारी अवनीश सिंह मौके पर पहुंचे। शाम को एसपी दीपक भूकर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित महिलाओं से पूछताछ की। अधिकारियों ने घटनाक्रम की बारीकी से जानकारी लेकर पुलिस टीमों को सक्रिय किया।

लुटेरों की तलाश में बनीं पांच टीमें

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पांच टीमों का गठन किया है। टीमों को सीसीटीवी फुटेज खंगालने, संदिग्धों से पूछताछ करने और अपराधियों के ठिकानों पर दबिश देने का जिम्मा सौंपा गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही लुटेरों को पकड़ लिया जाएगा।

घर पर अकेले होने की जानकारी पहले से थी

पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि बदमाशों को पहले से मालूम था कि उस समय घर पर केवल महिलाएं मौजूद थीं। घटना के कुछ घंटे पहले मकान मालिक के एक पुराने परिचित ने फोन कर किरायेदार से घर में मौजूद लोगों की जानकारी ली थी। पुलिस इस एंगल पर भी गंभीरता से जांच कर रही है।

पुलिसिंग पर सवाल

दिनदहाड़े हुई इस बड़ी लूट ने न केवल पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है बल्कि इलाके में भय का माहौल भी पैदा कर दिया है। मोहल्ले के लोग अब अपने घरों की सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गए हैं। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रसव पूर्व भ्रूण जांच करने वाले केंद्रों पर होगी कार्रवाई

उन्नाव, अमृत विचार। डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में पन्नालाल सभागार में जिला पीसीपीएनडीटी सलाहकार समिति की बैठक हुई। जिसमें डीएम ने सील किए गए अल्ट्रासाउंड सेंटर सहित प्रसव पूर्व भ्रूण जांच करने वाले केंद्रों पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

डीएम ने बीघापुर डायग्नोस्टिक सेंटर के चिकित्सक की डिग्री सत्यापन में फर्जी पाए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि केंद्र संचालक डॉक्टर को नोटिस भेजें। संतोषजनक जवाब न मिले तो संचालक व डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएं। अल्ट्रासाउंड केंद्र के संचालन में डिग्री संबंधी कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। किसी भी केंद्र पर प्रसव पूर्व भ्रूण लिंग परीक्षण न हो इसके लिए नोडल अधिकारी गंभीरता से निरीक्षण कर दोषी केंद्र संचालकों पर मुकदमा दर्ज कराएं। सत्यापन टीमों को निर्देश दिए कि सील जांच केंद्रों का संचालन न हो पाए।

खंती में पड़े मिले एक दर्जन मवेशियों के शव

नवाबगंज, अमृत विचार। सड़क किनारे खंती में भरे बारिश के पानी में एक दर्जन मवेशियों (भैंस) के शव पड़े देख लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने जांच कर पशु चिकित्सकों की टीम बुलाकर पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर शवों को दफन किया गया।

अजगैन के मोहान मार्ग पर धाराखेड़ा गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खंती में भरे बारिश के पानी में एक दर्जन मवेशियों को मृत पड़े देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और वहां भीड़ एकत्र हो गई। जानकारी पर हसनगंज सीओ अरविंद चौरसिया ने जांच कर इसकी सूचना पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सईद अहमद को दी। इस पर वह टीम के साथ पहुंचे और जांच की। पशु चिकित्सकों की टीम ने मवेशियों का पोस्टमार्टम किया।

घटनास्थल पर सीओ व पशु चिकित्सक। अमृत विचार

132 केवी लाइन ट्रिप होने से पांच घंटे गुल रही बिजली

शुक्लागंज, अमृत विचार। मंगलवार दोपहर अचानक 132 केवी लाइन ट्रिप होने से पूरे नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। दोपहर करीब 12:20 बजे कुंदन रोड स्थित पावर हाउस में भारी ट्रांसफार्मर से करंट सप्लाई की समस्या आने पर मगरवारा गोकुल वावा, शुक्लागंज पावर हाउस, गंगाघाट टाउन व त्रिभुवनखेड़ा सबस्टेशन की सप्लाई बाधित हो गई। बिजली गुल होने से एक लाख से अधिक उपभोक्ता उमस भरी गर्मी और पेयजल संकट से जूझते रहे।

दोपहर में अचानक सप्लाई बंद होने पर विभागीय कर्मियों ने पहले 33केवी लाइन ब्रेक होने की आशंका में पेट्रोलिंग शुरू की लेकिन कहीं भी लाइन ब्रेक की पुष्टि नहीं हो सकी। बाद में टीम ने कुंदन रोड पावर हाउस पहुंचकर मेजर चेक किया। जांच में सामने आया कि 132 केवी लाइन ट्रिप होने से आपूर्ति बाधित हुई थी।

नगर पालिका लिपिक ने सुसाइड नोट लिख कर दी जान

- ईओ, जेई, चेयरमैन प्रतिनिधि सहित पालिका कर्मियों पर भाई ने लगाए आरोप

उन्नाव, अमृत विचार। नगर पालिका में मृतक आश्रित कोटे से नौकरी पाए कनिष्ठ लिपिक ने कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। उसका शव लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। भाई ने ईओ, चेयरमैन प्रतिनिधि, जेई सहित सेवानिवृत बड़े बाबू व लिपिक भाई का वेतन रोककर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। मामले में सोशल मीडिया पर सुसाइड नोट भी वायरल हुआ जो मुख्यमंत्री को संबोधित है। जिसमें दिवंगत लिपिक ने अपनी मौत के दोषियों को फांसी दिए जाने की मांग की है। पुलिस ने डॉक्टरों के पैनल से वीडियो ग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम कराया। सूत्र बताते है कि इसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है।

माखी के पवई गांव के मूल निवासी सतीश प्रजापति (28) पुत्र स्व. राजाराम दही थानाक्षेत्र के पीतांबर नगर वार्ड-2 में मकान बनावाकर रहता था। सेवाकाल में हुई पिता की मौत के बाद वह अनुकंपा कोटे से नगर पालिका में कनिष्ठ लिपिक पद पर तैनात था। घर पर मां उर्मिला, पत्नी रिंकी, छोटा भाई आलोक व डेढ़ साल का बेटा तेजस है। पुलिस ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। वहीं, सीओ दीपक यादव ने बताया कि बारीकी से जांच कराई जा रही है।

मार्जिनल बांध निर्माण को लेकर अभियान तेज

शुक्लागंज, गोंडा, अमृत विचार। गंगा किनारे बसी आबादी को बाढ़ से बचाने के लिए प्रस्तावित मार्जिनल बांध के निर्माण को लेकर पूर्व विधायक राम कुमार एडवोकेट का अभियान लगातार जारी है। मंगलवार को पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि अधिकारियों की गलत रिपोर्ट के कारण परियोजना वर्षों से ठप है।

पत्रकारों से वार्ता में पूर्व सांसद रामकुमार एडवोकेट ने कहा कि वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्लागंज पुराने पुल से जाजमऊ पुल तक 4.450 किमी लंबे मार्जिनल बाँध के निर्माण को स्वीकृति दी थी। इस परियोजना की लागत 134.60 करोड़ रुपये थी और केन्द्रीय जल आयोग ने भी इसे अपनी 132वीं बैठक में मंजूरी प्रदान कर दी थी। वित्तीय वर्ष 2018-19 तक निर्माण पूरा करने का आदेश भी दिया गया था, लेकिन कार्यदायी संस्था शारदा नहर खण्ड उन्नाव ने आज तक कार्य आरम्भ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और सिंचाई विभाग ने जानबूझकर परियोजना को लटकाए रखा। उनकी मांग पर अब पुनः जांच टीम मौके का निरीक्षण करेगी।

16 सितंबर को धरना देंगे शिक्षक

उन्नाव, अमृत विचार। प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी सभी शिक्षकों को टेट अनिवार्य करने के मुद्दे पर विशेष परिचर्चा हुई। जिसमें सरकार व विभाग के विरुद्ध शिक्षकों में आक्रोश दिखा। साथ ही आगामी 16 सितम्बर को होने वाले धरना व ज्ञापन हेतु रणनीति बनाई गई।

बैठक को संबोधित करते जिला मंत्री गजेंद्र वर्मा। अमृत विचार

रामापुर स्थित सुंदर लाल महाविद्यालय में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ पुरवा इकाई की बैठक हुई। इसमें बीते दिनों सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टेट को अनिवार्य करने के आदेश पर विस्तार से परिचर्चा हुई और सभी शिक्षकों व शिक्षिकाओं ने अपने विचार रखे। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2000 के पहले नियुक्त बहुत शिक्षकों की योग्यता केवल इंटर है, कुछ का स्नातक 45% से कम है, बीएड डिग्रीधारक टेट नहीं हैं, मृतक आश्रितों को नियुक्ति के समय प्रशिक्षण मुक्त रखा गया था, बीपीएड-डीपीएड टेट के लिए अयोग्य बताया गया है। उर्दू शिक्षक टेट के लिए अयोग्य माना गया, उक्त आदेश आरटीई ऐक्ट के खिलाफ है, केंद्र सरकार ने गोपनीय संशोधन वर्ष-2017 में करके टेट अनिवार्य करते हुए अध्यादेश को छिपाने समेत विभिन्न बिंदुओं के संदर्भ में शिक्षकों ने विरोध दर्ज कराया। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अपील दाखिल करने पर रणनीति बनाई गई। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर 16 सितंबर को जिला मुख्यालय पर धरना व ज्ञापन देने की योजना बनाई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलामंत्री व ब्लाक अध्यक्ष पुरवा गजेन्द्र वर्मा ने शिक्षकों की समस्याओं को बिंदुवार रखा। तहसील प्रभारी शिवम चौरसिया, मंत्री संजय द्विवेदी, कोषाध्यक्ष श्रवण पटेल आदि ने अपनी बात कही। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक पटेल ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

छेड़छाड़ के दोषी को 4 साल की सजा

उन्नाव। किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी युवक को कोर्ट ने 4 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर कोर्ट ने 17 हजार का जुर्माना भी लगाया है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र एक गांव निवासी व्यक्ति ने 6 जुलाई-2019 को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 जुलाई-2019 को वह मजदूरी करने व पत्नी दवा लेने गए थी। घर पर उसकी 13 वर्षीय बेटी अकेली थी। तभी मीरनगर गांव निवासी राम उसके घर घुस आया और बेटी से छेड़छाड़ करने लगा। बेटी की चीख सुन ग्रामीण दौड़े तो युवक भाग गया था। पुलिस ने रामकिशोर को जेल भेजा था। आईओ ने मामले में 31 जुलाई-2019 को चार्जशीट पेश की थी। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश विवेकानंद विश्वकर्मा ने शासकीय अधिवक्ता चंद्रिका प्रसाद बाजपेई की दलील पर रामकिशोर को 4 साल की सजा सुनाई।

टैबलेट पाकर खिले चेहरे

विधायक पंकज गुप्ता, प्रबंधक, निर्देशक व प्राचार्या के साथ टैबलेट लिए छात्र-छात्राएं।

उन्नाव, अमृत विचार। चौधरी खजान सिंह महाविद्यालय लोक नगर में सरकार द्वारा संचालित विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत निःशुल्क टैबलेट वितरण हुआ। टैबलेट पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। टैबलेट वितरण चौधरी खजान सिंह महाविद्यालय लोक नगर के सभागार में संपन्न हुआ। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा छात्रों को निःशुल्क टैबलेट की व्यवस्था की गई है। छात्रों को तकनीकी शक्तियों का प्रयोग ज्ञान को विकसित करने के लिए और लक्ष्य प्राप्ति के लिये करना चाहिये। महाविद्यालय के निदेशक रविराज ने कहा कि यह टैबलेट गत शैक्षिक सत्र के स्नातक फाइनल वर्ष के करीब 130 छात्रों को आज दिए जा रहे हैं। जैसे ही अन्य छात्रों के लिए टैबलेट मिलेंगे वैसे ही उन्हें बांटे जाएंगे। कार्यक्रम में प्रबंधक डॉ. मुकेश यादव, प्राचार्या डॉ. सुधा सिंह व महाविद्यालय के प्रवक्तागण रहे। संचालन लेफ्टिनेंट अतुल शुक्ल ने किया।

जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी ने समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 अभियान के संबंध में गूगल मीट के माध्यम से जुड़कर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 तक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। यह विजन 3 डक्यूमेंट थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति व 12 सेक्टर, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार होगा। इसे लेकर जिले के नामित 5 प्रबुद्धजनों द्वारा 12 व 13 सितम्बर (2 दिवसीय प्रवास) कर समर्थ अभियान की जन जागरूकता के लिये विभिन्न लक्षित समूहों के साथ बीते 8 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के संबंध में बताते हुए राज्य के विकास के लिये रोड मैप पर चर्चा होगी और उनसे फीडबैक लिया जायेगा।

परेशानी | खतरे के निशान से 21 सेमी ऊपर गंगा का जलस्तर, 30 मोहल्लों और गांवों में घुसा पानी, प्रशासन ने लगाईं 70 नावें

गंगा का रौद्र रूप देखकर चारों ओर मचा कोहराम, पानी से घिरा शुक्लागंज

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और इसका रौद्र रूप अब नगर व ग्रामीण इलाकों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले चुका है। सोमवार को 24 घंटे के भीतर जलस्तर में 9 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। स्थिति यह है कि गंगा का पानी खतरे के निशान से 21 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है। नगर और ग्रामीण क्षेत्र के 30 से अधिक मोहल्लों और गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है।

पोनी गांव में मुख्य मार्ग पर भरा बाढ़ का पानी, जान जोखिम में डालकर निकलते लोग।

केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, सोमवार शाम छह बजे जलस्तर 113.120 मीटर था, जो मंगलवार सुबह छह बजे 113.170 मीटर दर्ज किया गया। सुबह आठ बजे यह 113.180 मीटर और दोपहर तक स्थिर रहा। शाम छह बजे जलस्तर 113.210 मीटर पहुंच गया। लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने नगर और गांवों की स्थिति को भयावह बना दिया है। नगर के चंपापुरवा, मनसुख खेड़ा, तेजीपुरवा, इंद्रा नगर, रविदास नगर, श्रीनगर, अवस्थी फार्म हाउस, गायत्री नगर, भातू फार्म और ठाकुर खेड़ा में सैकड़ों मकान जलमग्न हो चुके हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के सरैयां, लक्ष्मी खेड़ा, रजवा खेड़ा, पीपरखेड़ा डेरा, निहालखेड़ा, पोनी, अखलॉक नगर, रतीराम पुरवा, गड़रियन पीपरखेड़ा, गजिया खेड़ा, त्रिभुवनखेड़ा सहित दर्जनों गांवों में लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हैं। लेखपाल अशोक सैनी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में आवाजाही के लिए प्रशासन की ओर से 70 नावें लगाई गई हैं।

जिलाधिकारी व एसपी ने दिये हर संभव मदद के निर्देश

फतेहपुर चौरासी। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में बीते कई दिनों में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। क्षेत्र में गंगा के निकटवर्ती दर्जनों गांव जहां बाढ़ के पानी के जद में हैं वहीं गंगा के बढ़ रहे जलस्तर से क्षेत्र के प्रमुख मार्ग कालीमिट्टी-शिवराजपुर मार्ग के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराने लगा है। बाढ़ ने गांव हिन्दूपुर के पास स्थित लघु सेतु के पास मार्ग को कई जगह क्षतिग्रस्त करना शुरू कर दिया था। जिसे बचाने के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा कार्य कराया जा रहा था। तेजी से हो रहे कटान से क्षेत्र का कानपुर से संपर्क स्थापित कराने वाले प्रमुख काली मिट्टी-शिवराजपुर मार्ग के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। जानकारी पर मंगलवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बाढ़ से कट रहे क्षेत्र के प्रमुख मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इसमें उन्होंने संबंधित विभागों से मार्ग को बचाने के लिए हर सम्भव प्रयास करने के लिए कहा। कहा कि जिले के आठ ब्लॉकों की 130 ग्राम पंचायतें बाढ़ से प्रभावित हैं।

बाढ़ की चपेट में आकर कटी रोड को देखते डीएम, एसपी व अन्य अधिकारी।

अमृत विचार

बुधवार, 10 सितंबर 2025

सूरज की तरह चमकने के लिए, सूरज की तरह जलना पड़ता है।

-एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

प्रत्याशित पदत्याग

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस्तीफा देकर अज्ञात स्थान पर चले गए। यदि वे ऐसा न करते तो पार्टी टूट जाती और देश और संकटाकीर्ण हो जाता। संभव है कि नेपाल में चल रहा हिंसा का तांडव अब रुक जाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री और कई मंत्रियों के घर फूंक दिए और जान माल का भारी नुकसान हुआ। यह सब रुकने के बावजूद नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता से तत्काल निजात नहीं मिलने वाली। इसके लिए एक राजनीतिक नेतृत्व का मजबूत विकल्प आवश्यक है। देखना होगा कि इसमें काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह की क्या भूमिका रहती है? फिलहाल इस पूरे प्रकरण से यह स्पष्ट है कि जेन-ज़ी या नेपाली युवाओं के आक्रोश और आंदोलन की जड़ में सिर्फ प्रधानमंत्री ओली का हालिया फैसला ही नहीं था। युवाओं के भीतर असंतोष का लावा पहले से ही कई मुद्दों को लेकर खदबदा रहा था। सोशल मीडिया के 26 प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के दबाव ने अचानक इसे ज्वालामुखी की तरह फटने पर मजबूर कर दिया। प्रधानमंत्री ओली पर अधिनायकवाद, विवादास्पद बयानबाजी और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का आरोप था। इसके साथ ही युवा अवसरों की कमी और नेताओं की विलासिता भरी जीवनशैली के खिलाफ भी नारेबाजी कर रहे थे। साफ है कि यह मामला केवल सोशल मीडिया बैन तक सीमित नहीं था। फिलीपींस और इंडोनेशिया में भी टिक-टॉक पर नेताओं के बच्चों की ऐश्वर्यपूर्ण जिंदगी और आम जनता के संघर्ष को दर्शाने वाले वीडियो वायरल होने के बाद ऐसे ही जेन-ज़ी आंदोलनों ने जोर पकड़ा था। संभव है, यह आंदोलन और प्लेटफॉर्म्स पर बैन की पृष्ठभूमि यही हो। सरकार की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने का औपचारिक कारण नियमों का अनुपालन और राजस्व घाटा बताया गया, लेकिन युवाओं का मानना था कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कुचलने और सरकारी भ्रष्टाचार छुपाने की साजिश है। नेपाल के संविधान की धारा 17(1)(क) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देती है, धारा 19 संचार का अधिकार और धारा 27 सूचना का अधिकार गारंटी करती है। सरकार का यह रवैया इन मौलिक अधिकारों का हनन माना जा रहा था।

असल में सरकार को पूरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के बजाय उन्हें नियंत्रित और रेग्युलेट करने की कोशिश करनी चाहिए थी। साथ ही, जनता और विशेष रूप से युवाओं को विश्वास में लेना जरूरी था। सोशल मीडिया नेपाल में मनोरंजन, जानकारी, सामाजिक संपर्क और डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह निर्णय विकासशील देश नेपाल की डिजिटल प्रगति और नवाचार को रोकता था और छोटे व्यवसायियों, कंटेंट क्रिएटर्स और हजारों डिजिटल मार्केटर्स की रोजी-रोटी को संकट में डालने वाला था। नेपाल इससे पहले टिक-टॉक बैन से 22 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं, छोटे व्यवसायों को बड़े नुकसान में धकेल चुका है। सुदूर इलाकों में, पारंपरिक मीडिया के अभाव के चलते सोशल मीडिया सूचना, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने, डिजिटल शिक्षा, साक्षरता का प्रमुख स्रोत है। जाहिर है ओली का फैसला देश के लिए उचित नहीं था और यही उनके प्रस्थान का कारण बना।

प्रसंगवश

यहां सड़क है स्त्रियों के लिए जीवन व मौत के बीच की दूरी

भारत के गांवों की तस्वीर अक्सर हरे-भरे खेतों, बैलों की गाड़ियों और मिट्टी की खुशबू से सजाई जाती है, लेकिन असली तस्वीर इससे कहीं अलग है। असली संघर्ष उन कच्ची सड़कों से झलकता है, जो गांव वालों की जिंदगी को हर दिन कीचड़ और धूल में उलझाए रखती हैं। सड़क किसी भी गांव की जीवनरेखा होती है, लेकिन कुछ गांवों में यह जीवन रेखा आज भी अधूरी है।

भारत के ग्रामीण इलाकों की सड़कों की हकीकत यह है कि हमारे सड़क नेटवर्क का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद इसकी गुणवत्ता अन्य सड़क नेटवर्क से बेहतर नहीं है। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 बताती है कि ग्रामीण सड़कों की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है, पर सतह की गुणवत्ता (पक्कीकरण) में सुधार की जरूरत है। गांव को जोड़ने में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना निर्णायक रही है, लेकिन मार्च 2024 तक सिर्फ PMGSY-I ने 1,56,617 बस्तियों को जोड़ते हुए 6,24,187 किमी सड़कें बनवाई हैं।

नवदीप कौर

एक्टिविस्ट

अब राजस्थान पर नजर डालें तो यहां फैलते रेगिस्तान और लंबी दूरियों के बीच सड़क ही जीवन-रेखा है। नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि 2024 तक राजस्थान का कुल सड़क नेटवर्क लगभग 3,17,121 किमी आंका गया, जिससे राज्य के 39,408 गांव सड़कों से जुड़े बताए गए हैं। यानी भौगोलिक विकटताओं के बावजूद बुनियादी संपर्क स्थापित हो चुका है, पर गुणवत्ता/उन्नयन की जरूरत जस की तस है। बात अगर बीकानेर जिला और ख़ासकर लूंकरणसर ब्लॉक की करें, तो यहां की रेतीली भूमि, बिखरी आबादी और धाणियों तक पहुंच एक चुनौती सी लगती है। एक गांव है नकोदेसर। राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूंकरणसर ब्लॉक से करीब 33 किमी दूर इस गांव की तस्वीर मैप से नजर आ जाती है, लेकिन यहां सड़क ढूंढने पर भी नजर नहीं आती।

इस गांव के बच्चों के लिए स्कूल जाना किसी जंग से कम नहीं है। बारिश होते ही रास्ता दलदल में बदल जाता है। 66 साल की बिरमा देवी कहती हैं, "बरसात के दिनों में अक्सर उनकी सात साल की पोती स्कूल नहीं जा पाती, क्योंकि बारिश से इतना कीचड़ हो जाता है कि बच्चे उसमें फिसल जाते हैं और उनकी स्कूल ड्रेस खराब हो जाती है। इस बार लूणकरणसर में अच्छी बारिश हुई है। ये किसानों के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन स्कूल जाने वाली मेरी पोती के लिए ये अच्छा नहीं है। वह अगस्त में पांच दिन ही स्कूल जा सकी है। सिर्फ वही नहीं, अधिकतर छोटे बच्चों का स्कूल बारिश में छूट जाता है, क्योंकि रास्ता इतना खराब हो जाता है कि बड़े लोग तक उसमें फिसल जाते हैं, फिर बच्चों को कैसे उस रास्ते से स्कूल भेजें?"

गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाना तो मानो मौत और जिंदगी की बाजी खेलने जैसा है। 65 साल की राजों देवी बताती हैं, "कुछ हफ्ते पहले मेरी बहू को प्रसव पीड़ा हुई, तो हमने एमबुलेंस को फोन किया। वह आई तो लेकिन बारिश की वजह से रास्ते इतने खराब थे कि गांव में घुसते ही गाड़ी कीचड़ में फंस गई और लाख कोशिश के बावजूद वह निकल नहीं पाई। आखिरकार घर के मर्दों ने मिलकर उसे खाट पर उठाया और सड़क तक ले गए। कीचड़ में फंसते-गिरते तीन घंटे लग गए। तब तक उसका काफी खून बह गया था। बड़ी मुश्किल से मां और बच्चे की जान बची। अगर पक्की सड़क होती तो यह कठिनाई नहीं आती।" यहां स्त्रियों के लिए सड़क सिर्फ़ सुविधा नहीं, बल्कि जीवन और मौत के बीच की दूरी है।

श्रीलंका-बांग्लादेश जैसे हालात नेपाल में भी संभव

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल के जेन-ज़ी के आंदोलन की वजह से केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है। उनके नेतृत्व की मौजूदा सरकार पर संकट पहले से ही था। साल भर के भीतर होने वाले आम चुनाव में भी उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी। यहां अहेम सवाल यह है कि आखिर वो कौन सी विदेशी ताकतें हैं, जो नेपाल को अस्थिर करने के लिए ऐसे षणयंत्र रच रहे हैं और उन्हें इसका फायदा क्या मिल सकता है? भारत और चीन के लिए नेपाल का महत्व सामरिक दृष्टि से काफी मायने रखता है। नेपाल में जो भी सरकार होती है, वे अपने तरीके से भारत और चीन को साध ही लेती हैं। भारत और चीन भी अपने-अपने तरीके से नेपाल को अपने पाले में खींचते रहते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि भारत और चीन, नेपाल को अस्थिर करने का प्रयास केवल इसलिए कर रहे हों कि नेपाल उनकी जी हुजूरी करने को मजबूर हो।

एमसीसी परियोजना के नाम पर अमेरिका ने नेपाल में पांव पसारना शुरू किया है। इस परियोजना का विरोध ओली की पार्टी एमाले कर रही थी, वह भी इसलिए कि उसके बिजली संयंत्र की लाइन भारत से होकर नेपाल पहुंच रही थी। इस तरह ओली का यह विरोध नेपाल से कम भारत से ज्यादा हुआ। अमेरिका की इस परियोजना को लेकर ओली सरकार अब खामोश है। गौर करने वाली बात यह भी है कि नेपाली युवाओं और छात्रों के इस आंदोलन में आंदोलनकारियों के हाथ में ओली के लिए अमेरिकी दलाल लिखी हुई तख्तियां भी थीं।

सवाल उठता है कि आखिर एकाएक लाखों की संख्या में युवा और छात्र ओली सरकार के खिलाफ उग्र कैसे हो उठे? नेपाल जब राजशाही के हवाले था, तब की बातें छोड़ दें, इधर जबसे गणराज्य समर्थकों का शासन आया तब से नेपाल में क्या परिवर्तन हुआ, यह गौर करने की बात है। इस दौरान नेपाली जनता को लोकतांत्रिक प्रणाली से वोट देने की अनुभूति के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ। नेपाल में 'हामी नेपाल' नामक सामाजिक संगठन बहुत ही गोपनीय ढंग से सोशल मीडिया पर सक्रिय था, जो युवाओं में काफी लोकप्रिय भी है। इसके कर्ता-धर्ता सुदन गुरूंग, सरकार के भ्रष्टाचार की ओर युवाओं का ध्यान आकर्षित कराते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि वे युवाओं के नेतृत्व की बात करते थे और सदियों से सत्ता पर काबिज बुजुर्ग नेताओं को निष्प्रयोज्य बताते थे।

सोशल मीडिया पर हामी नेपाल की लोकप्रियता इतनी थी कि वह लाखों युवाओं और छात्रों का पसंदीदा प्लेटफॉर्म बन गया। ओली सरकार इससे घबराई हुई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन की यह भी एक वजह हो सकती है। सोशल मीडिया पर बैन से करोड़ों युवाओं के गुस्से को भांपते हुए सुदन गुरूंग ने डिस्कार्ड और वीपीएन डिजिटल टूल्स के माध्यम से युवाओं से विरोध-प्रदर्शन की अपील की।

यह दुनिया का ऐसा आंदोलन साबित हुआ है, जिसने बिना किसी नेतृत्व के सरकार को हिला कर रख दिया। युवाओं के आंदोलन की धार को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषक इसे श्रीलंका और बंग्लादेश के बाद नेपाल में भी तख्तापलट की संभावना की दृष्टि से देखते हैं। इस पूरे आंदोलन में 22 साल से 30 साल तक के युवा ही सक्रिय थे, जिनके चेहरों पर बुजुर्ग ओली सरकार से निराशा का भाव साफ झलक रहा था। काफी संभावना है कि युवाओं के इस आंदोलन के समर्थन में विभिन्न पार्टियों के युवा सांसद भी आगे आएं।

नेपाल में मंहगाई चरम पर है। शिक्षा गरीब लोगों से दूर होती जा रही है और बेरोजगार युवा दर-दर भटकने को मजबूर हैं। वे दूसरे देशों में पलायन को मजबूर हैं, जहां उन्हें हिकारत की दृष्टि से देखा जाता है। पढ़े-लिखे नेपाली युवकों को भी लेबर के काम में लगा दिया जाता है। नेपाल में रोजगार है नहीं। युवाओं में केवल ओली की सरकार के प्रति नहीं, इसके पहले की सरकारों के प्रति भी भारी गुस्सा है, क्योंकि वे भी केवल वादा और लोकलुभावन घोषणाएं कर सत्ता हासिल करती रही हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर युवा ही हैं। नेपाल में इनकी संख्या एक करोड़ के आसपास है। रजिस्ट्रेशन के नाम पर ओली सरकार ने संक्षिप्त नोटिस के बाद कुछ दिन पहले करीब 28 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन कर दिए। इस बैन पर सरकार के अपने फायदे हो सकते हैं, लेकिन उन लाखों युवाओं को क्या फायदा है, जिनकी दिनचर्या सोशल मीडिया पर ही गुजरती हो। ओली सरकार यह समझने में चूक गई, लिहाजा उसे ऐसे विरोध का सामना करना पड़ा, जो शायद नेपाल के इतिहास में पहले कभी न देखा गया हो। राजशाही के खिलाफ जन युद्ध को छोड़कर।

काठमांडू से शुरू युवाओं का यह आंदोलन कुछ ही घंटे में नेपाल के मैदानी इलाकों तक पहुंच गया। ओली सरकार के पास इस पर नियंत्रण के लिए पुलिस और सेना के इस्तेमाल के अलावा कोई और चारा नहीं था। काठमांडू में संसद परिसर में उग्र आंदोलनकारियों का प्रवेश कर जाना बड़ी घटना है। इसे रोकने के लिए पुलिस और सेना के जवानों को गोली चलाने को मजबूर होना पड़ा। यहां की गोली-बारी की घटना ने आग में घी का काम किया, जो पूरे नेपाल में फैल गया। पुलिस और सेना की गोली-बारी में सरकारी आंकड़ों में 19 लोगों की मौत और तीन सौ आंदोलनकारियों का घायल होना बताया गया है, लेकिन हकीकत में यह संख्या कुछ और है। इसके पहले किसी आंदोलन में इतनी बड़ी संख्या में न तो लोग मारे गए थे और न ही घायल हुए थे। दमनकारी रवैया अपना कर ओली सरकार ने संकट को टालने की कोशिश की, लेकिन अंततः उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा। इस बीच संसद भवन पर आंदोलनकारियों का कब्जा है।

> जेन ज़ी कहे जाने वाले युवा नेपाल में आंदोलनरत हैं। यहां कई लोगों की मौत की भी खबर है। आखिर वो कौन सी ताकतें हैं, जो नेपाल को अस्थिर करने के लिए ऐसे षणयंत्र रच रहे हैं?

आमने सामने

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप दोस्त हो सकते हैं, एक-दूसरे के लिए अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए वोट मांगते हैं। मोदी और ट्रंप का गठबंधन भारत की कीमत पर हुआ है। उन्होंने पूरे देश के माहौल को खराब करके रख दिया है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

कांग्रेस और मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी पार्टी की चिंता करें, क्योंकि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके मंत्रियों, सांसदों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर भरोसा करती है, जो हर नागरिक की भलाई के लिए काम कर रहे हैं।

-हर्ष मल्होत्रा
केंद्रीय मंत्री

बिहार चुनाव में पीके कर सकते हैं 'बड़ा खेला'

राधा रमण

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में सियासी सरगर्मी चरम पर है। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा अगले माह होने की संभावना है। ऐसा इसलिए कि चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन इस माह 30 सितंबर को करने की घोषणा की है। वैसे भी बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। उसके पहले चुनावी गतिविधियां हर हाल में समाप्त करनी होंगी और नई सरकार का गठन करना संवैधानिक मजबूरी है। इस बार भाजपा बिहार में फिर सरकार बनाने पर आमादा दिखती है। उसके लिए 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की स्थिति है। फिलहाल प्रदेश में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। उसके 80 विधायक हैं। भाजपा के लिए यह संख्या सर्वाधिक है। 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 122 विधायक चाहिए। सवाल यह कि बाकी के विधायक कहां से आएंगे? पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रवक्ता डॉ. विनोद शर्मा कहते हैं कि बिहार में इस बार एनडीए की लहर है।

इसमें दो राय नहीं कि नीतीश का जादू बिहार की महिलाओं के सिर चढ़कर बोलता रहा है। यह वोट इस बार नीतीश के पक्ष में कितना जाएगा, यह चुनाव परिणाम के बाद पता चलेगा, क्योंकि बिहार के अधिकांश जिले बाढ़ की चपेट में हैं और करीब 17 लाख आबादी सड़कों और राहत केंद्रों में शरण लिए हुए है। इनमें सर्वाधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की है। दूसरी तरफ, राज्य में अपराधी पुलिस के रसूख को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। विपक्ष इसे एनडीए का जंगलराज बता रहा है। महिलाएं इस अराजकता से भी पीड़ित हैं। ऐसे में महिला वोटरों में बिखराव हो जाए, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। राज्य में नीतीश की बिरादरी कुर्मी जाति का वोट करीब 6 प्रतिशत है, यह वोट भी अभी तक नीतीश के पक्ष में पड़ता रहा है। यही वजह है कि नीतीश पिछले लगभग 20 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

बिहार में महागठबंधन भी इस बार पूरा जोर लगाए हुए है। राज्य में महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा को अपेक्षाकृत अधिक सफलता मिली। वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को शेरशाह सूरी की धरती सासाराम से शुरू होकर एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान से निकल कर डाकबंगला चौराहे पर समाप्त हो गई। पुलिस प्रशासन ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। इसमें महागठबंधन के सभी घटक दलों के नेता शामिल रहे। विपक्ष राज्य से पलायन, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहा है। लोगों को नौकरी और डोमिसाइल नीति बनाने की बात कह रहा है। एसआईआर के खतरे के प्रति आगाह कर रहा है। सरकार बनने पर महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह देने और सुशासन का ख्वाब दिखा रहा है।

इस बीच बिहार के माउंटेन मैन दशरथ मांझी के परिजनों के लिए गयाजी के गहलोर गांव में पक्का घर बनवाकर राहुल गांधी ने अपनी जय-जयकार करा ली है। दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी इसके लिए नीतीश कुमार से लेकर जीतनराम मांझी और भाजपा के कई बड़े नेताओं का चक्कर लगाकर थक चुके थे। इससे आसपास के गांवों में भी राहुल के लिए हमदर्दी जगी है। देखने वाली बात होगी कि यह सहानुभूति वोट में कितनी तब्दील हो पाती है।

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर (पीके) की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे। वह अपने दम पर सरकार बनाने से लेकर दोनों बड़े गठबंधनों (एनडीए और महागठबंधन) का खेल बिगाड़ने तक का हो सकता है। एनडीए और महागठबंधन से समान दूरी बनाने वाले लोग आजकल पीके की तरफ खिंचे चले आ रहे हैं। कहना न होगा कि ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है। इनमें रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस और उद्योगपतियों की संख्या काफी है। इसके लिए प्रशांत किशोर बिहार के बाहर रहने वाले प्रवासियों के संपर्क में हैं।

उधर, राज्य में जनसुराज की गतिविधियां लगातार जारी हैं। विधानसभा स्तर तक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पीके ने पलायन के मुद्दे को ठीक से पकड़ा है। वह कहते हैं कि बिहार की बदहाली में यहां के नेताओं की बड़ी भूमिका है। जब तक झारखंड राज्य नहीं बना था, बिहार की बदहाली कम दिखती थी। अब सरेआम हो चुकी है। वह मतदाताओं से कहते हैं कि इस बार का मतदान अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए कीजिए। बिहार में रोजी-रोजगार की व्यवस्था के लिए वोट कीजिए।

प्रशांत अपनी सभाओं में नीतीश और लालू दोनों को बिहार की बदहाली के लिए बराबर का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। प्रशांत किशोर जाने-माने चुनावी रणनीतिकार रहे हैं। भाजपा को सत्ता में लाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। 2015 के विधानसभा चुनाव में वह जनता दल (यू) की तरफ से महागठबंधन के रणनीतिकार रहे थे। तब नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में उनकी अहम् भूमिका थी। इससे उनकी लोकप्रियता और कमाई दोनों बढ़ी है। इस बार वह जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल दोनों पर बराबर हमलावर हो रहे हैं। आश्चर्य यह कि प्रशांत पर जवाबी हमला जदयू और राजद कम बल्कि भाजपा ज्यादा कर रही है।

> बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे।

सोशल फोरम

देश की वो बहादुर बेटी

पांच सितंबर 1986 की सुबह कराची एयरपोर्ट पर Pan Am Flight 73 खड़ा था। 379 यात्रियों के साथ यह विमान अमेरिका जाने को तैयार था। यात्रियों को क्या पता था कि अगले कुछ घंटे उनकी जिंदगी और मौत के बीच की जंग बनने वाले हैं। नीरजा भनोट, सिर्फ 23 साल की हेड पर्सर, उस फ्लाइट पर ड्यूटी पर थीं। चेहरे पर मुस्कान और भीतर हिम्मत का दरिया। जैसे ही विमान ने उड़ान से पहले दरवाजे खोले, अचानक चार हथियारबंद आतंकी अंदर घुसे। गोलियों की गूंज और चीखों से पूरा जहाज कांप उठा। उस क्षण नीरजा ने वही किया जो शायद किसी और ने सोचा भी न होता। उन्होंने बिना पल गंवाए कॉकपिट अलार्म दबा दिया। इससे पायलट और बाकी क्रू को भागने का मौका मिल गया और विमान को उड़ान से रोक दिया गया। विमान उड़ जाता तो सभी की मौत तय थी।

ट्रैवल प्वाइंट

फेसबुक

17 घंटे तक आतंकियों ने यात्रियों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाए रखा। वे अमेरिकी यात्रियों को ढूंढ रहे थे। नीरजा ने समझ लिया कि अगर उनके हाथ अमेरिकी यात्री लग गए तो कत्लेआम होगा। वह चुपचाप अमेरिकियों के पासपोर्ट छुपाने लगीं। अपनी जान पर खेलकर उन्होंने अनजान लोगों की जिंदगी बचा ली।

समय बीतता गया, हालात और बिगड़ते गए। आतंकियों ने गोलियां चलानी शुरू कीं। लोग भागने लगे। उसी अराजकता में नीरजा ने तीन छोटे बच्चों को उठाकर इमरजेंसी एग्जिट की तरफ धकेला। पर उसी वक्त आतंकियों की गोली उनके सीने में लगी। वह गिर पड़ीं लेकिन आखिरी सांस तक कोशिश करती रहीं कि कोई और बच्चा बच जाए। नीरजा भनोट का शरीर वहीं गिर गया, लेकिन उनकी बहादुरी ने 359 से ज्यादा यात्रियों की जान बचा ली।

नीरजा ने हमें दिखा दिया कि हीरोइन वही नहीं जो परदे पर चमके, असली हीरोइन वो है जो मौत को गले लगाकर भी दूसरों की ज़िंदगी बचा ले।

सामयिकी

एडीआर रिपोर्ट: अपराधी छवि के नेता चुनने की मजबूरी!

एडीआर यानी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के वर्तमान मंत्रियों का कई पहलुओं पर विश्लेषण किया गया। इस रिपोर्ट में देश के कुल 652 में से 643 मंत्रियों का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट द्वारा यह खुलासा किया गया है कि 643 में से 302 मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले बताए हैं। आंकड़ों में सामने आया कि 47 प्रतिशत मंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसी क्रम में 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपने ऊपर गंभीर मामलों को बताया है। यानी 27 प्रतिशत ऐसे मंत्री, जिन्होंने हत्या, अपहरण, अत्याचार जैसे गंभीर अपराध घोषित किए हैं। यह एक चिंता का विषय जरूर है।

शिवालिक अवस्थी

लेखक

हर नेता चुनाव लड़ने से पहले अपना शपथपत्र दायर करता है, जिसमें उसे चुनाव संबंधी हर जानकारी जनता के समक्ष साझा करनी होती है। अहेम सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में दागी नेताओं को पार्टियां टिकट क्यों देती हैं? और उससे बड़ा सवाल यह है कि जनता के सामने उन्हें चुनने की मजबूरी क्यों है? एडीआर की रिपोर्ट चिंताजनक है, किंतु यदि जनता समझदारी के साथ मतों का प्रयोग करे, तो यह छोटी सी कोशिश तस्वीर बदल सकती है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 में से 29 मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले बताए हैं। यानी 40 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक मामले हैं। हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड ऐसे 4 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां किसी भी मंत्री पर आपराधिक मामले नहीं बताए गए हैं। यह काबिले तारीफ है। ऐसे कई राज्य हैं, जहां एडीआर की रिपोर्ट में मंत्रियों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों की औसतन संख्या 70 प्रतिशत से ऊपर बताई गई है। ध्यान रहे, हम यहां सिर्फ मंत्रियों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों के आंकड़े एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार पेश कर रहे हैं। हम यहां विशेषरूप से किसी भी राज्य अथवा केंद्रीय शासित प्रदेश की बात नहीं कर रहे।

आगे इसी रिपोर्ट में वित्तीय पृष्ठभूमि भी दर्शाई गई है, जिसमें बताया गया है कि राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के प्रत्येक मंत्री की औसतन संपत्ति 37.21 करोड़ रुपये है, जबकि 643 में से 36 यानी 6 प्रतिशत मंत्री अरबपति हैं और 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ रुपये है। देश में कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ मंत्री अरबपति हैं, जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 मंत्रियों में छह मंत्री यानी 8 प्रतिशत मंत्री अरबपति हैं। रिपोर्ट में लिंग के आधार पर भी विश्लेषण किया गया है, जिसमें दर्शाया गया है कि कुल 643 मंत्रियों में 63 यानी 10 प्रतिशत महिला मंत्री हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक आठ महिला मंत्री हैं, जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में 72 में से सात यानी 10 प्रतिशत महिला मंत्री हैं।

रिपोर्ट पर थोड़ा और प्रकाश डाला जाए तो मालूम होगा कि इस रिपोर्ट में शिक्षा एवं आयु के आधार पर भी मंत्रियों का विश्लेषण किया गया है। इसमें पाया गया है कि 454 मंत्री यानी लगभग 71 प्रतिशत मंत्रियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातक या उससे अधिक दर्शाई है। इसी तरह आयु पर आधारित विश्लेषण की बात करें, तो इसमें 51 से 60 वर्ष की आयु समूह के मंत्रियों की संख्या सर्वाधिक 241 पाई गई है। यानी लगभग 38% मंत्री 51 से 60 वर्ष की आयु समूह के पाए गए हैं। एडीआर एक एनजीओ है, जिसने 2020 से 2025 के बीच मंत्रियों द्वारा दायर हलफनामों के आधार पर यह विश्लेषण तैयार किया है। केंद्र सरकार के 130वें संविधान संशोधन विधेयक से बेहतरीन देश निर्माण की उम्मीद तो जगी है, लेकिन यह कितना कारगर सिद्ध होगा यह भविष्य के गर्भ में छिपा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अहिच्छत्र: महाभारत काल की वैभव गाथा

अहिच्छत्र, भारतीय संस्कृति और कलात्मकता का अद्भुत उदाहरण है, जो अपने धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यह शहर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही भारत की प्राचीन संस्कृति, शिक्षा, शासन और कलात्मकता का भी ध्वज वाहक है। अहिच्छत्र का नाम 'अहि' (सर्प) और 'छत्र' (छाया) से मिलकर बना है। किवदंती है कि इस स्थान पर तप कर रहे एक ऋषि को एक सांप ने आकर छाया दी थी। इससे अहिच्छत्र नाम मिला। पुराणों और प्राचीन ग्रंथों में वर्णित अहिच्छत्र, कभी उत्तरी पांचाल की राजधानी था। यह वही पांचाल है, जिसकी राजकुमारी द्रौपदी का विवाह पांडवों से हुआ था। यहां खुदाई में विभिन्न कालों की सभ्यताओं के अवशेष मिले हैं, जिनमें मौर्य, शुंग, कुषाण, गुप्त और मुगल काल प्रमुख हैं। यहां मिले बर्तन, सिक्के, मूर्तियां, हथियार और दीवारों के अवशेष इस बात के प्रमाण हैं कि यह क्षेत्र कभी अत्यंत समृद्ध और उन्नत था।

प्रस्तुति: शिवांग पांडेय

पांचाल संग्रहालय में संरक्षित अहिच्छत्र की धरोहरें

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में एक छोटे से हाल में 1985 में पांचाल संग्रहालय की नींव रखी गई थी। इस संग्रहालय में अहिच्छत्र की तमाम धरोहरें संरक्षित हैं। प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के तहत संचालित डिजिटल पांचाल संग्रहालय का लोकार्पण 15 मई 2023 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। इस संग्रहालय में तीन हजार साल पुरानी ऐतिहासिक मूर्तियां, पांडुलिपि, मिट्टी व धातु के बर्तन, कपड़े, शस्त्र, मुद्रा प्रयोगशाला आदि दुर्लभ सामग्री सुरक्षित हैं। खुदाई के दौरान मिला तीन हजार साल पुराना नर कंकाल खास है। इसके अलावा वस्त्र वीथिका, अभयपुर का प्राचीन स्थल, मृण्मूर्ति वीथिका, टेराकोटा गैलरी, फोटो गैलरी तथा साउंड एंड डिजिटल ऑडिटोरियम मौजूद है।

बौद्ध शिक्षा का था महत्वपूर्ण केंद्र

बुद्धकाल में अहिच्छत्र बौद्ध शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां प्राप्त बौद्ध मूर्तियां और विहारों के अवशेष संकेत देते हैं कि यह क्षेत्र बुद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए प्रमुख स्थल रहा होगा। पुरातात्विक महत्व के कारण ही यह क्षेत्र पर्यटकों और शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। बरेली की पहचान भले ही सुरमा, बांस और झुमकों के लिए होती हो, लेकिन यहां की समृद्ध संस्कृति अहिच्छत्र के ही इतिहास का एक पन्ना है।

जैन अनुयायियों का तीर्थ

जैन अनुश्रुतियों के अनुसार मान्यता है कि 23 वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ को अहिच्छत्र में कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई। यहां जैन अनुयायियों का भी बड़ा तीर्थ है।

उत्तरी व संयुक्त पांचाल की राजधानी

उत्तराखंड के नैनीताल जिले का दक्षिणी भाग, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बरेली, बदायूं तथा शाहजहांपुर का पूर्वी भाग तथा गंगा पार के इटावा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद एवं एटा का दक्षिण भाग प्राचीन काल में एक राज्य था, जो पांचाल नाम से विख्यात था। इसी की राजधानी अहिच्छत्र थी। प्राचीन ब्राह्मण ग्रंथों, जैन एवं बौद्ध जातकों में अहिच्छत्र एवं पांचाल के तमाम प्रसंगों का उल्लेख है।

वर्षों पुरानी सभ्यता

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर विजय बहादुर यादव बताते हैं कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा की गई खुदाई में अहिच्छत्र में लगभग 5 हजार वर्ष पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। यहां मिली ईंटों की संरचना, दीवारें और मूर्तियां बताती हैं कि कभी यहां सुनियोजित नगर व्यवस्था थी। मिट्टी के बर्तन, तांबे के औजार और शिलालेख सिद्ध करते हैं कि अहिच्छत्र शिक्षा, व्यापार, कला और संस्कृति का बड़ा केंद्र था।

यहीं हुआ था द्रौपदी का जन्म

महाभारतकाल में द्रुपद उत्तर पांचाल (अहिच्छत्र) एवं दक्षिण पांचाल (काम्पिल्य) दोनों के राजा थे। उनकी पुत्री द्रौपदी जो पांचाली कहलाईं, का जन्म अहिच्छत्र में हुआ था और विवाह काम्पिल्य में हुआ। महाभारत के अनुसार गुरु द्रोणाचार्य ने राजा द्रुपद को परास्त किया और आधे अहिच्छत्र के शासक बने। हालांकि उनका राज्य कौरव ही चलाते थे। द्रोणाचार्य तो हस्तिनापुर में ही रहे। कौरव-पांडवों का यहां अधिकार होने के कारण अहिच्छत्र का किला पांडवकालीन किला कहलाया।

ख्याल, ठुमरी हो या गजल कुलय हैं गायकी में कुशल

कुलय पांडे डीपीएस, आजाद नगर, कानपुर में कक्षा 9 के छात्र हैं, लेकिन अभी से गायकी के उस्ताद हैं। अंतर विद्यालय संगीत प्रतियोगिता में लगातार दो साल प्रथम रहकर उन्होंने इसे साबित किया है। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा वर्ष 2022-23 में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में ठुमरी गायन में प्रथम स्थान तथा संगीत नाटक अकादमी की संभागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में ख्याल और ठुमरी दोनों के गायन में पहला स्थान मिला था।

-संत मिश्रा, लेखक

कुलय की माता रंजना पांडे गृहिणी और पिता संजीव पांडे सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। कुलय के दो भाई हैं, जुड़वा भाई कुशमित भारद्वाज और बड़ा भाई बड़ा द्विज भारद्वाज पांडे है। कुलय की संगीत की प्रारंभिक शिक्षा पहले बाल भवन फिर डॉ. मोनिका सिंह द्वारा हुई। वर्तमान में वह नाथवर्धन इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट में डॉ. सुषमा बाजपेई और रामबाबू भट्ट से नियमित संगीत की शिक्षा ले रहे हैं। कुलय की गान यात्रा आठ वर्ष पूर्व तब शुरू हुई थी, जब उन्हें केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित अलंकरण समारोह में बाल अतिथि कलाकार के रूप में सम्मानित किया गया था। प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज की प्रतियोगिता में भजन व गजल में प्रथम तथा ख्याल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। भारतखंडे संगीत विद्यापीठ, लखनऊ से विशारद पूर्ण कर चुके कुलय को लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी द्वारा अयोजित कानपुर के उभरते सितारे प्रतियोगिता में गजल, शास्त्रीय गायन व सिंथेसाइजर में प्रथम स्थान हासिल हुआ था। कथक केंद्र कानपुर की प्रतियोगिताओं में ध्रुपद गायन, ठुमरी, भजन एवं गजल में प्रथम स्थान पाया था। स्वर सर्जना, संगीतांजलि, आरोही की प्रतियोगिताओं में भी कुलय अपने हुनर से शीर्ष पर रहे थे।

शैलनट ने हल्द्वानी में जीवंत किया रंगमंच

रंगमंच से निकले निर्मल पांडे और हेमंत पांडे ने भले ही अपने दम पर पहाड़ को एक अलग पहचान दिलाई हो, लेकिन सुविधाओं व प्रोत्साहन के अभाव में हल्द्वानी का रंगमंच लगभग समाप्ति की ओर था। प्रतिभाएं और हुनर दम तोड़ रही थीं। ऐसे में प्रमुख नाट्य संस्था शैलनट ने उम्मीदों की अलख जगाई है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से हल्द्वानी में आयोजित एक माह की कार्यशाला में प्रतिभाओं को निखारने की कोशिश से उम्मीद है कि रंगमंच का आकर्षण फिर लौटेगा। हल्द्वानी में रंगमंच को कई थियेटर ग्रुपों ने ताकत दी, लोगों ने पसंद भी किया, लेकिन सुविधाओं के अभाव में सब दम तोड़ गए।

हरीश उप्रेती करन
लेखक

वरिष्ठ रंगकंर्मी डॉ. डीएन भट्ट के अनुसार, हल्द्वानी में 1979 में भारतेंदु नाट्य अकादमी से पास आउट हरीश पांडे ने थियेटर ग्रुप की स्थापना की। 90 के दशक में रंगकर्मी अरविंद अग्रवाल ने अंबर कला विकास समिति का गठन किया। इसके बाद अस्तित्व, अनिल सनवाल का निहारिका और पर्वतीय कला केंद्र जैसे ग्रुप भी सामने आए। वर्ष 2001 में हल्द्वानी में वरिष्ठ रंगकर्मी व फिल्म कलाकार श्रीष डोभाल व डीएन भट्ट के प्रयासों से शैलनट की स्थापना हुई। इसकी प्रदेश भर में एक दर्जन से अधिक शाखाएं हैं। इस ग्रुप ने वर्ष 2002 में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय भारत रंग महोत्सव में जगह बनाकर अपना झंडा बुलंद किया। इप्शन थियेटर फेस्टिवल काठमांडू में भी नाटकों का मंचन किया, लेकिन इसके बाद सन्नाटा सा खिंच गया। अब करीब 20 वर्ष बाद शैलनट के प्रयास से रंगमंचीय गतिविधियां फिर शुरू हुई हैं, लेकिन सुविधाओं का अभाव राह का रोड़ा है। शहर में एक अदद ऑडिटोरियम की कमी से एक स्कूल में कार्यशाला करनी पड़ रही है।

युगमंच ने दिए दो दर्जन से अधिक कलाकार

1976 में नैनीताल में स्थापित युगमंच ने दो दर्जन से अधिक ऐसे कलाकार दिए हैं, जिनका एनएसडी व एफटीआई पुणे में न केवल चयन हुआ, बल्कि उन्होंने बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया। इनमें निर्मल पांडे, ललित तिवारी, गोपल दत्त व सुनीता रजवार आदि प्रमुख हैं।

ऑडिटोरियम बनने से प्रतिभाओं को होगा लाभ

शहर में ऑडिटोरियम बनने से एक स्थान पर सभी कलाकार उपस्थित होंगे। रंगमंच को अलग पहचान मिलेगी। कालाकार आवाज लगा रहे हैं कि कला को मरने न दें, क्योंकि रंगमंच सिर्फ अभिनय नहीं, समाज का आईना है।

पितृपक्ष में अजन्मी बेटियों का महातर्पण

गंगा तट पर कुरीतियों के खिलाफ शुरू हुए अनुष्ठान ने बदला रिवाज

गर्भ में जिनको मार दिया, उनके लिए लड़ेगा कौन,
गूंज रही अब तक कानों में गूंगी चीखें सुनेगा कौन।
हृदय मिला है मानव का तो जागो फिर यह उत्तर दो,
गर्भपात में मृत बच्चों का आखिर तर्पण करेगा कौन।

यही वह पंक्तियां हैं, जिन्होंने हर किसी को झकझोर कर धार्मिक और सामाजिक रूढ़वादिता के खिलाफ आवाज बुलंद करने की ऐसी ताकत दी कि आज महिलाएं घरों से निकल कर अपनी न सिर्फ अपनी अजन्मी बेटियों, बल्कि दिवंगत देहदानियों और बलिदानियों को भी पितृपक्ष पर जल देकर शांति प्रदान कर रही हैं।

युग दधीचि देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर और माधवी सेंगर लंबे समय से अजन्मी बेटियों के लिए महिलाओं द्वारा महातर्पण का अनूठा अभियान चला रहे हैं। वर्ष 2011 से महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार संचालित इस अद्भुत कार्यक्रम में कानपुर की प्रतिष्ठित महिलाएं पितृ पक्ष में एक निर्धारित दिन गंगा किनारे स्थित सरसैया घाट पर एकत्र होकर विधिवत उन बेटियों के लिए तर्पण और पिंडदान करती हैं, जिन्हें पुत्र मोह के कारण समाज ने धरती पर आने ही नहीं दिया। इस अभियान के बारे में मनोज सेंगर बताते हैं कि वर्ष 2010 के नवंबर माह में जेके कॉलोनी, जाजमऊ में आयोजित विराट गायत्री महायज्ञ में एक हजार लोगों को सामूहिक कन्या भ्रूण हत्या रोकने की शपथ दिलाई गई, इसी दौरान एक महिला रोते हुए आई और बड़े संकोच से बताया कि उसने दो बार गर्भपात कराया है और गर्भ में ही मार दी गई बेटियों के लिए वह कोई पूजा पाठ भी नहीं करा सकी है। क्या शास्त्रों में ऐसा कोई विधान है कि उसकी अजन्मी बच्चियों को मोक्ष मिल सके। इस प्रश्न ने वहां उपस्थित लोगों को बुरी तरह झकझोर दिया। सभी उस महिला को तुरंत कोई जवाब नहीं दे सके। रात भर महिला का सवाल यक्ष प्रश्न बनकर परेशान करता रहा। इसी के बाद आचार्य श्रीराम शर्मा द्वारा लिखित कर्मकांड भास्कर पुस्तक का अध्ययन किया तो गर्भपात में मृत बच्चों के पिंडदान से संबंधित मंत्र मिला। उस समय तक समाज में मान्यता थी कि महिलाएं तर्पण नहीं करती हैं, लेकिन शास्त्रों में प्रमाण मिला कि माता सीता ने अपने ससुर राजा दशरथ का पिंडदान गया में फल्गु नदी के तट पर किया था। इसी के बाद हम लोगों ने तय किया कि महिलाएं ही अपनी अजन्मी बेटियों के लिए तर्पण करेंगी। रूढ़वादिता तोड़ने का यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन निर्भीक होकर सार्वजनिक रूप से शहर की प्रमुख महिलाओं से इस कार्य में भाग लेने का आह्वान किया। नियत दिन पर तर्पण की तैयारी की। जब बड़ी संख्या में महिलाएं और बेटियां इस अनूठे आयोजन में भाग लेने पहुंची, तो आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा।

-मनोज त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार

अमर शहीदों को भी जल देने पहुंचते हैं लोग

वर्ष 2011 से हर साल पितृ पक्ष में यह आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष कार्यक्रम 14 सितंबर, रविवार को प्रात: 10 बजे सरसैया घाट पर होगा। धीरे-धीरे तर्पण का दायरा और बढ़ चुका है। अब अजन्मी बेटियों के साथ दिवंगत देहदानियों और अमर बलिदानियों के लिए भी तर्पण किया जाता है। इस आयोजन के साक्षी सांसद, विधायक, व्यापारी, चिकित्सक, अधिवक्ता और समाजसेवी आदि भी बनते हैं।

शास्त्रों में वर्णित हैं महिलाओं को कर्मकांड के अधिकार

यह केवल एक भ्रांति है कि महिलाएं तर्पण और पिंडदान नहीं कर सकती हैं। शास्त्रों में महिलाओं को संपूर्ण कर्मकांड के अधिकार दिए गए हैं। गायत्री परिवार की कर्मकांड भास्कर पुस्तक में गर्भपात में मृत बच्चों को जलदान का मंत्र दिया गया है। कर्मकांड मंजूषा में भी इस बारे में विस्तार से लिखा गया है। गार्गी, घोषा, अपाला, सुलभा, कात्यायनी, मैत्रेई आदि ऋषिकाओं ने समस्त वैदिक कर्मकांड अधिकार पूर्वक किए और कराए हैं।

माता सीता ने किया था राजा दशरथ का तर्पण और पिंडदान

महातर्पण का आयोजन करने वाले मनोज सेंगर और माधवी सेंगर का कहना है कि शास्त्रों में कहीं भी नहीं लिखा कि महिलाएं तर्पण नहीं कर सकती हैं। माता सीता द्वारा अपने ससुर महाराज दशरथ का पिंडदान और तर्पण गया में फल्गु नदी के तट पर किया गया था, जिसे विद्वानों ने उचित ठहराया था। उस समय भारत में महिलाओं की बड़ी प्रतिष्ठा और मान्यता थी, लेकिन बीच में आए अंधकार पूर्ण युग में महिलाओं के तमाम सामाजिक और धार्मिक अधिकार विस्मृत कर दिए गए। गतिविधियां सीमित कर दी गईं, इससे उनका आत्मविश्वास कमजोर हो गया। महिलाओं में आत्मविश्वास जगाकर अधिकारों के प्रति जागृत करके उन्हें सशक्त बनाने से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,101.32	24,868.60
बढ़त	314.02	95.45
प्रतिशत में	0.39	0.39

सोना- 1,12,750 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,28,800 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, बुधवार, 10 सितंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

वाहनों के दाम 30.4 लाख तक घटाएगी जेएलआर

नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने मंगलवार को कहा कि वह जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के लिए वाहनों की कीमतों में 4.5 लाख से 30.4 लाख रुपये तक की कटौती करेगी। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को रेंज रोवर, डिफेंडर और डिस्कवरी ब्रांड के वाहनों में 4.5 लाख से 30.4 लाख तक का लाभ मिलेगा। जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अम्बा ने कहा, लक्जरी वाहनों पर जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना ग्राहकों और उद्योग दोनों के लिए एक स्वागतयोग्य कदम है। वोल्वो कार इंडिया ने कहा कि वह पेट्रोल, डीजल वाहनों की कीमतों में 6.9 लाख रुपये तक की कटौती करेगी।

वारी रिन्यूएबल को मिला 1,252 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज को वारी फॉरएवर एनर्जीज प्राइवेट लि. (डब्ल्यूएफईपीएल) से एक सौर परियोजना के लिए 1,252.43 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह परियोजना वित्त वर्ष 2026-27 में पूरी होगी। वारी रिन्यूएबल और डब्ल्यूएफईपीएल दोनों ही वारी एनर्जीज लि. की अनुषंगी कंपनियां हैं। परियोजना के अंतर्गत दो साल की संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) सेवाएं भी शामिल हैं।

जेएफएसएल-आलियांज ने किया गठजोड़

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने और जर्मनी की आलियांज ने भारत में पुनर्बीमा व्यवसाय के लिए आलियांज जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड (एजेआरएल) नाम से कंपनी का गठन किया है। जेएफएसएल ने शेयर बाजार को बताया कि एजेआरएल में 50% हिस्सेदारी के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 25,000 इक्विटी शेयरों की प्रारंभिक सदस्यता के लिए 2.50 लाख का निवेश करेगी। एजेआरएल का गठन भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद हुआ है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय से आठ सितंबर, 2025 को ईमेल से निगमन प्रमाणपत्र मिला।

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार मजबूत

अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से सेंसेक्स 314 अंक चढ़ा, निफ्टी भी बढ़त में

- आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर में 5.03% की तेजी

मुंबई, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों में लिवाली और अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी में 95 अंक की बढ़त रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन बढ़त में रहा और 314.02 अंक चढ़कर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 394.07 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित सूचकांक निफ्टी 95.45 अंक बढ़कर 24,868.60 अंक पर पहुंच गया। यह लगातार पांचवा कारोबारी सत्र है जब निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से देश की दूसरी बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस के शेयर में 5.03 प्रतिशत की तेजी रही। कंपनी ने कहा कि उसका निदेशक मंडल 11 सितंबर को इक्विटी शेयर की पुनर्खरीद के प्रस्ताव पर विचार करेगा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी तेजी बनी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी शामिल हैं।

मिड और स्मॉल कैप भी चढ़े

व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.22 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0.20 प्रतिशत चढ़ा। क्षेत्रवार सूचकांकों में केंद्रित आईटी खंड सर्वाधिक 2.89 प्रतिशत चढ़ गया जबकि आईटी खंड में 2.76 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी खंड में 2.18 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं तेल एवं गैस, रियल्टी, ऊर्जा खंड में गिरावट रही।

इन्फोसिस की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में आए उछाल

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि शेयर पुनर्खरीद के बारे में इन्फोसिस के विचार करने की घोषणा से आईटी शेयरों में तेजी का रुख रहा और इसके दम पर बाजार चढ़कर बंद हुआ। ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोन्मुडी आर. ने कहा कि आईटी शेयरों में निवेशक धारणा सकारात्मक रहने से यह क्षेत्र सबसे आगे रहा। इन्फोसिस की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में आए उछाल को अमेरिका में ब्याज दर की संभावित कटौती से भी समर्थन मिला।

एफआईआई ने 2,170 करोड़ के शेयर बेचे

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,170.35 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,014.30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत बढ़कर 66.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सेंसेक्स सोमवार को 76.54 अंक चढ़ा था जबकि निफ्टी में 32.15 अंक की तेजी रही थी। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में रहे, जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव की घोषणा के बाद वाहन कंपनियों के शेयरों में आए उछाल के बाद मुनाफावसूली हावी हो गई। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार धारणा एक दायरे में ही रहने की संभावना है।

दरों में बदलाव के अनुरूप एमआरपी में संशोधन करें कंपनियां : जोशी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- घरेलू उत्पादों की मांग बढ़ेगी व अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने विनिर्माताओं से जीएसटी दरों में बदलाव के अनुसार बिना बिके भंडार पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को बदलने के लिए कहा है। सरकार ने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं पर जीएसटी को कम कर दिया है, जो 22 सितंबर से लागू होगा।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नई जीएसटी दरों के अनुसार विनिर्माता, पैकर और आयातक 31 दिसंबर, 2025 तक (भंडार रहने तक) बिना बिके भंडार पर एमआरपी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि संशोधित कीमतें केवल जीएसटी में हुए बदलाव को ही दिखाएंगी।

मंत्री ने कहा कि नया एमआरपी स्टिकर, स्टाम्प या ऑनलाइन प्रिंट के साथ दिखाना चाहिए। साथ ही पुराना एमआरपी भी दिखाई देना चाहिए। जोशी ने कहा कि कीमत में कोई भी वृद्धि या कमी केवल कर परिवर्तन के अनुरूप ही हो सकती है। उन्होंने कंपनियों को विज्ञापनों और सार्वजनिक नोटिसों के जरिये उपभोक्ताओं को सूचित करने का भी निर्देश दिया है।

नई दरों का लाभ पहुंचाने को व्यापार सहयोग की जरूरत

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से जीएसटी सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। नई जीएसटी दरों के तहत 375 वस्तुओं पर कर घटाया गया है और ये दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। अधिक जागरूकता न केवल भ्रम को कम करेगी, बल्कि व्यवसायों, विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को बिना किसी बाधा के सुधारों से पूरा लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। कर अधिकारियों को लिखे लेटर में अग्रवाल ने कहा कि जरूरत की वस्तुओं पर कम कर से घरेलू खर्च घटेगा, किसानों, कारीगरों और निर्माताओं के लिए किफायती कच्चे माल से उत्पादन, रोजगार और निर्यात बढ़ेगा।

तांबे के अन्वेषण और खनन में निवेश जुटाने के लिए नीतिगत सुधार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ती जरूरतों को देखते हुए भारत को तांबे के अन्वेषण और खनन में निवेश आकर्षित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधार करने चाहिए ताकि निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित हो सके। इसे लेकर सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस (सीएसईपी) ने रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट अनुसार, तांबा ऊर्जा परिवर्तन की प्रक्रिया के केंद्र में है और यह पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक वाहन, निर्माण एवं उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत की तांबे की बढ़ती जरूरत और वैश्विक मांग को देखते हुए देश को अधिक खोज और खनन करना चाहिए क्योंकि बड़े संसाधन और भंडार अब भी अनछुए हैं। निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित करने को तत्काल नीतिगत सुधार जरूरी हैं। देश अपनी तांबे की जरूरत का 50 प्रतिशत से अधिक आयात से पूरी करता है।

- सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस ने जारी की रिपोर्ट

तांबे के नीलामी से लेकर वैधानिक मंजूरी एवं खनन शुरू होने तक की समूची खनिज रियायत प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाना चाहिए ताकि देरी और लंबित मामलों से बचा जा सके। सीएसईपी ने कहा कि मौजूदा खनन नीतिगत ढांचे में देश की भूवैज्ञानिक क्षमता का पूरी तरह दोहन नहीं हो पा रहा है।

पीएसयू के लिए डीलिस्टिंग नियम अधिसूचित

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने ऐसे सार्वजनिक उपक्रमों की स्वैच्छिक रूप से सूचीबद्धता समाप्त करने (डीलिस्टिंग) के लिए आसान नियम अधिसूचित किए हैं, जिनमें सरकार की 90% या उससे अधिक हिस्सेदारी है। इसका मकसद बाहर निकलने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनी के शेयर वहां से हटाने की प्रक्रिया को 'डीलिस्टिंग' कहते हैं। इन उपायों में डीलिस्टिंग को मंजूरी देने के लिए दो-तिहाई सार्वजनिक शेयरधारकों की सीमा में ढील और न्यूनतम मूल्य की गणना के तरीके में राहत शामिल है। वहीं, ऐसी डीलिस्टिंग निश्चित मूल्य पर हो सकती है, जो न्यूनतम मूल्य से 15% अधिक होनी चाहिए। सेबी ने एक सितंबर की अधिसूचना में कहा कि यह नियम ऐसे उपक्रमों पर लागू है, जहां सरकार की 90% से अधिक हिस्सेदारी है। इनमें बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और बीमा कंपनियां नहीं हैं।

स्टार्टअप कंपनियों के लिए ईएसओपी नियमों में संशोधन

सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने की इच्छा रखने वाली स्टार्टअप इकाइयों के संस्थापकों को बड़ी राहत देते हुए सेबी ने नियमों में संशोधन किया है। उन्हें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेज दाखिल करने से एक साल पहले दिए कर्मचारी शेयर विकल्प (ईएसओपी) को बनाए रखने की अनुमति दी गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, कोई कर्मचारी, जो प्रवर्तक या सदस्य के रूप में पहचाना जाता है और जिसे मसौदा दस्तावेज दाखिल करने से एक साल पहले किसी भी योजना के तहत विकल्प, एसएआर (स्टॉक एप्रिसिएशन राइट्स) या कोई अन्य लाभ दिया गया था, वह ऐसे विकल्प, एसएआर या किसी अन्य लाभ को बनाए रखने और उसका प्रयोग करने का पात्र होगा।

सेबी ने इनविट नियमों में संशोधन किया, न्यूनतम निवेश सीमा घटाई

सेबी ने निजी तौर पर नियोजित बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) के लिए प्राथमिक बाजार में न्यूनतम आवंटन लॉट को घटाकर 25 लाख करने के नियमों को अधिसूचित किया है। इसके साथ यह द्वितीयक बाजार में कारोबार लॉट के आकार के अनुरूप हो गया है। इससे पहले, निजी तौर पर नियोजित इनविट के लिए प्राथमिक बाजार में न्यूनतम आवंटन लॉट परिसंपत्ति मिश्रण के आधार पर एक करोड़ या 25 करोड़ रुपये था। मिश्रित परिसंपत्तियों पर गौर किए बिना द्वितीयक बाजार में कारोबार लॉट का आकार पहले ही घटाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया था। यह संशोधन सभी निजी तौर पर नियोजित इनविट के लिए प्राथमिक बाजार में 25 लाख रुपये का एक समान न्यूनतम आवंटन आकार रखता है।

राष्ट्रपति- राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे

कर्नाटक ने उच्चतम न्यायालय से कहा- वे केंद्र तथा राज्य की सहायता और सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति और राज्यपाल केवल नाममात्र के प्रमुख हैं और वे केंद्र तथा राज्य दोनों में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य हैं।

कर्नाटक सरकार के अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यन ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष कहा कि संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति और राज्यपाल को किसी भी आपराधिक कार्यवाही से छूट प्रदान करता है क्योंकि उनके पास कार्यपालिका की जिम्मेदारी नहीं है। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए सुब्रमण्यन ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ,

पीएस नरसिम्हा और एएस चंदुरकर की पीठ को बताया कि विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपाल की संतुष्टि, मंत्रिपरिषद की संतुष्टि ही है।

राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के आठवें दिन अपनी दलीलों में सुब्रमण्यन ने कहा कि संविधान राज्य में निर्वाचित सरकार के साथ समानांतर प्रशासन की व्यवस्था नहीं करता है। गवई ने सुब्रमण्यम से पूछा कि क्या सीआरपीसी की धारा 197 के तहत, जो लोकसेवकों पर मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी से संबंधित है, सरकार को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करना पड़ता है। इस पर वरिष्ठ वकील ने कहा कि न्यायालय के कई निर्णय हैं, जिनमें यह माना गया है कि राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से स्वतंत्र होकर कार्य करते हैं और धारा 197 के संबंध में अपने विवेक का इस्तेमाल करते हैं।

इससे पहले तीन सिबंतर को बंगाल सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा था कि विधेयक के रूप में जनता की आकांक्षाओं को राज्यपालों और राष्ट्रपति की इच्छाओं के अधीन नहीं किया जा सकता, क्योंकि कार्यपालिका को विधायी प्रक्रिया में हस्तक्षेप से रोका गया है। राज्यपाल संप्रभु की इच्छा पर सवाल नहीं उठा सकते हैं और विधानसभा द्वारा पारित विधेयक की विधायी क्षमता की जांच करने को आगे नहीं बढ़ सकते हैं, जो न्यायपालिका के अधिकार में है। न्यायालय राष्ट्रपति द्वारा भेजे 14 प्रश्नों की जांच कर रहा है, जिनमें यह भी है कि क्या संवैधानिक प्राधिकारी विधेयकों पर अनिश्चितकाल तक स्वीकृति रोक सकते हैं और क्या न्यायालय अनिवार्य समय-सीमा लागू कर सकते हैं।

एलोपैथी पर रामदेव की टिप्पणी का मामला: छत्तीसगढ़ पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट की दाखिल

उच्चतम न्यायालय को मंगलवार को सूचित किया गया कि कोविड के दौरान योग गुरु रामदेव की एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ कथित टिप्पणी से संबंधित मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ को यह जानकारी दी। मेहता ने कहा कि रामदेव के खिलाफ शिकायतें कुछ स्वार्थी समूहों से प्रायोजित थीं। रामदेव के अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि पिछले निर्देशों के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है, लेकिन बिहार ने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की पटना और रायपुर शाखाओं ने 2021 में शिकायत दर्ज कराई थी कि रामदेव की टिप्पणियों से कोविड नियंत्रण तंत्र के प्रति पूर्वाग्रह पैदा हो सकता है और लोग उचित उपचार से कतरा सकते हैं। रामदेव ने केंद्र, बिहार, छत्तीसगढ़ और आईएमए को पक्षकार बनाया था।

स्वयंसेवक से उपराष्ट्रपति तक सीपी राधाकृष्णन का रहा बेमिसाल सफर

नई दिल्ली, एजेंसी

किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक, जनसंघ से राजनीतिक पारी की शुरुआत, 1990 के दशक में भाजपा के सांसद, समर्थकों के बीच तमिलनाडु के मोदी के नाम से लोकप्रिय और आज देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए निर्वाचित हुए चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन का सफर निस्संदेह बेमिसाल है।

उपराष्ट्रपति के तौर पर उनका सफर अब अलग तरह का होगा, जिसमें उनके सामने कई चुनौतियां होंगी। सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा के सभापति के रूप में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाने की होगी, क्योंकि कुछ वर्षों में विपक्ष ने आसन की निष्पक्षता को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। राधाकृष्णन (77 वर्ष) देश के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। वे अब तक महाराष्ट्र के राज्यपाल की भूमिका रहे राधाकृष्णन किशोरावस्था में ही आरएसएस और जनसंघ से जुड़ थे। राधाकृष्णन ने 1998 और 1999 में कोयंबटूर लोकसभा सीट से दो बार चुनाव जीता, हालांकि इसके बाद उन्हें इस सीट से तीन बार हार का सामना करना पड़ा। तमिलनाडु में सभी दलों में उन्हें काफी सम्मान हासिल है और यही वजह है कि भाजपा ने

नई दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

उन्हें कई राज्यों का राज्यपाल बनाया।

उन्होंने 31 जुलाई, 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। इससे पहले, उन्होंने डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। झारखंड के राज्यपाल के रूप में, उन्हें तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। कई राज्यों में राज्यपाल होने के बाद भी, वह तमिलनाडु का दौरा करते रहे हैं। अपने हालिया तमिलनाडु दौरे के दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से भी मुलाकात की थी।

ऐश्वर्या ने कोर्ट से किया तस्वीर के अवैध प्रयोग पर रोक का अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया कि उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की जाए और ऑनलाइन मंचों को उनके नाम, तस्वीरों और एआई-जनित अश्लील सामग्री का अवैध रूप से उपयोग करने से रोका जाए।

न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे। यह मुकदमा उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं, जिनमें उनका नाम, तस्वीर, व्यक्तित्व और आवाज शामिल है, के दुरुपयोग से संबंधित है और प्रतिवादी उनकी राय की सहमति के बिना उनका उपयोग अपने व्यावसायिक लाभ के लिए कर रहे हैं।

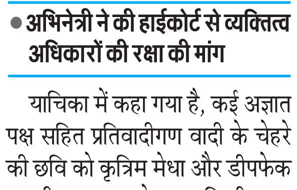

- अभिनेत्री ने की हाईकोर्ट से व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग

याचिका में कहा गया है, कई अज्ञात पक्ष सहित प्रतिवादीगण वादी के चेहरे की छवि को कृत्रिम मेधा और डीपफेक तकनीक का उपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति में लगा रहे हैं और वादी के अरुचिकर वीडियो और चित्र बनाए जा रहे हैं...। राय के वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवास्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर प्रसारित की जा रही हैं।

दिल्ली में एसी का कंप्रेसर फटने से पांच लोग घायल

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार में स्थित पिज्जा आउटलेट में एयर कंडीशनर कंप्रेसर फटने से तीन कर्मचारियों समेत पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना सोमवार को पिज्जा हट आउटलेट में हुई जहां कंप्रेसर में विस्फोट के बाद आग लग गई। आउटलेट के तीन कर्मचारियों समेत पांच लोग घायल हुए हैं।

पिज्जा हट की प्रवक्ता रिधि ने कहा कि पिज्जा हट यमुना विहार रेस्टोरेंट में आब नहीं लगी थी। यह बाहर मुख्य भवन परिसर में लगी थी और अधिकारी मूल कारण पता लगा रहे हैं। हमारे किसी भी ग्राहक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हमारी स्टोर टीम के सदस्य घायल हुए हैं, जिन्होंने बहादुरी से आग पर काबू पाने में मदद की।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारी भूस्खलन

- भूमि धंसाव से 50 आवासीय ढांचे क्षतिग्रस्त हुए, जिनमें अधिकांश रिहायशी मकान

मेंढर/जम्मू, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में पहाड़ी की ढलान पर स्थित एक गांव में भूमि धंसाव से 50 आवासीय ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए जिनमें अधिकांश रिहायशी मकान थे। जम्मू कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राणा ने अपने मेंढर निर्वाचन क्षेत्र के प्रभावित कलाबन गांव का दौरा किया तथा प्रभावित लोगों को पर्याप्त राहत और पुनर्वास का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि भूमि धंसने से तीन स्कूल भवन, एक मस्जिद, एक कब्रिस्तान और गांव को जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। यहां अब भी भूमि धंस रही है, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई है। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों का प्रभार संभाल रहे राणा ने गांव में दौरा करने के बाद कहा कि यह मेरा पैतृक गांव है जो पिछले कुछ दिनों से भूमि धंसने की समस्या का सामना कर रहा है...हाल ही में पुंछ, राजौरी और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से भूमि धंसने की खबरें आई थीं, जो जाहिर तौर पर भारी बारिश के कारण हुई।

उन्होंने कहा कि 25 से अधिक आवासीय मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 20 अन्य मकानों में दरारें आ गई हैं, जिससे वे असुरक्षित हो गए हैं। गांव की आधी आबादी, यानी 700 लोग भूमि धंसने से प्रभावित हैं। मैंने प्रशासन को अस्थायी पुनर्वास और राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

हिमाचल के कुल्लू में भूस्खलन में एक महिला की मौत, चार के मलबे में दबे होने की आशंका

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड इलाके में भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के चार अन्य सदस्यों के मलबे में दबे होने की आशंका है। जिले की घाटू पंचायत के शरमानी गांव में सोमवार रात डेढ़ बजे भारी बारिश से भूस्खलन हुआ, जिसमें दो घर क्षतिग्रस्त हो गए। ग्राम पंचायत प्रधान भोगा राम ने मंगलवार को बताया कि एक शव बरामद कर लिया और चार लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। मृतक की पहचान शिव राम की पत्नी बरसीती देवी के रूप में हुई है, जबकि चुन्नी लाल, अंजू, जागृति और पुपेश लापता हैं। गांव में तलाश अभियान जारी है। धर्म दास, उनकी पत्नी कला देवी और शिव राम घायल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें निरमंड के अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रज्ञा समेत 6 अन्य को बरी करने पर पीड़ित पहुंचे हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

मालेगांव विस्फोट

- बंबई हाईकोर्ट से विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया

2008 के मालेगांव बम विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों ने मामले के सात आरोपियों को बरी करने के विशेष अदालत के फैसले को बंबई हाईकोर्ट में चुनौती दी है। बरी किए गए आरोपियों में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित भी हैं।

अपील में दावा किया गया कि दोषपूर्ण जांच या जांच में कुछ खामियां आरोपियों को बरी करने का आधार नहीं हो सकतीं। यह भी तर्क दिया गया कि साजिश गुप्त रूप से रची जाती है, इसलिए इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हो सकता। विशेष एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) अदालत की ओर से 31 जुलाई को सुनाया गया सात आरोपियों को बरी करने संबंधी आदेश गलत है। निसार अहमद सैयद बिलाल और पांच अन्य ने वकील मतीन शेख के माध्यम से सोमवार को अपील दायर कर हाईकोर्ट से विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया। यह अपील 15 सितंबर को न्यायमूर्ति एएस गडकरी की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आने की संभावना है। नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितम्बर 2008 को एक मस्जिद के पास बाइक पर बंधे विस्फोटक में विस्फोट हुआ था, जिसमें छह की मौत और 101 लोग घायल हुए थे।

काठमांडू में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को एक पुलिस थाना और तमाम वाहनों को फूंक दिया।

युवा प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे तो पुलिस के बैरिकेड भी उन्हें नहीं रोक पाए।

सड़कों पर नारेबाजी और आगजनी के साथ युवाओं ने जमकर अपने गुस्से का इजहार किया।

नेपाल में जनाक्रोश

बेकाबू गुस्सा... ओली के इस्तीफे से भी नहीं संभले हालात

राष्ट्रपति, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों और काठमांडू के मेयर ने की बातचीत की अपील

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में ओली सरकार के गिरने के बाद भी उपद्रव थमने के नाम नहीं ले रहे हैं। देश में कई जगहों पर हो रही हिंसा की वारदातों को देखते हुए राष्ट्रपति के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारियों, सेना के बड़े अफसरों और काठमांडू मेयर बालेंद्र शाह ने लोगों से हिंसा का रास्ता छोड़ने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

प्रशासन और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए एक संयुक्त अपील जारी करके कहा है, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए, हम सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और जानमाल को और नुकसान से बचाने का आग्रह करते हैं। कहा गया है कि हम सभी पक्षों से राजनीतिक बातचीत के माध्यम से शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान निकालने का भी आह्वान करते हैं। कांतिपुर समाचार पत्र ने बताया है कि इस पर अपील पर सेना और शासन के बड़े अधिकारियों के दस्तखत हैं। इनमें नेपाल सरकार के मुख्य सचिव एकनारायण आर्यल, सेनाध्यक्ष, नेपाली सेना अशोक राज सिगदेल, गृह सचिव गोकर्णमणि दुवादी और अन्य वरिष्ठ लोग शामिल हैं।

इन अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि स्थिति को स्थिर करने और आगे किसी भी प्रकार की हताहत या संपत्ति के नुकसान को रोकने के लिए नागरिकों का सहयोग और सभी पक्षों का संयम अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रदर्शनकारियों ने नेपाल की संघीय संसद परिसर में भी आग लगा दी, इस इमारत से पूरे दिन धुंए के गुबार उठते रहे।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करें नेपाल के अधिकारी

काठमांडू। ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अमेरिका ने नेपाल में जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा और जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। एक संयुक्त बयान में इन देशों ने कहा, हम काठमांडू और नेपाल के अन्य हिस्सों में हुई हिंसा से बेहद दुखी हैं जिसमें प्रदर्शनों के दौरान हुई जानमाल की दुखद हानि और घायलों की संख्या भी शामिल है। हम पीड़ितों के परिवारों और सभी प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। एक बयान में संयुक्त राष्ट्र महासचिव प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षा बलों को बल प्रयोग के मूल सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र स्पष्ट रूप से इस स्थिति पर गहरी चिंता के साथ नजर रख रहा है। यह जरूरी है कि अधिकारी, सरकार, शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों की रक्षा और सम्मान करें।

भारत से काठमांडू की सभी उड़ानें रद्द, सिलिगुड़ी से बस सेवा भी बंद

नई दिल्ली। भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और काठमांडू के बीच मंगलवार की सभी चार उड़ानें रद्द कर दी हैं। स्थिति पर नजर रखा जा रही है और आगे अपडेट साझा किए जाएंगे। इंडिगो ने एक्स पर बताया कि उसने काठमांडू में हवाई अड्डे को बंद किए जाने के मद्देनजर सभी आने-जाने उड़ानें निलंबित कर दी हैं। काठमांडू और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के बीच बस सेवा भी स्थगित कर दी गई है। उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम ने पुष्टि की है कि काठमांडू-काकरविट्टा-सिलीगुड़ी बस सेवा, जो सप्ताह में दो बार मंगलवार और गुरुवार को चलती है उसे तकनीकी कारणों से स्थगित कर दिया गया है।

भारतीय दूतावास ने आपातकालीन फोन नंबर जारी किए

काठमांडू। भारत ने नेपाल में अपने नागरिकों के लिए आपातकालीन फोन नंबर जारी कर आपातस्थिति में उन पर संपर्क करने को कहा है। नेपाल में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर अपने +977 – 980 860 2881 और +977 – 981 032 6134 नंबर साझा किए हैं। साथ ही सलाह दी है कि नेपाल में मौजूद भारतीय नागरिक अपने निवास पर ही रहें, सड़कों पर निकलने से बचें।

सड़कों पर उतरे नेपाली युवाओं ने पुलिस के सामने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

सोशल मीडिया पर पाबंदी... क्योंकि असहमति की आवाजों पर नकेल कसना चाहती हैं सरकारें

काठमांडू। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाना दुनिया भर में और यहां तक कि लोकतांत्रिक देशों में भी इसपर अंकुश लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते यह कहकर 'फेसबुक', 'एक्स' और 'यूट्यूब' समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया था कि ये कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय में सूचना विज्ञान के सहायक प्रोफेसर आदित्य वशिष्ठ ने कहा कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है, वह जनता के विमर्श को नियंत्रित करने और जमीनी स्तर पर उभर रहे विचारों को नियंत्रित करने के इस व्यापक पैटर्न को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में ऐसा कई बार हो चुका है। वशिष्ठ ने कहा, यह कोई नई बात नहीं है, असल में यह सोशल मीडिया पर चल रहे विमर्श को नियंत्रित करने की एक बखूबी स्थापित रणनीति के तहत किया गया है।

वाशिंगटन स्थित गैर-लाभकारी संस्था 'फ्रीडम हाउस' में प्रौद्योगिकी और लोकतंत्र के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट कियान वेस्टिंसन ने कहा, नेपाल में लागू किए गए इन उपायों ने करोड़ों लोगों को उन प्लेटफॉर्म से दूर कर दिया है जिनका इस्तेमाल वे अपनी अभिव्यक्ति के लिए, रोजमर्रा के कामकाज के लिए, अपने परिवारों से बात करने के लिए, स्कूल जाने के लिए और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए करते हैं।

चीन इंटरनेट स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ा दुश्मन

फ्रीडम हाउस के मुताबिक चीन इंटरनेट स्वतंत्रता के लिए दुनिया के सबसे खराब माहौल की सूची में सबसे ऊपर है, पिछले साल म्यांमार इस मामले में शीर्ष स्थान पर था। जनवरी में पाकिस्तान की संसद के निचले सदन ने एक विधेयक पारित किया जो सरकार को सोशल मीडिया पर व्यापक नियंत्रण प्रदान करता है, जिसमें गलत सूचना फैलाने पर यूजर को जेल भेजना भी शामिल है। इंटरनेट के जरिए अभिव्यक्ति की आजादी को आधुनिक लोकतंत्र का आधार बताते हुए, फ्रीडम हाउस ने कहा कि 21वीं सदी का लोकतंत्र एक भरोसेमंद ऑनलाइन वातावरण के बिना काम नहीं कर सकता, जहां लोग जानकारी प्राप्त कर सकें और अपनी बात खुलकर कह सकें। हालांकि, सरकारें तेजी से बाधाएं खड़ी कर रही हैं।

राजशाही के अंत के बाद नहीं संभल पाया नेपाल, 10 से ज्यादा बार बदल चुकी हैं सरकारें

नई दिल्ली। भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिमालयी देश नेपाल में राजशाही समाप्त होने के बाद से पिछले सत्रह वर्षों में राजनीतिक अस्थिरता और अशांति का दौर रहा है और इस अल्पावधि में देश में दस से भी अधिक बार सरकारें बदली हैं।

दो बड़े देशों चीन और भारत से घिरे नेपाल की राजनीति और विदेश नीति इन दोनों देशों के साथ उसके संबंधों से प्रभावित रही है और अलग-अलग सरकारों को दोनों देशों के बीच संतुलन साधने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। नेपाल में बाहरी ताकतों की दखलंदाजी के कारण भी अस्थिरता का माहौल बनता रहा है। करीब तीन करोड़ की आबादी वाले नेपाल में एक दशक तक चले गृह युद्ध के बाद 239 वर्ष पुरानी राजशाही का अंत होने के साथ वर्ष 2008 में गणतंत्र की स्थापना हुई थी। पिछले सत्रह वर्षों में देश ने कई विरोध प्रदर्शनों के कारण बार-बार अस्थिरता और अनिश्चितता का सामना किया और औसतन हर एक-दो साल में सरकार बदलती रही। इस दौरान देश में 13 बार प्रधानमंत्री के स्तर पर सत्ता परिवर्तन हुआ। निवर्तमान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चार बार, पुष्प कमल दहल प्रचंड तीन बार और शेर बहादुर देउबा दो बार प्रधानमंत्री रहे। देश में राजनीतिक अस्थिरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसी भी प्रधानमंत्री ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया।

- पिछले 17 वर्षों से पड़ोसी देश में राजनीतिक अस्थिरता और अनिश्चितता का दौर

मौजूदा घटनाक्रम इसी कड़ी का हिस्सा है। देश में लंबे समय से व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा पहले से ही सुलग रहा था और सरकार के सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद विशेष रूप से युवाओं जिन्हें 'जेनरेशन जेड' कहा जा रहा है का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। युवा आबादी के सड़कों पर उग्र विरोध ने विद्रोह का रूप ले लिया। दो दिन के उग्र प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इससे पहले उनके कुछ मंत्रियों ने भी इस्तीफा दे दिया था।

तीन दशकों से आंदोलन

नेपाल में तीन दशकों में अनेक आंदोलन हुए हैं। 1990 में राजशाही के खिलाफ जनआंदोलन में सैकड़ों मौतें हुई। 1996 से 2006 तक माओवादी विद्रोह में कम्युनिस्ट विद्रोहियों और सरकार के बीच गृहयुद्ध की स्थिति बनी जिसमें 17 हजार लोग मारे गए। 2006 में दूसरा जनआंदोलन हुआ जिसने राजशाही को कमजोर कर गणतंत्र का मार्ग साफ किया। 2007 से 2008 के बीच मधेसी आंदोलन में तराई में जातीय नेपाली अधिकारों की मांग के चलते हुई हिंसा में अनेक लोग मारे गए। 2015 में मधेसी-ढारू प्रदर्शन, वर्ष 2019 से 2020 तक नागरिकता कानून और भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन में काठमांडू और तराई में हिंसा तथा पुलिस कार्रवाई में कई लोग घायल हुए।

ब्रिक्स देशों को एक-दूसरे से नफरत, व्यापार में अमेरिका से करते हैं पिशाचों जैसा बर्ताव

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि 'ब्रिक्स' गठबंधन लंबे समय तक नहीं टिकेगा, क्योंकि इसके सदस्य देश एक-दूसरे से नफरत करते हैं। उन्होंने इन देशों के व्यापार करने के तौर-तरीकों की तुलना अमेरिका का शोषण करने वाले पिशाचों से की है।

ब्रिक्स में मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे, लेकिन इसका 2024 में विस्तार करके इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया तथा 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो गया। नवारो ने सोमवार को 'रियल अमेरिकाज वॉयस' कार्यक्रम को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मुझे समझ नहीं आता कि ब्रिक्स गठबंधन कैसे एकजुट रह सकता है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से ये सभी एक-दूसरे से नफरत करते रहे हैं और एक-दूसरे को मारते रहे हैं। ब्रिक्स देशों पर तीखा निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, असल बात यह है कि इस समूह का कोई भी देश तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक वे अमेरिका को अपना माल नहीं बेचते। और जब वे अमेरिका को निर्यात करते हैं, तो वे अपनी अनुचित व्यापार नीतियों से पिशाचों (वैम्पायर) की तरह हमारी नसों का खून चूसते हैं।

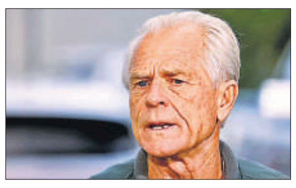
- ट्रंप के व्यापार सलाहकार नवारो की फिर छलकी बौखलाहट

रूस से तेल आयात और ऊंचे शुल्कों को लेकर भारत के खिलाफ आए दिन राग अलापने वाले नवारो ने कहा कि भारत दशकों से चीन के साथ युद्ध लड़ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, और मुझे अभी याद आया, पाकिस्तान को परमाणु बम चीन ने ही दिया था। अब आपके पास हिंद महासागर में चीनी झंडे लिए हवाई जहाज़ घूम रहे हैं। मोदी, देखिए आप इसे कैसे संभालते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि रूस का चीन के साथ पूरी तरह गठजोड़ है। नवारो ने दावा किया कि बीजिंग की नजर रूसी बंदरगाह व्लादिवोस्तोक पर है और वह पहले से ही बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन के ज़रिए साइबेरिया जो रूसी अर्ध-साम्राज्य का सबसे बड़ा भूभाग है, उस पर उपनिवेश स्थापित कर रहा है।

रूस का यूक्रेन के गांव पर ग्लाइड बम से हमला, पेंशन की लाइन में लगे 21 बुजुर्गों की मौत

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के एक गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए लाइनों में लगे बुजुर्गों पर रूसी ग्लाइड बम से किए गए हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन लोग घायल हो गए।

जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के यारोवा गांव में बम गिरा। उन्होंने हमले के बारे में कहा, निःसंदेह यह क्रूरता है। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह रूस पर अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे आक्रमण के लिए दंडित करें। उन्होंने पोस्ट में कहा, दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। दुनिया को निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए। अमेरिका को जवाब देना चाहिए। यूरोप को जवाब देना चाहिए। जी-20 को प्रतिक्रिया देनी चाहिए। रूस को मौत का तांडव मचाने से रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। दोनेत्स्क के गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने बताया कि पेंशन पाने के लिए इंतजार कर रहे बुजुर्गों की कतार पर हुए इस हमले में 21 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य लोग घायल हो गए।

इजराइल ने बड़े पैमाने पर हमले से पहले गाजा शहर खाली करने को कहा

यरूशलम। इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा शहर में एक बड़े हमले से पहले शहर खाली करने का आदेश दिया और भी दी कि जो लोग बचे हैं उन्हें गंभीर खतरा है।

इजराइली सेना के प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर लिखा, सेना इस क्षेत्र में पूरी ताकत से कार्रवाई करेगी। लगभग 10 लाख लोगों से दक्षिण में अल-मवासी की ओर जाने का आग्रह किया गया है जिसे मानवीय क्षेत्र घोषित किया गया है। अद्राई ने कहा, शहर में रहना बेहद खतरनाक है। इजराइल ने यह आदेश हमास द्वारा ट्रंप की ओर से पेश नए युद्धविराम प्रस्ताव के बाद बातचीत शुरू करने को तैयार होने की घोषणा के एक दिन बाद दिया है।

दोहा में धमाका, कतर ने बताया इजराइल की कायराना हरकत

यरुशलम। इजराइल ने मंगलवार को कतर में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किया। इसके साथ हमास के खिलाफ इजराइल का अभियान और व्यापक हो गया। धमाके के बाद कतर की राजधानी दोहा के क्षितिज पर काला धुआं छा गया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि हमले में कोई हताहत हुआ है या नहीं। सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले के बाद से यह दूसरी बार है जब कतर पर सीधा हमला हुआ है। कतर ने इसे इजराइल की कायराना हरकत बताया है।

मानहानि: ट्रंप ने वाल स्ट्रीट जर्नल पर किया 20 अरब डॉलर का केस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ 20 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर किया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि अखबार ने यह झूठा दावा किया कि उन्होंने 2003 में जेफ्री एपस्टीन के 50वें जन्मदिन के लिए एक अश्लील नोट लिखा था।

मियामी की संघीय अदालत में सोमवार को यह मुकदमा दायर किया गया जो मीडिया के खिलाफ ट्रंप के सबसे आक्रामक कानूनी हमलों में से एक है। इस मुकदमे में उनके वकीलों ने जर्नल और उसकी मूल कंपनी डाउ जोन्स पर पत्रकारिता की नैतिकता में घोर विफलता का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी प्रामाणिक पत्र मौजूद नहीं है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस विवाद के केंद्र में गिस्लेन मैक्सवेल द्वारा एपस्टीन के लिए संकलित एक जन्मदिन पुस्तक है, जिसे हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट्स ने पिछले सप्ताह जारी किया था। एक प्रविष्टि में एक नग्न महिला की रूपरेखा से बना एक नोट था जिस पर कमर के नीचे डोनाल्ड के हस्ताक्षर थे। जर्नल ने इस नोट को ट्रंप का बताया था।

- एपस्टीन के बर्थ डे के लिए अश्लील नोट लिखने का लगा था आरोप

आज का भविष्यफल
-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 सितंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 15 .37 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

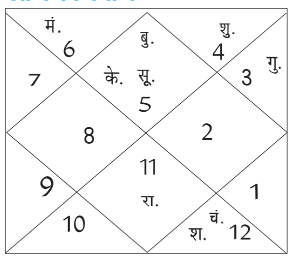

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 16 .03 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष – आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर हो सकती है। काम की उलझनों में आप फंस सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक मेलजोल न रखें। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिजनों के व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष – आज काम की उलझनों के कारण आप फंस सकते हैं। शरीर में थकावट और कमजोरी हो सकती है। शाम से पहले आवश्यक कार्यों को पूर्ण कर लेना हितकर होगा। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। सरकारी कार्यों में रुकावट आ सकती है।

मिथुन – आज समय की अनुकूलता का लाभ उठाएं। उच्च अधिकारी आपका प्रोत्साहन बढ़ाएंगे। पिता के प्रति आदर का भाव बढ़ेगा। दिखावे के लिए धन खर्च कर सकते हैं। जरूरतमंद लोगों की सहायता करेंगे। अव्यावहारिक लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

कर्क – आज कारोबार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। नई नौकरी आरंभ करने के लिए समय उत्तम है। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। लोगों के बीच आपके संपर्क का दायरा बढ़ेगा।

सिंह – आज मन में नए-नए विचार उत्पन्न होंगे। अपनी सोच का दायरा विस्तृत रखें। आपके सद्गुणों की प्रशंसा होगी। बड़े-बुजुर्गों के लिए उपहार खरीद सकते हैं। जल्दबाजी एवं क्रोध के कारण काम खराब हो सकते हैं।

कन्या – आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। जीवनसाथी को पर्याप्त समय देंगे। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। अनावश्यक खर्चों की चिंता मन में रहेगी। नकारात्मक बातों को अधिक तूल न दें।

तुला – आज आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर आप खरे उतरेंगे। आप राजनीतिक संपर्कों का लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र का वातावरण अनुशासित रहने वाला है। आपको ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

वृश्चिक – आज अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जिम्मेदारियों के बोझ तले दब सकते हैं। मांगलिक कार्य की योजना बनाएंगे। आपकी मन :स्थिति विचलित हो सकती है। स्वार्थी व्यवहार के कारण प्रेमीजन आपसे खिन्न हो सकते हैं।

धनु – आज जॉब में आपके अधिकार बढ़ेंगे। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लोग आपके प्रति सहानुभूति रखेंगे। अपनी रुचि के अनुसार काम करने का प्रयास करें। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर – आज आपको लोन और कर्ज लेने से बचना चाहिए। प्रेमीजन के साथ संबंध मधुर रहेंगे। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है। अनैतिक कार्यों से आपको दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

कुंभ – आज विदेश यात्रा में आ रही रुकावट दूर होगी। मानसिक रूप से अशांति का अनुभव कर सकते हैं। दूसरों से अधिक अपेक्षा न रखें। अपनी दिनचर्या में परिवर्तन कर सकते हैं। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है।

मीन – आज मेहनत में कमी हो सकती है। घर के कार्यों में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। पुराने मामलों का निपटारा हो सकता है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

सुडोकू -95

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				2			6
		7				4		1
	6				5		9	
6			4					5
9								7
	3			7	9			
8			6				7	
		3				2		
4			9				8	

सुडोकू - 94 का हल

1	6	5	9	4	2	7	3	8
4	3	7	8	6	5	1	2	9
9	2	8	1	3	7	5	4	6
6	5	2	4	8	9	3	7	1
8	7	1	5	2	3	9	6	4
3	9	4	6	7	1	8	5	2
5	8	6	7	1	4	2	9	3
7	4	3	2	9	8	6	1	5
2	1	9	3	5	6	4	8	7

> खुद पर भरोसा रखें और उस दिशा में काम करते रहें जिस दिशा में आप जाना चाहते हैं, क्योंकि जो आपको मारता नहीं है, वह आपको अंततः मजबूत बनाता है। इसलिए सकारात्मक रहना जरूरी है, खुद को प्रेरित करना बहुत कारगर होता है।
> -ऋषभ पंत

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर नगर, बुधवार, 10 सितंबर 2025

हाईलाइट

टोनाली के गोल से इटली की जीत

डेब्रेसेन (हंगरी) : सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इजराइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। जून में नॉर्वे से 3-0 की हार के बाद इटली का क्वालीफिकेशन अभियान मुश्किल में पड़ गया था। उसकी मुश्किल तब और बढ़ गई थी जब तटस्थ स्थल हंगरी में खेले गए मैच में इजराइल ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी है दम

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी आगे बढ़ी

हांगकांग : सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया।

श्रीलंका ने लियानागे को शामिल किया

कोलंबो : श्रीलंका ने एशिया कप के लिए मंगलवार को जेनिथ लियानागे को अपनी टीम में शामिल किया जिससे यह मध्यक्रम का बल्लेबाज तीन साल बाद टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगा। श्रीलंका के पास अब चरित असलंका के नेतृत्व में 17 सदस्यीय टीम है और वे 13 सितंबर को अबु धाबी में बांग्लादेश के खिलाफ इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अभियान की शुरुआत करेंगे।

दबंग दिल्ली ने बंगाल वारियर्स को हराया

विशाखापत्तनम : दबंग दिल्ली केसी ने मंगलवार को यहां प्रो कबड्डी लीग में बंगाल वारियर्स के खिलाफ 45-34 की जीत दर्ज की और अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। दबंग दिल्ली की ओर से आशु मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 अंक जुटाए जबकि अजिंक्य पवार ने उनका अच्छा साथ निभाया जिससे टीम लगातार चौथी जीत दर्ज करने में सफल रही। बंगाल की ओर से देवांक दलाल ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए।

दुबई में एशिया कप ट्रॉफी के अनावरण के दौरान ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह, हांगकांग के कप्तान यासिम मुर्तजा, पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका, बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास और यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम। एजेंसी

मैदान पर आक्रामकता नहीं छोड़ेंगे सूर्यकुमार और सलमान

दुबई, एजेंसी

भारत-पाक मुकाबला

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगाएगी, क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का अहम पहलू है।

वहीं, पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली ने कहा कि वह किसी को निर्देश नहीं देंगे, लेकिन इससे पीछे भी नहीं हटेंगे। पाकिस्तान से पहले भारत को बुधवार को यूएई से खेलना है। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कप्तानों की प्रेसवार्ता में कहा मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है।

आक्रामकता के बिना हम यह खेल नहीं खेल सकते। मैं आक्रामकता के साथ मैदान पर उतरने को लेकर उत्साहित हूं। उनसे पूछा गया था कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में क्या खिलाड़ी आक्रामकता कम करेंगे। इस साल की शुरुआत में पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान में सीमा पर तनाव और भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद दोनों टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है। पाकिस्तानी कप्तान सलमान ने कहा अगर कोई आक्रामक होना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। किसी खिलाड़ी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है क्योंकि सभी अलग हैं। उन्होंने कहा तेज गेंदबाज हमेशा आक्रामक होते हैं। प्रस्तोता ने मीडिया से सिर्फ गैर राजनीतिक सवाल पूछने का अनुरोध किया। सूर्यकुमार और सलमान साथ में भी नहीं बैठे थे। उन दोनों के बीच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान बैठे थे।

भारतीय ऑलराउंडर निभाएंगे बड़ी भूमिका

एशिया कप टी-20 क्रिकेट में मेजबान संयुक्त अरब अमीरात से आज भिड़ेगी टीम

दुबई, एजेंसी

खिताब का प्रबल दावेदार भारत एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को यहां जब मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा तो ऑलराउंडर के जरिये टीम में पर्याप्त संतुलन स्थापित करने की कोशिश करेगा। भारत हालांकि अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि इस मुकाबले में तीसरे स्पिनर या विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ उतरना है या नहीं।

मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यभार संभालने के बाद से भारत ने सभी प्रारूपों में ऑलराउंडर को प्राथमिकता दी है। ऐसा विशेष कर बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए किया गया है ताकि आठवें नंबर तक उसके पास अच्छे बल्लेबाज रहें। अमीरात के खिलाफ मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले अभ्यास मैच की तरह होगा। कमजोर मानी जाने वाली यह टीम भारतीय टीम प्रबंधन को इस बात का अंदाजा देगी कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए किस संयोजन के साथ मैदान में उतरना बेहतर होगा। यूएई के खिलाड़ियों के लिए यह सबसे बड़ा मैच होगा। जसप्रीत बुमराह का सामना करना या शुभमन गिल को गेंदबाजी करना किसी एसोसिएट देश के क्रिकेटर के जीवन में आम बात नहीं है और एशिया कप उन्हें खेल के वास्तविक माहौल से अवगत कराएगा। भारतीय टीम में संजू सैमसन बनाम जितेश शर्मा की पहेली फिलहाल सुलझ गई है। जितेश की फिनिशर की भूमिका को सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी पर प्राथमिकता मिलना तय है।

मीडिया को संबोधित करते पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका। एजेंसी

दुबई में रहना और सभी मैच अबुधाबी में खेलना आदर्श नहीं: राशिद

- **दुबई :** अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को स्पष्ट रूप से कहा कि दुबई में रहना और हर मैच के दिन लगभग दो घंटे की यात्रा करके अबुधाबी जाना उनकी टीम के लिए आदर्श कार्यक्रम नहीं है। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए जिस दिन उनकी टीम को शाम को अबुधाबी में हांगकांग से भिड़ना है। राशिद ने एशिया कप की अनिवार्य प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - इसी बात पर हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे। टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा अबुधाबी में खेलना और तीनों मैचों के लिए दुबई में रहना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते हमें इन चीजों को स्वीकार करना होगा।
- श्रीलंकाई कप्तान चरित असलंका ने भी कार्यक्रम के बारे में बात की जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ कड़ी श्रृंखला के बाद उनकी टीम को आराम करने और उबरने का बहुत कम समय मिला है। असलंका से जब काफी कम समय में इतने सारे मैच खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा नहीं मेरा मतलब है कि छह और सात सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच और फिर सीधे यहां (दुबई) आना काफी मुश्किल है। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे। असलंका ने कहा अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है और हम सभी जानते हैं कि यहां बहुत गर्मी है।

समय : रात 8:00 बजे से

यूएई के पास कौशल दिखाने का मौका

- **दुबई :** यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक शानदार अवसर है। मुहम्मद वसीम, राहुल चोपड़ा और सिमरनजीत सिंह जैसे खिलाड़ी अनुभवी कोच लालचंद राजपूत के मार्गदर्शन में अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

टीम

- **भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।
- **संयुक्त अरब अमीरात :** मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

हांगकांग के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती अफगानिस्तान की टीम।

अफगानिस्तान ने हांगकांग को 94 रनों से हराया

अबु धाबी, एजेंसी

- एशिया कप के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान ने किया शानदार प्रदर्शन

सेदिकुल्लाह अटल (नाबाद 73) और अजमतउल्लाह ओमरजई (52) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने मंगलवार को एशिया कप ग्रुप बी पहले मैच में हांगकांग को 94 रनों से हरा दिया।

189 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 22 रन के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा दिये। अंशुमन रथ (शून्य) पहले ओवर में फारुकी ने आउट किया। अगले ओवर में जीशान अली (पांच) को ओमरजई ने आउट किया। निजाकत खान (शून्य) और कल्हान चालू (चार) रनआउट हुये। 10वें ओवर में किंचित शाह (छह) को नूर ने आउट किया। बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन कर रहे बाबर हयात (39) नईब ने 13वें ओवर में आउट किया। एजाज खान (छह) राशीद खान का शिकार बने। 19वें ओवर में नईब ने कप्तान यासिम मुर्तजा (16) को पगबाधा आउट किया। 20वें ओवर में फारूकी ने एहसान खान (छह) को आउटकर हांगकांग को नौवां झटका दिया। हांगकांग की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 94 रन ही बना सकी।

बैजबॉल को लेकर गलतफहमी

लंदन, एजेंसी

- इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा ये नहीं है कोई खेल शैली

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है, बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वच्छंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है तथा इसको लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है।

मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभा ली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को बैजबॉल नाम दिया लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है। बीबीसी स्पोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार मैकुलम ने फॉर द लव ऑफ क्रिकेट पॉडकास्ट में कहा हमारे अंदर कभी भी अपने बारे में ऐसी मानसिकता नहीं रही है। चीजों को लेकर हमारा रवैया सख्त नहीं है। हम जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उसको लेकर कुछ गलत धारणा है। यह सभी खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए अपमानजनक है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और सफल होना चाहते हैं पर हमें इस तरह से वर्गीकृत करना सही नहीं है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उनका जोर हमेशा खिलाड़ियों की मानसिकता पर रहा है, न कि किसी विशेष तरीके से खेलने पर। मैकुलम ने कहा हमारे लिए यह एक ऐसा माहौल तैयार करने से जुड़ा है हम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने और अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझने पर जोर देते हैं।

जैसमीन विश्व मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल (इंग्लैंड) : राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहले पदक की ओर कदम बढ़ाते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि भारत के दो अन्य मुक्केबाज हारकर बाहर हो गए।

जैसमीन ने महिलाओं के 57 किलो वर्ग के अंतिम 16 में ब्राजील की दो बार की ओलंपियन जूसीलेन सेरकीरा रोमेउ को 5.0 से हराया। दोनों में जुलाई में अस्ताना टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला हुआ था जिसमे जैसमीन जीती थीं।

टी-20 विश्व कप सात फरवरी से!

नई दिल्ली, एजेंसी

- अगले साल होने वाला ये टूर्नामेंट चलेगा आठ मार्च तक
- भारत में पांच और श्रीलंका में दो शहरों में आयोजन की संभावना

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 को सात फरवरी से आठ मार्च के बीच खेला जा सकता है। इस विश्व कप का आयोजन भारत के कम से कम पांच और श्रीलंका के दो शहरों में होने की संभावना है।

इस विश्व कप का फाइनल अहमदाबाद या कोलंबो में होगा। यह पाकिस्तान के फाइनल में पहुंचने पर निर्भर करेगा। आईसीसी और बीसीसीआई के साथ हुए समझौते के तहत पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए समय निर्धारित कर दिया है और इसकी जानकारी सदस्य बोर्डों को दे दी है। इसका पूरा कार्यक्रम हालांकि अभी तय नहीं हुआ है। इस विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और इसका प्रारूप वैसा ही रहेगा, जैसा कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2024 में हुए टी20 विश्व कप का था। इसमें टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा जाएगा, जिसके बाद सुपर आठ चरण और सेमीफाइनल होंगे। इटली ने पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

15 टीमों ने जगह पक्की की

- अभी तक कुल 15 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, जिनमें गत चैंपियन भारत, श्रीलंका और इटली के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और नीदरलैंड शामिल हैं।

भारतीय महिला रिकर्व टीम कांस्य पदक प्लेआफ में, पुरुष टीम हारी

ग्वांग्जू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

दीपिका कुमारी, गाथा खडके और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व टीम विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में पहुंच गई, लेकिन पुरुष टीम पहले दौर से बाहर हो गई। कंपाउंड तीरंदाज भी दो पदकों से आगे नहीं बढ़ सके। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से 2-6 से हार गई। अब कांस्य पदक के लिए भारत का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

भारतीय महिला टीम की नजरें 2015 के बाद विश्व चैंपियनशिप में पहले पदक पर है। भारत ने अभी तक दो पदक जीते हैं और दोनों कंपाउंड वर्ग में मिले है। पुरुष टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता और ऋषभ यादव तथा ज्योति सुरेखा वेन्नम ने मिश्रित टीम में रजत पदक हासिल किया। रिकर्व में महिला टीम की अगुवाई कर रही चार बार की ओलंपियन दीपिका क्वालीफिकेशन में 677 अंक के साथ छठे स्थान पर रही। वहीं 14वीं वरीयता प्राप्त गाथा ने 666 और 30वीं वरीयता प्राप्त अंकिता ने 656 अंक बनाए। टीम क्वालीफिकेशन में भारत तीसरे स्थान पर रहकर सीधे दूसरे दौर में पहुंचा। तीनों ने शानदार शुरूआत करते हुए दसवीं वरीयता प्राप्त स्लोवेनिया को 5 . 1 से हराया । क्वार्टर फाइनल में उन्होंने तुर्की को मात दी लेकिन सेमीफाइनल में जापान से हार गई । फाइनल में जापान का सामना चीनी ताइपै से होगा जिसने मेजबान दक्षिण कोरिया को शूटआफ में हराया। पुरुष रिकर्व टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसे पहले दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क ने हराया। नौवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम में नीरज चौहान (670 अंक, 36वीं वरीयता), ओलंपियन धीरज बोम्मदेवरा (669, 39वीं) और राहुल (657, 62वीं) थे। शूटआफ तक चले मैच में भारतीय टीम 26 . 28 से हार गई।

दीपिका कुमारी। एजेंसी

पंत भारत लौटे, मुंबई में विशेषज्ञ से मिले

मुंबई : ऋषभ पंत भारत वापस आ गए हैं और जल्द ही पुनर्वास के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) जाएंगे। 23 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान अपने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने पिछले कुछ दिनों से विशेषज्ञों से सलाह ली है।

हालांकि आकलन के विवरण का अभी भी इंतजार है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रारूपों के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक, पंत (27), अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की अगली घरेलू सीरीज में वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज एक वास्तविक संभावना लगती है। पता चला है कि पंत पिछले कुछ दिन मुंबई में चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श के लिए बिता रहे थे।

यादें हुई ताजा — 12 वर्ष के शुभमन को गेंदबाजी करने वाले सिमरनजीत सिंह अब उनके खिलाफ खेलेंगे

शुभमन जब बच्चा था तब गेंदबाजी की

दुबई, एजेंसी

मैं शुभमन को तब से जानता हूं, जब वह बच्चा था, लेकिन पता नहीं उसे मैं याद हूं या नहीं, यह कहना है संयुक्त अरब अमीरात के बाएं हाथ के स्पिनर सिमरनजीत सिंह का।

अपने क्रिकेट कैरियर के सबसे बड़े पल भारत के खिलाफ एशिया कप मुकाबले से पहले लुधियाना के 35 वर्ष के इस खिलाड़ी को याद है जब बारह वर्ष का प्रतिभाशाली शुभमन मोहाली में पंजाब क्रिकेट संघ मैदान पर अभ्यास के लिए आता था।

उन्होंने कहा यह 2011-12 की बात होगी जब शुभमन 11 या 12 साल का रहा होगा। हम मोहाली में पीसीए अकादमी पर सुबह छह से 11 बजे तक अभ्यास करते थे। शुभमन अपने पिता के साथ सुबह 11 बजे आता था। सिमरनजीत ने कहा मैं अपने नेट सत्र के बाद काफी अतिरिक्त गेंदबाजी करता था। पता नहीं अब वह मुझे पहचानेगा या नहीं, लेकिन उन दिनों मैंने उसे काफी गेंदबाजी की है।

यूएई के कोच लालचंद राजपूत के अनुसार सिमरनजीत काफी प्रतिभाशाली गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा टी-20 क्रिकेट में बाएं हाथ के हर स्पिनर में गेंद को लगातार फ्लाइट देने की हिम्मत नहीं होती। सिमरन को पता है कि फ्लाइट से विकेट कैसे लिए जाते हैं। पंजाब के इस गेंदबाज ने अब तक 12 टी-20 मैचों में 15 विकेट लिए हैं। सिमरनजीत ने कहा मैने पंजाब में काफी जिला क्रिकेट खेली है। फिर 2017 में रणजी संभावितों में चुना गया। मैंने किंग्स इलेवन पंजाब के नेट्स पर भी गेंदबाजी की है। इसके बावजूद सफलता नहीं मिलने से उन्हें समझ में आ गया कि भारत के लिए खेलने का सपना पूरा नहीं होने वाला। फिर कोरोना ने उनकी जिंदगी बदल दी। मुझे दुबई में अभ्यास का प्रस्ताव मिला और अप्रैल 2021 में 20 दिन के लिए यहां आना था। फिर कोरोना की दूसरी लहर आने से भारत में फिर लॉकडाउन लग गया और मैं यहीं रह गया।

सिमरनजीत सिंह। एजेंसी

यूएई के स्पिनर हैं सिमरनजीत सिंह

- सिमरनजीत ने कहा 2021 के बाद से मैं दुबई में हूं और जूनियर खिलाड़ियों को कोचिंग देकर अच्छा पैसा मिल रहा है। मैं क्लब क्रिकेट भी खेलता हूं। यूएई टीम में आने के बाद अमीरात क्रिकेट बोर्ड से केंद्रीय करार मिल गया। यह बेहतरीन देश है और मुझे अगर कोई दिक्कत होती तो मैं इसके लिए नहीं खेलता। मेरे मजहब का सम्मान किया जाता है। किसी ने मेरी दाढी के बारे में नहीं पूछा और यह भी नहीं पूछा कि मैं कृपाण क्यों रखता हूं। यह पूछने पर कि उनका परिवार कल भारत के खिलाफ मैच में किसका समर्थन करेगा, उन्होंने कहा यह कठिन फैसला है।